



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 30]

नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 26, 1980 (श्रावण 4, 1902)

No. 30]

NEW DELHI, SATURDAY, JULY 26, 1980 (SRAVANA 4, 1902)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके  
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

### भाग III—खण्ड 1

### PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) के निम्नले पद पर प्रत्यावर्तित पर कर दिया गया है।

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 जून 1980

सं० ए० 32011/1/79-प्रशा०—I—ऊर्जा और सिंचाई मंत्रालय (विद्युत विभाग) के संवर्गह में चयन ग्रेड वैयक्तिक सहायक श्री बी० बी० छिबबर को राष्ट्रपति द्वारा 31-5-80 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेशों तक संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 12 जून 1980

सं० ए० 32014/1/80-प्रशा०—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12 मई, 1980 में आंशिक आशोधन करते हुए संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ग) श्री के० एस० भुटानी को जिन्हें 25-6-1980 तक तदर्थ आधार पर वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टे० से० का ग्रेड ख) के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए पदोन्नति किया गया था, 31-5-1980 (पूर्वाह्न) से वैयक्तिक

1—156GI/80

वरिष्ठ वैयक्तिक सहायक के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्यरत श्री एच० सी० कटोच के स्थान पर श्री भुटानी को 31-5-1980 (पूर्वाह्न) से 31-7-80 (अपराह्न) तक स्टेनोग्राफर ग्रेड ग के चयन ग्रेड में पूर्णतः अनंतिम अस्थायी और तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए पुन पदोन्नत किया गया है।

दिनांक 13 जून, 1980

सं० ए० 32013/3/80-प्रशा०—I—राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में निम्नलिखित अधिकारियों को प्रत्येक के सामने निविष्ट अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड I में तदर्थ आधार पर अवर सचिव के पद पर स्थाना-

(8343)

पक्ष रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया जाता है :—

क्र०	नाम	अवधि
	सर्वश्री	
1.	पी० सी० माथुर (अ० अ०)	1-3-80 से 23-4-80 तक तथा 25-4-80 से तीन मास के लिए।
2.	टी० एम० कौकल (के० स० स्टेटे० से० का ग्रेड क) अध्यक्ष विशेष सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य रत (संवर्गवाह्य)	1-3-80 से 25-3-80 तक।
3.	एस० श्रीनिवासन (अ० अ०)	1-3-80 से 30-4-80 तक और 2-5-80 से 3 मास।
	स्थापनापन्न डैस्क अधिकारी	
4.	डी० पी० राय (अ० अ०)	1-3-80 से 15-4-80 तक और 16-4-80 से 9-5-80 तक।
	स्थापनापन्न डैस्क अधिकारी	
5.	एम० एस० छाबड़ा (अ० अ०)	1-4-80 से 3 मास।
	स्थापनापन्न वरिष्ठ विश्लेषक (संवर्गवाह्य)	

दिनांक 20 जून 1980

सं० पी०/1867/प्रशा० I—भारतीय राजस्व सेवा (आयकर) के अधिकारी श्री एम० एस० सथान्यी, जो संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में उप सचिव के पद पर प्रतिनियुक्ति पर थे, और जिन्हें 30-6-1980 तक अवकाश प्रदान किया गया है, की सेवाएं 1-7-1980 (पूर्वाह्न) से केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड, वित्त मंत्रालय को पुनः सौंपी जाती है।

एम० बालचन्द्रन  
अवर सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 1 जुलाई 1980

सं० ए० 11016/1/76-प्रशा०—संघ लोक सेवा आयोग के निम्नलिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा प्रत्येक के सामने निर्दिष्ट अवधि के लिये अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में डैस्क अधिकारी का कार्य करने के लिये नियुक्त किया जाता है :—

क्र०	नाम	डैस्क अधिकारी के पद में सं० पदोन्नति की अवधि
1	2	3
	सर्वश्री	
1.	एच० एम० विश्वास	30-6-80 से 31-8-80 तक
2.	आर० सहाय	10-6-80 से 31-8-80 तक

2. कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय स्थापन सं० एस० (1) दिनांक 11-12-75 के अनुसरण में उपरोक्त अधिकारियों को जिस अवधि के लिये वह डैस्क अधिकारी का कार्य करते हैं, प्रति माह 75/- रुपये विशेष वेतन लेंगे।

एस० बालचन्द्रन,  
अवर सचिव, (प्रशासन प्रभारी)  
संघ लोकसेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-1100010 दिनांक जुलाई 1980

सं० ओ० दो., 1444/79-स्थापना—महानिदेशक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर (कुमारी) इफतेखारुनिसा बेगम को दिनांक 5-6-1980 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्ति किया गया है।

सं० ओ० दो. 1455/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर अनिल कौशल्य को 9-6-1980 के पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्ति किया है।

दिनांक 3 जुलाई 1980

सं० ओ० दो-322/69-स्थापना—राष्ट्रपति ने श्री एम० बी० बेग सहायक कमाण्डेंट 36 बटालियन को केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियमावली, 1965 के नियम 5(I) के अनुसार एक माह के नोटिस की समाप्ति पर दिनांक 30-6-80 के अपराह्न से कार्यभार मुक्त कर दिया है।

दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० ओ० दो. 1448/79-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर जगदीश चन्द्र निसंतदरा को 27-5-1980 पूर्वाह्न से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें से जो भी पहले हो उस तारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्ति किया है।

के० आर० के० प्रसाद  
सहायक निदेशक प्रशासन

## महानिरीक्षक का कार्यालय

## केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 28 जून 1980

सं० आई०-16014(3)/15-73-कामिक—अपने मूल कार्यालय को प्रत्यावर्तित होने पर श्री आर० सेनाद्री ने 21 मई, 1980 के अपराल्ल से के० श्री० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

एम० पी० टी० मद्रास के प्रशिक्षण रिजर्व (द० क्षेत्र) से स्थानांतरित होने पर श्री एन० रामदास ने उसी तारीख से के० श्री० सु० ब० ग्रुप मुख्यालय, मद्रास के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

3. इसे दिनांक 16-6-1980 के समसंख्यक अधिसूचना के अधिक्रमण में जारी किया जाता है।

सं० ई० 38013(3)/17/79-कामिक—रांची से स्थानांतरित होने पर श्री डी० एम० बदवाल ने 28 मई, 1980 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट, एच० एफ० सी० एल० नामरूप के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार संभाल लिया।

ह० अपठनीय  
महानिरीक्षक

## भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 जुलाई 1980

सं० 11/1/80 प्रशा० I—राष्ट्रपति, भारतीय प्रशासनिक सेवा (केरल संवर्ग) के अधिकारी श्री के० एस० वैल्लोड़ी को केरल, त्रिवेन्द्रम में जनगणना निदेशालय में, तारीख 9 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेशों तक उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहाय्य नियुक्त करते हैं।

श्री के० एस० वैल्लोड़ी का मुख्यालय त्रिवेन्द्रम में, होगा।

पी० पद्मनाभ  
भारत के महापंजीकार

## वित्त मंत्रालय

## (आर्थिक कार्य विभाग)

## भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 3 जुलाई 1980

सं० 527/ए—निम्नांकित नियंत्रण निरीक्षकों की (वर्ग III अराज्यवर्तित), भारत प्रतिभूति मुद्रणालय एतद्वारा उप नियंत्रण अधिकारियों के रूप में (वर्ग II राजपत्रित पद), भारत प्रतिभूति मुद्रणालय में सुधारित वेतन श्रेणी दः 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000 ई० बी०-40-1200 में दिनांक 24-6-80 के पूर्वाह्न से 23-9-80 तक तदर्थ रूप में नियुक्त किया जाता है अथवा जब तक निय-

मित रूप से जब तक इसके पूर्व ही उक्त पद की पूर्ति न हो जाय।

1. श्री ए० एस० पालकर
2. श्री जी० नारायणसामी

ना० राममूर्ति  
उपेष्ट उप महाप्रबंधक  
भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

## प्रतिभूति कागज कारखाना

होशंगाबाद, दिनांक 24 जून 1980

इस कार्यालय के दिनांक 26-5-79 की अधिसूचना क्रमांक—3—1/1717 के तारतम्य में श्री बी० आर० बरमैया, सहायक अभियन्ता (विद्युत) की तदर्थ रूप से की गई नियुक्ति की अवधि 30-6-80 अथवा जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भर लिया जाय, इनमें से जो भी पहले हो, तक के लिये बढ़ाई जाती है।

सं० पी० एफ० पी० डी०/27/3306—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक पी० डी०-27/9630 दिनांक 12-12-1979 के तारतम्य में श्री आर० जी० कुल्थे, फोरमन (मोल्ड प्लान्ट) को दिनांक 27-5-1980 से नियमित रूप से सहायक कार्य प्रबन्धक के पद पर पदोन्नत किया जाता है। वे दो वर्ष, जिसमें तदर्थ आधार पर की गई उनकी नियुक्ति की अवधि भी सम्मिलित है, तक परीक्षा काल पर रहेंगे।

श० रा० पाठक  
महाप्रबंधक

## भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

## कार्यालय महालेखाकार, जम्मू व काश्मीर

श्रीनगर, दिनांक 23 जून 1980

सं० प्रशा० (I)/60(68)/80-81/1203/-205—महालेखाकार जम्मू व काश्मीर ने, अन्य आदेश जारी किये जाने तक, इस कार्यालय के एक स्थाई अनुभाग अधिकारी श्री जे० एल० भट्ट को 13 जून 1980 (पूर्वाह्न) से प्रभावी स्थानापन्न हैसियत में लेखा अधिकारी के रूप में पदोन्नत किया है।

एच० पी० दाम

वरिष्ठ उपमहालेखाकार (प्रशासन एवं अधिकरण)

## महालेखाकार महाराष्ट्र I का कार्यालय,

बम्बई-400020, दिनांक 1980

सं० प्रशा० 1/जन०/31—बाल्यूम-III/सीएल(1)/3—महालेखाकार, महाराष्ट्र-I अधिनस्थ लेखा सेवा के सदस्य,

श्री एस० एन० पोद्दी, को दिनांक 12 जून 1980 पूर्वान्ह से अपने कार्यालय में आगे आदेश होने तक लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० आर० मुखर्जी  
वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन

रक्षा लेखा विभाग  
कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंत्रक  
नई दिल्ली-22, दिनांक 28 जून 1980  
सं० 18294/प्रशा०-1-58 वर्ष की आयु प्राप्त कर लेने पर, श्री ओम प्रकाश, रक्षा लेखा सहायक नियंत्रक, को दिनांक 31-12-80 (अपराह्न) से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा तथा तदनुसार उनका नाम रक्षा लेखा विभाग के संस्था बल में दिनांक 31-12-1980 से हटा दिया जायेगा।

दिनांक 2 जुलाई 1980

सं० 40011(1)/80/प्रशा०-II--(1) निम्नलिखित लेखा अधिकारी, अपनी सेवा निवृत्ति आयु प्राप्त कर लेने पर प्रत्येक के समक्ष लिखी तारीख के अपराह्न से, पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिए गये/कर दिये जायेंगे:—

क्रम संख्या	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना को अन्तरित होने की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5
सर्वश्री				
1.	एस सुन्दरम-II (पी०/82)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पुणे।
2.	ए० के० थोमन (पी०/344)	उक्त	31-1-80	उक्त
3.	ए० एस० देशपांडे (ओ०/375)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-80	उक्त
4.	एस० आर० राजवाडे (ओ०/130)	उक्त	31-1-80	लेखा नियंत्रक (निर्माणाधीन) कलकत्ता
5.	के० के० राय चौधरी (पी०/474)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-80	उक्त
6.	आर० पी० बसू (पी०/20)	उक्त	31-1-80	उक्त
7.	काली प्रसन्ना सेन (ओ०/160)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-80	उक्त
8.	आर० एस० राणा (ओ/अभी आर्बंटित नहीं)	उक्त	31-1-80	उक्त
9.	एस० के० गुहा (पी०/115)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-80	रक्षा लेखा महानियंत्रक, नई दिल्ली।
10.	के० पी० बोस (पी०/216)	उक्त	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक पटना।
11.	ए० व० आर खुराना (ओ/अभी आर्बंटित नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक पश्चिमी कमान मेरठ।
12.	बी० एस० अर्जुन वाडकर (ओ/150)	उक्त	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे।
13.	आर० सुब्रामनियम (पी/29)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-80	उक्त
14.	वी० के० जोगनेकर (ओ/अभी आर्बंटित नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे।
15.	त्रिलोक चन्द महाजन (ओ/241)	उक्त	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक उत्तरी कमान, जम्मू।
16.	अनिल कुमार विश्वास (पी/176)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून।
17.	ओम प्रकाश मिश्र (पी/111)	उक्त	31-1-80	रक्षा लेखा संयुक्त नियंत्रक (निधि) मेरठ।
18.	एस० वृंदागिरि (पी/93)	उक्त	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) मेरठ।



1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
19.	इन्दर नाथ चड्ढा (पी/184)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-79	रक्षा लेखा नियंत्रक (पेंशन) इलाहाबाद।
20.	रामा नन्दन परसाद (पी/567)	उक्त	31-1-80	उक्त
21.	सी० डी० मथाई (पी/281)	उक्त	31-1-80	उक्त
22.	यदु गोपाल चटर्जी (पी/182)	उक्त	31-1-80	उक्त
23.	एन० सी० कश्यप (पी/509)	उक्त	29-2-80	उक्त
24.	रेवाधर जोशी (पी/468)	उक्त	29-2-80	उक्त
25.	एस० सी० बनर्जी (पी/183)	उक्त	29-2-80	उक्त
26.	एस० आर० खान (ओ/63)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	29-2-80	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता।
27.	के० त्यागराजन (ओ/288)	उक्त	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिणी कमान, पुणे।
28.	पी० एन० रामदास (पी/87)	स्थायी लेखा अधिकारी	29-2-80	उक्त
29.	बी० एम० तुपे (ओ/अभी आबंटित नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	29-2-80	उक्त
30.	राजिन्दर सिंह अहलूवालिया (पी/506)	स्थायी लेखा अधिकारी	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून।
31.	एल० एन० बापत (पी०/375)	उक्त	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक अफसर, पुणे।
32.	इन्दर प्रकाश नादिर (ओ/260)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), उत्तर मेरठ।
33.	टी० एन० सीतारामन (पी/48)	स्थायी लेखा अधिकारी	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), दक्षिणी, मद्रास।
34.	सी० पी० स्वामी (पी/120)	स्थायी लेखा अधिकारी	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक), दक्षिण, मद्रास।
35.	डी० कृष्णामूर्ति (ओ/383)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	29-2-80	उक्त
36.	अरुण कुमार बसु (ओ/78)	उक्त	29-2-80	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता।
37.	एन० सी० चक्रवर्ती (पी/602)	स्थायी लेखा अधिकारी	29-2-80	उक्त
38.	के० एम० रामास्वामी (पी/80)	उक्त	29-2-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (नौसेना) बम्बई।
39.	अरविन्दस मेनन (पी/102)	उक्त	31-3-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना) देहरादून।
40.	मोहिन्दर सिंह बिन्दा (पी/201)	उक्त	31-3-80	उक्त
41.	कश्मीरी लाल (पी/370)	उक्त	31-3-80	उक्त
42.	मदन मोहन (ओ/34)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-80	उक्त
43.	जी० वर्धराजन (पी/119)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-80	उक्त
44.	के० आर० कृष्णामूर्ति (पी/51)	उक्त	31-3-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण, मद्रास।
45.	टी० बी० वैक्टरमनाराव (पी/138)	उक्त	31-3-80	उक्त
46.	योगिन्दर पालसोनी (पी/219)	उक्त	31-3-80	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिण कमान, पुणे।
47.	बी० जी० शिरगुरकर (पी/49)	उक्त	31-3-80	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर) पुणे।
48.	मदन लाल सेठ (पी/574)	उक्त	31-3-80	लेखा नियंत्रक (निर्माणी) कलकत्ता।

1	2	3	4	5
	सर्वश्री			
49.	टी० देव राय (पी/247)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-80	रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान, मेरठ।
50.	आर० एन० दत्ता (ओ/136)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-80	रक्षा लेखा नियंत्रक मध्य कमान, मेरठ।
51.	एम० एस० सचदेव (पी/572)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-80	उक्त
52.	राम प्रकाश आनन्द (ओ/334)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-80	उक्त

रक्षा लेखा महानियंत्रक, निम्नलिखित लेखा अधिकारियों की मृत्यु की सखेद अधिसूचना करते हैं।

क्रम सं०	नाम तथा रोस्टर संख्या	ग्रेड	मृत्यु तिथि	विभाग के संख्या बल से विलग किए जाने की तिथि	संगठन
1	2	3	4	5	6
	सर्वश्री				
1.	एम० जी० सूरी (पी/523)	स्थायी लेखा अधिकारी	14-12-79	15-12-79 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक दक्षिण कमान, पुना।
2.	आर० बालासुब्रामनियन (ओ/अमी आबंटित नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	6-1-80	7-1-80 (पूर्वाह्न)	रक्षा लेखा नियंत्रक (अन्य रैंक) दक्षिण मद्रास।

के० पी० राव,  
रक्षा लेखा अपर महानियंत्रक (प्रशासन)

#### रक्षा मंत्रालय

डी० जी० ओ० एफ० मुख्यालय सिविल सेवा,  
आर्डनेंस फैक्टरी बोर्ड

कलकत्ता-69, दिनांक 27 जून 1980

सं० 1180/ए/ई-1 (एन० जी०)।—महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां महोदय निम्नलिखित अधिकारी को उनके सामने दर्शाए ग्रेड में और तारीख से, वरिष्ठता पर बिना प्रभावी हुए, वर्तमान रिक्ति में स्थानापन्न रूप से, प्रोन्नत करते हैं :—

श्री जगदीश मिश्र शारदा—स्थानापन्न सहायक—दिनांक 20-2-80  
महायुक्त स्टाफ अफसर, स्टाफ अफसर में आगामी आदेश (तदर्थ) न होने तक

श्री शारदा अपनी प्रोन्नति की तारीख से दो वर्ष तक, परखा-वधि पर रहेंगे।

डी० पी० चक्रवर्ती  
ए० डी० जी० ओ० एफ० प्रशासन  
कृते महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां

#### श्रम मंत्रालय

कारखाना मजदूर सेवा और श्रम विज्ञान केंद्र महानिदेशालय

बम्बई, दिनांक 28 जून 1980

सं० 3/18/78-स्थापना—महानिदेशक ने निम्नलिखित अधिकारियों को कारखाना मजदूर सेवा और श्रम विज्ञान केंद्र महानिदेशालय में अपर निरीक्षक (गोदी सुरक्षा) के पद पर, उनके नामों के आगे दी गई तारीखों को, अगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करता है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की तारीख
	सर्वश्री	
1.	अधीर सी० पार	17-12-79 (पूर्वाह्न)
2.	के० नरसिमहन	31-12-79 (पूर्वाह्न)
3.	के० आर० हारनोल	1-5-80 (पूर्वाह्न)

दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० 15/10/79 स्थापना—महानिदेशक ने श्री के० सूर्य-नारायणन को इस कारखाना मलाह सेवा और श्रम विज्ञान केन्द्र महानिदेशालय में, अनुसंधान अधिकारी (औद्योगिक मनोविज्ञान) के पद पर दिनांक 17 जून, 1980 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक अस्थायी रूप में नियुक्त करता है।

ए० के० चक्रवर्ती,  
महानिदेशक

वाणिज्य मंत्रालय

(वस्त्र विभाग)

हथकरघा विकास आयुक्त कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 29 जून 1980

सं० ए० 32013/2/80 व्यवस्था-II (क)—राष्ट्रपति, श्री वी० कृष्णास्वामी आयरंगर, उप निदेशक (प्रोमोसिंग) को 7 जून, 1980 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक के लिये बुनकर सेवा केन्द्र, मद्रास में निदेशक (प्रोमोसिंग) के पद पर सहर्ष नियुक्ति करते हैं।

एन० पी० शेषाद्री,  
संयुक्त विकास आयुक्त (हथकरघा)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन अनुभाग—I)

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

सं० प्र० 1/1(1045)—पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री राम किशन को दिनांक 19-5-1980 के पूर्वाह्न से अवर प्रगति अधिकारी के अराजपत्रित पद पर पदावनत किया जाता है।

कृष्ण किशोर,  
उप निदेशक (प्रशासन)  
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 30 जून 1980

सं० ए० 19011(281)80 स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री वाय० एन० सोनटके, कनिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 28 मई, 1980 के अपराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 9 जुलाई 1980

सं० ए० 19012(91)77 स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री आर० एन० कोस्टा, सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 4-6-1980, के अपराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19011(236)/78 स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री ए० नागराजा, सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी को दिनांक 29 मई, 1980 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19012(111)/79 स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री मोहन राम महा-यक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 26 मई 1980 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19012(114)79 स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री के० वाय० कपाने, सहायक अनुसंधान अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 3-6-1980 के पूर्वाह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए० 19011(283)80 स्था० ए०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति श्री एन० पी० हरन, कनिष्ठ तकनीकी सहायक (अयस्क प्रसाधन) को दिनांक 28 मई, 1980 के अपराह्न से भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप से सहायक अयस्क प्रसाधन अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० व्ही० अली,  
कार्यालय अध्यक्ष  
भारतीय खान ब्यूरो

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 27 जून 1980

सं० ए० 32013/1/80 एस० पांच—महानिदेशक, आकाश वाणी एतद्वारा श्री जे० पी० जैन, वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी, दूरदर्शन केंद्र, लखनऊ को दिनांक 29 मई, 1980 के पूर्वाह्न से आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली में लेखा निरीक्षक के पद पर पूर्णतः तदर्थ रूप में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये नियुक्त करते हैं। यह नियुक्ति श्री बी० के० मित्र, स्थानापन्न लेखा निरीक्षक, आकाशवाणी महानिदेशालय, नई दिल्ली, जो 29 फरवरी, 1980 को

सरकारी नौकरी में सेवा निवृत्त हो गये हैं, के स्थान पर की गई है।

एस० बी० सेवाश्री  
प्रशासन उपनिदेशक  
कृते महानिदेशक

#### दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 30 जून 1980

सं० ए० 19012-16/80 एस-II—महानिदेशक, दूरदर्शन श्री एस० डी० खन्ना को, जो कि पहले आकाशवाणी के दिल्ली केन्द्र पर मुख्य लिपिक/लिखापाल के रूप में कार्य करते थे, 22-5-80 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक दूरदर्शन केन्द्र, जालन्धर में रु० 650-960 के वेतनमान में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सी० एल० आर्य,  
प्रशासन उपनिदेशक

#### सूचना और प्रसारण मंत्रालय

##### फिल्म प्रभाग

बम्बई-26, दिनांक 27 जून 1980

सं० अ०-19012/4/79-सिबन्दी-I—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर, मुख्य निर्माता, फिल्म प्रभाग द्वारा आर० आर० स्वामी को, फिल्म प्रभाग में दिनांक 9 जून, 1980 (सुबह) से, अग्रिम आदेश तक "इन चिटविन एनिमेटर" के पद पर नियुक्त किया गया है।

एन० एन० शर्मा,  
कार्यकारी प्रशासकीय अधिकारी  
कृते मुख्य निर्माता

#### चिकित्सा अधीक्षक का कार्यालय

##### सफदरजंग अस्पताल

नई दिल्ली-16, दिनांक 18 मार्च 1980

सं० 17—केन्द्रीय सिविल सेवा (अस्थायी सेवा) नियम-1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के अनुसरण में मैं इस अस्पताल में श्री छतरपाल, लिपिक को नोटिस देता हूँ कि उसे जिस तारीख को यह नोटिस मिलेगा उसमें एक माह की अवधि समाप्त होने की तारीख से उसकी सेवा समाप्त हो जाएगी।

सत्यानन्द,  
चिकित्सा अधीक्षक

#### कृषि और मिर्चाई मंत्रालय

##### राष्ट्रीय शर्करा संस्था (खाद्य विभाग)

कानपुर, दिनांक 16 जून 1980

सं० स्था० 10(4)/65—श्री ए० के० गुप्त, वरिष्ठ तकनीकी सहायक की नियुक्ति तदार्थ रूप से कनिष्ठ तकनीकी अधिकारी के अस्थायी पद पर रु० 650-1200 के वेतन क्रम में राष्ट्रीय शर्करा संस्था, कानपुर में दिनांक 19 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से की जाती है।

एन० ए० रामथ्या,  
निदेशक

#### ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

##### विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

##### प्रधान कार्यालय

फरीदाबाद, दिनांक 1 जुलाई 1980

सं० ए० 19025/37/79-प्रशासन-III—खाद्य विभाग में सहायक निदेशक (एस० आर०) के पद पर चयन होने के उपरान्त श्री के० एस० डोगरे सहायक विपणन अधिकारी ने इस निदेशालय में छमा में तारीख 7 जून 1980 के अपराह्न से अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिहार,  
निदेशक प्रशासन

कृते कृषि विपणन सलाहकार

#### परमाणु ऊर्जा विभाग

##### क्रय और भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 27 जून 1980

संदर्भ सं० 23/6/77-ईस्टे०/9855—निदेशक, क्रय एवं भंडार निदेशालय परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० के० बोकिल को भंडार अधिकारी के पद पर नियुक्त होने के कारण इस निदेशालय के अस्थायी भंडारी श्री एम० एम० नोटियाल को स्थानापन्न रूप से सहायक भंडार अधिकारी पद पर रुपये 650-30-740-35-810-द० रो०-35-1000-द० रो०-40-1200 के वेतन क्रम में दिनांक नवम्बर, 13, 78 (अपराह्न) से दिसम्बर, 14, 1978 (पूर्वाह्न) तक तदर्थ रूप से इसी निदेशालय में नियुक्त करते हैं।

सी० बी० गोपालकृष्णन,  
सहायक कार्मिक अधिकारी

#### (परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500 016, दिनांक 28 जून 1980

सं० ए० ख० प्र०-1/23/80-प्रशासन—इस कार्यालय के अधिसूचना का संख्या दिनांक जून 19, 1980 के अधि-क्रमण में परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक श्री किरण कुमार अचार को परमाणु खनिज प्रभाव में 6 मई, 1980 के अपराह्न से लेकर अगले आदेश

होने तक अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/एम० बी० नियुक्त करते हैं।

एम० एस० राव,  
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

#### भारी पानी परियोजना

बम्बई-400 008, दिनांक 1 जुलाई 1980

सं० 05012/र/4/प्रोपी/2881—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य अधिकारी, श्री पाराथामाला फिलिपोज चेरियन, उच्च श्रेणी लिपिक, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को, उसी परियोजना में 5-4-1980 (पूर्वाह्न) से 5-5-1980 (अपराह्न) तक के लिए श्री जी० पदम नाभन, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें स्थानापन्न रूप में प्रशासन अधिकारी के कारी नियुक्त किया गया है के स्थान पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 जुलाई 1980

सं० 0500/आर./1/प्रो पी/2967—भारी पानी परियोजना के, विशेष कार्य-अधिकारी, श्री पंडराधिल पदमनाभन निम्ब्यार, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) में स्थानापन्न सहायक लेखाकार को उसी कार्यालय में तदर्थ आधार पर अस्थायी रूप से 19 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से 21 जून, 1980 (अपराह्न) तक के लिए श्रीमती एम० एम० कर्णिक, जो स्थानापन्न रूप से लेखा अधिकारी-I नियुक्त की गई है, के स्थान पर सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 05000/आर०/1/प्रो० पी/2968—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य-अधिकारी, श्रीमति, माणिक मुकुन्द कर्णिक, अस्थायी सहायक लेखा अधिकारी, भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) को उसी कार्यालय में 19 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से 21 जून, 1980 (अपराह्न) तक के लिए श्री बी० के० पोतदार, लेखा अधिकारी II जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर अस्थायी रूप में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न लेखा अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन,  
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

#### अन्तरिक्ष विभाग

भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन  
अन्तरिक्ष उपयोग केंद्र

अहमदाबाद 380053, दिनांक 24 जून 1980

सं० सैक/इस्ट/आई० एस० सी० ई० एस०/1479/80—निदेशक अन्तरिक्ष उपयोग केंद्र ने श्री एन० एच० परीख अस्थायी इंजीनियर एस० बी० का उनकी सेवा से दिनांक 24 जून, 1980 के अग्रान्ह से त्यागपत्र स्वीकार कर लिया है।

सी० आर० ग्राह  
प्रशासन अधिकारी

#### विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र

तिरुवनंतपुरम-695022, दिनांक 30 जून 1980

सं० बी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ०/1(17)—भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन में अंतरिक्ष विभाग के संयुक्त सचिव द्वारा जारी की गयी कार्यालय ज्ञापन सं० 2/2/19/77—1 दिनांक 13-12-1979 के अनुसार 1 जनवरी 1980 से प्रशासनिक श्रेणी के सहायक प्रशासन अधिकारियों के वेतनमान रु० 550-25-750 द० रो०-30-900 से रु० 650-30-740-35-880 द० रो०-40-960 के रूप में परिशोधित किये जाने के कारण बी० एस० एस० सी० के श्री सी० के० राजगोपाल, सहायक क्रय अधिकारी को 1 जनवरी 1980 से परिशोधित वेतनमान में रखा गया है।

पी० ए० कुरियन  
प्रशासन अधिकारी-II (स्थापना)  
कृते नियंत्रक, बी० एस० एस० सी०

#### पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1980

सं० ए० 32013/1/80-ई० सी०—राष्ट्रपति ने वैमानिक संचार स्टेशन, पालम के श्री ए० आर० गोयल, सहायक तकनीकी अधिकारी को वैमानिक संचार स्टेशन, पालम के श्री प्रो० पी० छावड़ा, तकनीकी अधिकारी जिनकी 45 दिन की अर्जित छुट्टी संजूर की गई है, के स्थान पर दिनांक 1-5-80 (पूर्वाह्न) से तदर्थ आधार पर तकनीकी अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें इसी स्टेशन पर तैनात किया है।

दिनांक 1 जुलाई 1980

सं० ए० 32013/2/80—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री बी० रामासुब्रमण्यम, निदेशक संचार (योजना) (तदर्थ) को 24 मई, 1980 (पूर्वाह्न) से उसी विभाग में निदेशक, प्रशिक्षण और अनुज्ञापन के उनके मूल पद पर स्थानांतरित कर दिया है।

सं० ए० 32013/2/80(I)—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री के० वी० एन० मूर्ति, उपनिदेशक संचार को 23-5-1980 से छः मास की अवधि के लिए या पद के नियमित रूप से भरे जाने तक इनमें से जो भी पहले हो तदर्थ आधार पर निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक के पद पर नियुक्त किया है।

सं० ए० 32013/2/80(ii)—राष्ट्रपति ने नागर विमानन विभाग के श्री आर० एस० गोयला, उपनिदेशक संचार को 24-5-1980 से 6-7-1980 तक की अवधि के लिए तदर्थ आधार पर निदेशक, संचार (योजना) के पद पर नियुक्त किया है।

वि० वि० जोहरी,  
उपनिदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 जून 1980

सं० ए० 32014/2/80-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने निम्नलिखित संचार सहायकों को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से, सहायक संचार अधिकारी के ग्रेड में तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है और उन्हें प्रत्येक के सामने दिए गए स्टेशन पर तैनात किया है।

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	नया तैनाती स्टेशन	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
1.	श्री ए० के० दास	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	वै० सं० स्टेशन, कलकत्ता	2-5-80 (पूर्वाह्न)
2.	श्री पी० हरि	वै० सं० स्टेशन, कोयम्बटूर	वै० सं० स्टेशन, मद्रास	17-5-80 (पूर्वाह्न)
3.	श्री सी जॉन	वै० सं० स्टेशन, मदुरई	वै० सं० स्टेशन, इलाहाबाद	12-5-80 (पूर्वाह्न)

सं० ए० 32014/2/80-ई० सी०—इस विभाग की दिनांक 12-5-1980 की अधिसूचना सं० ए० 32014/2/80-ई० सी०, क्रम सं० 1 को प्रतिस्थापित करते हुए निम्न प्रकार से पढ़ा जाए।

क्रम सं०	नाम	वर्तमान तैनाती स्टेशन	स्टेशन जहाँ स्थानांतरण किया गया	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
1.	श्री बी० आर० छावड़ा	2 वै० सं० स्टेशन, पालम	वै० सं० स्टेशन, पालम	9-4-80

आर० ए० दास,  
सहायक निदेशक प्रशासन

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 1 जुलाई 1980

सं० 1/125/80-स्था०—विदेश संचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा नई दिल्ली के पर्यवेक्षक, श्री एच० जी० कनकाचलम को तदर्थ आधार पर अल्पकालिक रिक्त स्थान पर 9-7-1979 से 23-7-79 तक की अवधि के लिए उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से उप परियात प्रबंधक नियुक्त करते हैं।

सं० 01/168/80-स्था०—स्विचिंग काम्प्लेक्स, बम्बई के अध्याई सहायक अभियंता, श्री तेजिन्दर सिंह गंभीर को 5 जून, 1980 के अपराह्न से अपनी नियुक्ति से त्यागपत्र देने की अनुमति दी गयी।

सं० 01/254/80-स्था०—निवर्तन की आयु के हो जाने पर मद्रास शाखा के उप परियात प्रबंधक, श्री एफ०

पार्ली आथ 31 जनवरी, 1980 के अपराह्न से सेवा से निवृत्त हो गए।

पा० कि० गोविंदनायर,  
निदेशक (प्रशा०),  
कृते महानिदेशक

वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहरादून, दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० 16/362/80-स्थापना-1,—अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून, श्री पदम सेन, नियंत्रक रक्षा लेखा अधिकारी के कार्यालय के लेखा अधिकारी को वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय, देहरादून में दिनांक 3 जून, 1980 के अपराह्न से सहर्ष लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० ए० महान्ती,  
कुल सचिव

केन्द्रीय उत्पाद एवं सीमा शुल्क समाहृतलय

पटना, दिनांक 1 जुलाई 1980

मि० नं० 11(7)/2-स्था०/79/4171—इस महामालय के निम्नलिखित स्थानापन्न/स्थायी समूह 'खा' पदाधिकारी अपनी सेवा की आयु पूरी कर उनके नाम के सामने दिखाए गए तारीख अनुसार सेवा निवृत्त हुए।

क्रमांक	पदाधिकारी का नाम	पदनाम	सेवा निवृत्ति की तिथि
1	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	सी० सी० दास गुप्ता	प्रशासन पदाधिकारी	31-7-79 (अपराह्न)
2.	सी० के० प्रसाद	वही	31-7-79 (अपराह्न)

1	2	3	4	5
सर्वश्री				
3.	पी० एन० दास शर्मा	अधीक्षक	30-9-79	(अपराह्न)
4.	सुविष्ट प्रसाद	अधीक्षक	31-10-79	(अपराह्न)
5.	हरीश चन्द्र प्रसाद	अधीक्षक	30-11-79	(अपराह्न)
6.	के० डी० घोष हाजरा	अधीक्षक	31-12-79	(अपराह्न)
7.	मो० आबूजार	अधीक्षक	31-1-80	(अपराह्न)
8.	गगनदेव सिंह	अधीक्षक	31-1-80	(अपराह्न)
9.	सी० एस० चक्रवर्ती	अधीक्षक	31-1-80	(अपराह्न)
10.	ए० बी० बोस	अधीक्षक	31-3-80	(अपराह्न)
11.	डी० एन० वर्मा	अधीक्षक	31-5-80	(अपराह्न)
12.	प्रतोष कुमार मित्रा	अधीक्षक	31-5-80	(अपराह्न)

रतन थावानी,  
समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क पटना

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1980

सं० 21/76—सी०—XI विवरण-1/1980-81—दिनांक 21-2-1976 से प्रवृत्त होने वाले केन्द्रीय उत्पाद शुल्क सातवां संशोधन नियम 1976 के नियम 232ए के उपनियम (1) द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषित किया जाता है कि केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम 1944 की धारा 9 के अधीन न्यायालय द्वारा दोषी पाये गये व्यक्ति अथवा जिन पर अधिनियम की धारा 33 के अन्तर्गत रु० 10,000/— या इससे अधिक का अर्थ दण्ड दिया गया है ऐसे व्यक्तियों के नाम, पते एवं, अन्य विवरण जो उप नियम (2) में निर्धारित हैं, निम्न प्रकार से हैं:—

क्रम संख्या	व्यक्ति का नाम	पता	अधिनियम के प्रावधान जिसका उल्लंघन किया गया	दण्ड की राशि
1	2	3	4	5
	श्री वीनूभाई बुधाभाई पटेल केन्द्रीय उत्पादन शुल्क लाईसेंस संख्या एल० 5-1/73 अवहर जिला—थाने महाराष्ट्र प्रदेश।	एल० 5 सं० 1/73 स्थान डा० : जवहर जिला : थाने स्थाई पता : स्थान, डा : सल्कारिया तालुका :—आनन्द जिला :—कैरे गुजरात प्रदेश	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क तथा नमक अधिनियम, 1944 की धारा 9(ख), (ख ख), (ख ख ख) तथा (ग) के प्रावधानों का।	अभियुक्त दोषी पाया गया तथा रुपए 2,000/- (दो हजार केवल) या व्यक्ति-पर तीन मास के सश्रम कारावास आ आदेश दिया गया।

विजय कुमार गुप्ता  
समाहर्ता  
केन्द्रीय उत्पाद शुल्क  
बम्बई-II

निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निदेशालय  
सीमा शुल्क एवम् केन्द्रीय उत्पादन शुल्क,

पटना, दिनांक 2 जुलाई 1980

सं० 4/80—श्री एम० एम० माथुर ने, जो हाल में निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निदेशालय सीमा एवम् केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नयी दिल्ली के मुख्यालय में निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवम् केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप “ख” के पद पर कार्य कर रहे थे, निदेशालय के दिनांक 22-5-1980 के

आदेश फा० सं० 1041/41/79 के द्वारा स्थानांतरित होने पर एवम् श्री एच० एस० हुसन की निरीक्षण अधिकारी ग्रुप “क” के पद पर पदोन्नति होने तथा मुख्यालय में स्थानांतरित होने से रिक्त स्थान पर, निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निदेशालय (सीमा एवम् केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) के उत्तरी प्रादेशिक यूनिट, गाजियाबाद में, दिनांक 4-6-1980 (पूर्वाह्न) से, निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवम्, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप “ख” का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० 22/80—श्री बाई० पी० पंगहर ने, जो पहले श्रीरंगाबाद में सहायक-समाहर्ता, के उ० शु० के पद पर काम कर

रहे थे, राजस्व विभाग के आदेश सं० 58/80 दिनांक 9-5-80 के (फा० सं० ए० 22012/4/80-प्रशा०-II (अंश-II) के द्वारा स्थानांतरित होने पर, निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा) निदेशालय, सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में दिनांक 16-6-1980 (पूर्वाह्न) से निरीक्षण अधिकारी (सीमा तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "क" का कार्यभार सम्भाल लिया।

दिनांक 4 जुलाई 1980

सं० 24/80—श्री एस० एन० वर्मा ने, वार्धक्य के कारण सेवा-निवृत्त होने पर, दिनांक 30-6-80 (अपराह्न) को निरीक्षण एवम् लेखा परीक्षा निदेशालय, सीमा शुल्क एवम् केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में, निरीक्षण अधिकारी (सीमा एवं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क) ग्रुप "ख" के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

क्र० रेखी,  
निरीक्षण निदेशक

नीवहन और परिवहन मंत्रालय

नीवहन महानिदेशालय

बम्बई-400 038, दिनांक 5 जुलाई 1980

सं० 1/टी० आर० (1) 79—राष्ट्रपति कप्तान पी० सी० राय को 1-5-1980 से आगामी आदेशों तक प्रशिक्षण पोत "राजेन्द्र" में तदर्थ आधार पर नौटिकल अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

के० एस० सिधु  
नीवहन उप महानिदेशक

गोदावरी जल-विवाद न्यायाधिकरण

नई दिल्ली-49, दिनांक 1 जुलाई 1980

सं० 13(87) 75-गो० ज० वि० न्याया०—गोदावरी जल-विवाद न्यायधिकरण के आदेशानुसार श्री के० आर० मेंहदी-रत्ता और श्री बी० आर० पल्ला ने पूर्णकालिक असेसर का कार्यभार 30 जून, 1980 के अपराह्न से त्याग दिया।

न्यायधिकरण के आदेश से  
आर० पी० मरवाहा  
सचिव

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी बोर्ड विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

"कम्पनी अधिनियम 1956 और सिंग ट्रैक्टरस प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

जालन्धर, दिनांक 30 जून 1980

सं० जी स्टेट०/560/2979—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्-

द्वारा सूचना दी जाती है कि सिंग ट्रैक्टरस प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

एन० एन० मौलिक,  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स अम्बीका फिल्म एक्सचेंज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

अहमदाबाद दिनांक 2 जुलाई 1980

सं० 560/303—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि, इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स अम्बीका फिल्म एक्सचेंज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

जे० जो० गाथा,  
प्रमंडल पंजीयक, गुजरात

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मे० सुप्रीम स्टील कास्टिंग प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 3 जुलाई 1980

सं० नम्बर 1029/वाय/2730—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मे० सुप्रीम स्टील कास्टिंग प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मे० रूपा फोम्स मैनुफैक्चरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर दिनांक 3 जुलाई 1980

सं० 1090/वाय/2731—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि मे० रूपा फोम्स मैनुफैक्चरिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

सुरेंद्र कुमार सक्सेना,  
कम्पनी रजिस्ट्रार  
मध्य प्रदेश

आयकर विभाग

कार्यालय आयकर आयुक्त

कोचीन-682016, दिनांक 27 जून 1980

(आयकर)

सी० सं० 1 (209)/जी० एल०/80-81—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 124 की



उपधारा (1) के अनुसार मुझे प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं, आयकर आयुक्त, केरल-II, एरणाकुलम एतद्वारा आयकर कार्यालय, तिरुवन्ना में एक नया वार्ड का सृजन करता हूँ। इस वार्ड में नियुक्त आयकर अधिकारी को आयकर अधिकारी, सी-वार्ड, तिरुवन्ना नाम से माना जायेगा।

2. यह आदेश पहली तारीख जुलाई, 1980 के पूर्वार्द्ध से प्रवृत्त होगा।

बी० जे० चाक्को,  
आयकर आयुक्त, केरल-II

कोचीन-682016, दिनांक 30 जून 1980

आदेश

विषय : संस्थापना—आयकर अधिकारी, श्रेणी-बी-पदोन्नति और स्थानान्तरण का आदेश जारी करना—

निम्नलिखित पदोन्नति और नियुक्ति का आदेश एतद्वारा द्वारा दिए जाते हैं :—

#### I. पदोन्नति

सी० नं० 2/एस्ट/80-81—श्री टी० रवीन्द्रन, आयकर निरीक्षक, आयकर कार्यालय, सकिल-II, कालिकट को तारीख 30 जून, 1980 के अग्ररान्ध से या उनके कार्यभार लेने की तारीख से, जो बाद में आता है और आगामी आदेशों तक रु० 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के वेतनमान में आयकर अधिकारी, श्रेणी-बी के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए एतद्वारा नियुक्त किया जाता है। ये दो वर्ष की अवधि तक परीक्षा पर होंगे।

2. उपर्युक्त पद की नियुक्ति बिल्कुल अस्थायी और सामयिक है, जो किसी सूचना के बिना ही समाप्त करने लायक है। इनकी नियुक्ति, उच्च न्यायालय, केरल में फायल किए हुए मूल याचिका सं० 4023/1978 और 263/1980—एम० तथा उच्च न्यायालय, दिल्ली में फायल किए हुए सिविल रिट याचिका सं० 25/1979 के फल पर आधारित है।

#### II. स्थानान्तरण और नियुक्तियां

क्रम सं०	नाम	से	पर	अभ्युक्तियां
सर्वश्री				
1.	पी० जे० सैमण	आयकर अधिकारी डी-वार्ड, सकिल-I, कालिकट।	कर वसूली अधिकारी, कालिकट	30-6-80 के अग्ररान्ध से सेवा निवृत्त होने वाले श्री के० के० सुकुमारन के स्थान पर।
2.	टी० रवीन्द्रन	आयकर निरीक्षक (आयकर अधिकारी, श्रेणी-बी के रूप में पदोन्नति)	आयकर अधिकारी, डी-वार्ड, सकिल-I, कालिकट।	श्री पी० जे० सैमण के स्थान पर।

यदि आवश्यक है तो श्री पी० जे० सैमण, आयकर अधिकारी, ए०-वार्ड/सकिल के वरिष्ठ अधिकारी को आयकर अधिकारी, डी०-वार्ड का कार्यभार सौंप सकता है।

एम० एस० उणिनायर,  
आयकर आयुक्त, केरल-I

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश नं० राज०/सहा० आ० अर्जन/747—यतः, मुझे, एम० एल० चौहान, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 110 है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 18-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पुष्कराज पुत्र मिश्रीलाल (अटार्नी होल्डर आफ) श्री महावीर चन्द, 10 बी बेंकट विद्या स्ट्रीट, मद्रास (अन्तरक)

2. श्री एस० सतीश कुमार पुत्र चम्पालाल शाह द्वारा चम्पालाल एण्ड कम्पनी, चम्पा गली, फर्स्ट फ्लोर, विठल बाड़ी, बम्बई-2

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 110, बख्त सागर, स्कीम जोधपुर पर स्थित एक मंजिला भवन जो उप पंजीयक, जोधपुर द्वारा क्रम संख्या 1735 दिनांक 18-10-1979 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 जुलाई, 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 जुलाई 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/748—यतः, मुझे,  
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 23-डी है, तथा जो कोटा में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोटा में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख 25 अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिणी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय  
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
राजस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण  
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा 1 के  
अधीन, निम्नलिखित वाक्यों, अर्थात् :

1. श्री कुन्दन मल पुत्र श्री लाधाराग खत्री, रावत भाटा  
द्वारा मैसर्स भारत किराना स्टोर, रावत भाटा जिना  
चित्तौड़गढ़

(अन्तरक)

2. श्री सत्यनारायण, राधाकिशन एवं राजेन्द्र कुमार  
पुत्रान श्री जुगल दास द्वारा मैसर्स जुगलदास निहवाल चन्द,  
रावत भाटा, चित्तौड़गढ़

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख, से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 23 डी, अल्प आय गृह निर्माण योजना, सीतला  
माता के मन्दिर के पास, गुमानपुरा कोटा जो उप पंजिक,  
कोटा द्वारा क्रम संख्या 1367 दिनांक 23-10-79 पर पंजिबद्ध  
विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 जुलाई, 1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज; रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० जी० एच० एल०/6/79-80—यतः, मुझे,

गो० सि० गोपाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसका सं० भूमि रकबा 11 कनाल 12 मरला है, तथा जो ग्राम आसमानपुर में स्थित है (और इससे उपायद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुहला में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख जनवरी, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अमर नाथ पुत्र श्री दौलत राम ग्राम आसमानपुर तहसील गुहला ।

(अन्तरक)

2. म० गर्ग राईस मिलज डांड रोड, पेहवा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 11 कनाल 12 मरला जो कि ग्राम आसमानपुर में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता गुहला के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2398 तिथि 16-1-80 में दिया गया है ।

गो० सि० गोपाल,  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जुन रंज, रोहतक

तारीख : 5-7-1980

मोहर :

## प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० जे० डी० आर०/7/79-80—यतः, मुझे,  
गो० सि० गोपाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि रकबा 9 कनाल 2 मरला है, तथा जो  
जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जगाधरी  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के प्रमुख  
प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाता बाढ़िया या, छिपाने में सुविधा  
के लिए ;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मातः:—

3—166G1/80

1. म० परिमल बेरीटेबल ट्रस्ट कोर्ट रोड, जगाधरी  
(अन्तरक)
2. (1) सर्व श्री धर्मपाल, हरबन्स लाल मार्फत क०  
गुरदितामल कृष्ण लाल, रेलवे रोड,  
जगाधरी,  
(2) श्री अजीत लाल मार्फत हरीनारायण मैटल  
इन्डस्ट्रीज, जगाधरी,  
(3) श्री तिलक राज, मार्फत जगन मैटल वर्क्स, जगाधरी,  
(4) श्री कृष्ण लाल मार्फत कृष्ण लाल जनक राज,  
जगदीश  
(5) श्रीमती स्वर्ण कुमारी, मार्फत मै० अग्रवाल एण्ड  
क०, बिलासपुर  
(6) श्री सतपाल

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाही करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में  
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि 9 कनाल 2 मरला जोकि जगाधरी में  
स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता  
जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 2074 दिनांक  
4-10-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख: 5-7-1980  
मोहर:

प्रकाश आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 2 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० एन० पी०/26/79-80—अतः मुझे  
गो० सि० गोपाल,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्यावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० भूमि 3 बीघा 6 बिसवा (3326 वर्ग गज)  
है, तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपायय अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख नवम्बर 1979  
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अंतरण की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिकी  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल से निम्नलिखित उद्देश्य से उचित अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप में नहीं किया गया है —

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिकी द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति चन्द्र कास्ता पत्नी श्री सुलतान सिंह शक्ति  
सर्विस स्टेशन जी० टी० रोड, पानीपत  
(अन्तरक)
2. मै० इतिहाड मोटर ट्रांसपोर्ट कं० प्रा० लि० प्लेट  
नं० 7, गोखले मार्केट, नजदीक नई कोर्टस नई दिल्ली।  
(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्रवाहियां करना हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या उससे संबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में संपादित होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में दितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकबा 3 बीघा 6 बिसवा (3326 वर्ग गज)  
जोकि पानीपत में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण  
रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3385 तिथि  
9-11-1979 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, रोहतक

तारीख : 2-7-1980  
मोहर :

प्रकाश आई० टी० एन० एन०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 5 जुलाई 1980

निर्देश सं० जे० डी० आर०/23/79-80—यतः, मुझे, गो० सि० गोपाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन तन्म प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० ई-17 है, तथा जो इन्डस्ट्रीज एरिया, यमुनानगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1980 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बसन्त सिंह पुत्र श्री खजान सिंह यमुनानगर (अन्तरक)

2. मै० मैनको इन्जीनियरिंग कारपोरेशन यमुनानगर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति प्लॉट नं० 17-ई, इन्डस्ट्रीज एरिया यमुनानगर तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्रीकर्ता जगाधरी के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5084 तिथि 8-2-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 5-7-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, रोहतक

रोहतक, दिनांक 7 जुलाई 1980

निर्देश सं० पी० एन० पी०/39/79-80—यतः, मुझे,  
गो० सि० गोपाल निरीक्षी, सहायक आयकर आयुक्त अर्जन रेंज,  
रोहतक

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 353 1/2 वर्ग गज, खसरा नं०  
1108 है तथा जो पानीपत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1980 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्रीमती पुष्पा रानी,  
(2) सर्वश्री सतिन्द्र कुमार, योगेश कुमार, राज कुमार  
तथा विजय कुमार पुत्रान श्री हर नारायण  
(3) श्री हर नारायण पुत्र श्री लक्ष्मी नारायण  
(4) सर्वश्री गंगाराम, जानकी नाथ पुत्रान श्री तारा  
चन्द  
(5) सर्वश्री जगदीश कुमार, केदार नाथ पुत्रान  
श्री गंगा राम  
(6) श्री मंगल राम पुत्र श्री लेखा राम, पानीपत
2. श्रीमति अंगूरी देगी पत्नी श्री कपूरी लाल  
गुप्ता निवासी 185-बी, ब्लाक नई मंडी  
सिरसा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति भूमि प्लॉट रकबा 353 1/2 वर्ग गज जोकि  
पानीपत में स्थित है तथा जिसका और अधिक विवरण रजिस्ट्री-  
कर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 5878 तिथि  
19-2-1980 में दिया गया है।

गो० सि० गोपाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, रोहतक

तारीख : 7-7-1980  
मोहर :



प्राप्त आई. टी. एन. ए. ए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 158/80-81—यतः  
मुझे, एस० गोविन्दाराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1-4-760/1-ए० है, तथा जो मुशीराबाद  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबर 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य दायित्वों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्रीमती इकबाल शरीफ पत्नी श्री रहमतुल्ला शरीफ  
मकान नं० 2-2-1108/3 तिलक नगर नल्लाकुनता  
हैदराबाद (अन्तरक)

2. श्री मीर हुसैन अली पिता मीर लुतफी अलीखान मुशीराबाद  
हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के  
अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

राखीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20 में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 1-4-760/1-ए०, मुशीराबाद बाकारम हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5800/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
में।

एस० गोविन्दाराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980  
मोहर :

प्रकट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ए० आर० सी० 159/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मलगी 1-2-43 से 46 है तथा जो मेटपली करीमनगर सिटी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय मेटपली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री लीमगला जगन मोहन राऊ पिता एस० गोपाल राव करटाला—मेटपली

(अन्तरक)

2. श्री मोतुका लक्ष्मी राजम पिता जी० मरकय्या करटाला—मेटपली करीमनगर—जिला

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अशोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मलगियां नं० 1-2-43, 44, 46 और 46—करवाला माऊ मेटपली तालूक करीमनगर—जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 1137/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय मेटपलल्ली में।

एस० गोविन्दराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख 6-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 160/80-81—यतः

मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4-6-102 है, तथा जो जगतीयाल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जगतीयाल में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री युदुरी पुरुषोत्तम पिता बुद्धीमलया बनवारो बाड़ा  
जगतीयाल करीमनगर—जिला (अन्तरक)

2. श्री एनाकुला शंकरय्या पिता लिंगय्या  
(2) एनाकुला—जया—रती शंकरय्या जगतीयाल  
करीमनगर—जिला (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिनों की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वस्वीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 4-6-102 (नया नं० 4-7-89) क्लक हवर के पास जगतीयाल में करीमनगर जिला रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3338/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय जगतीयाल में।

एसउ गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सं० नं० 161/80-81—यतः,  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की  
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास  
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 203 है, तथा जो कलामेशन  
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालय, सिकन्दराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अक्तूबर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-  
रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए, ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

1. मैसर्स ऊमाकरण और तेजकरण 8-2-547 बनजारा  
हील्स हैदराबाद  
(2) राजकरण हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती गिरिजा चन्द्रामोहन पति पी० के० चन्द्रामोहन  
10-1-599 नेहरूनगर सिकन्दराबाद-26

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो आयकर  
अधिनियम 1961 (1961 का 43) के अध्याय  
20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 203 पहली मंजिल पर ब्लॉक नं० 1 (750  
वर्गफीट) कलामेशन एस० ई० रास्ता सिकन्दराबाद रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 2551/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद  
में।

एस० गोविन्दराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :

प्रकृष धाई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 162/80-81—यतः,  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 1 है तथा जो सर्वे नं० 157/5 तीकटाराऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजारमूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पम्बू प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाधित में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तवों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4-166GI/80

1. (1) श्रीमती कोडली कुटुम्बाराऊ घर नं० 134/2  
सिकन्दराबाद

(2) कोडली चक्राधारा रायशिश्या

(3) कोडली राजाराऊ नं० 2 और 3 नं० 1  
रकवाला है

(अन्तरक)

2. श्री बालाजी कोम्पारेडिव हाऊसिंग सोसाइटी-39, सरोजिनी  
देवी रास्ता सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 1 सर्वे नं० 157/5 में है तीकटा—राऊ  
सिकन्दराबाद विस्तीर्ण 4.25 एकर्स है रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
2546/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में है।

एस० गोविन्दराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 163/80चे81—यतः,

मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन नं० 2 है, तथा जो सर्वे नं० 157/5 तीकटा में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) कोइल — कुटुम्बाराऊ घर नं० 134/2  
सीतला गुडा  
(2) के० जेकादरराया शेषय्या  
(3) के० राजा राऊ दोनोंकी यू० एस० ए० में है  
सी० नं० 1 रकबाला है

(अन्तरक)

2. श्री बालाज कोम्रापरेटिव हौसिंग सोसाइटी लिमिटेड  
3-9—सरोजिनी देवी रास्ता सिकन्दराबाद  
(अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ रुककरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जीरायती जमीन प्लॉट नं० 2 सर्वे नं० 157/5 तीकटा  
राऊ सिकन्दराबाद में विस्तीर्ण 40 गुंटास रजिस्ट्री दस्तावेज  
नं० 2548/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में है।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 164/80-81—यतः

मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 4 है, तथा जो तीकटाराऊ में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सांख्यिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्व में कमो करने या उससे बचने में मुविषा के लिए धीर/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविषा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, प्रार्थित।—

1. (1) श्रीमती कील्ली सुशीलम्मा पती स्वर्गीय के० वेंकटरत्नम अक्कीरुड्डी गुडेम राऊ नुजवीड तीकटा
- (2) के० शिवाराम प्रसाद दोनों के रखवाले श्री के० कुटीम्बाराऊ हैं घर नं० 134/2 लालागुडा राऊ सिकन्दराबाद में

(अन्तरक)

2. श्री बालाजी कोआपरेटिव होसिंग सोसाइटी लिमिटेड, घर नं० 39-एस० डी० रास्ता सिकन्दराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन प्लॉट नं० 5 सर्वे नं० 157/5 तीकटा राऊ सिकन्दराबाद में वीस्तीर्ण 1 1/2 एकड़ रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2547/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद में।

एस० गोविन्दराजन,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए०सी० न० 165/80-81—यतः,  
मुझे, ए० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 125, 128 है, तथा जो 1-1-711/सी बाकारम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दाखिले में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 श्रीमती वी० ऊषारेड्डी पती वी० सुकेन्द्र रेड्डी 1-1-711/सी गांधीनगर बाकारम, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती एन० अमिता पती सुरेश रेड्डी दीमल गुडा हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 125 और 128 का विभाग घर नं० 1-1-711/सी० ए० है गांधीनगर बाकारम हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6292/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

ए० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :



प्रकरण ४३० डी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

जयपुर, दिनांक, 13 मई 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 166/80-81—यतः,  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5 है, तथा जो गगनमहल में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री सत्यव्रत आर्य

(2) श्री विजय कुमार आर्य 1-10 शिवाजी नगर  
बार्ड नं० 431122

(अन्तरक)

2. श्री वी० संजीवारेड्डी 3-6-469/1 हरडीवर बाग  
हिमायत नगर, हैदराबाद-29

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाधेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिनों के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, घोषाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 5 का विभाग गगनमहल दोमलगुडा हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6251/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय,  
हैदराबाद में।

एस० गोविन्दराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 167/80-81—यतः  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० बी०/1/एफ-8 है, तथा जो चौरागली लेन में  
स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का परम प्रतिफल से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

1. (1) इन्दुलाल जे० पारीक पिता श्री जयन्ती लाल  
(2) श्रीमती भानुमती जे० पारीक पती इन्दुलाल  
पारीक 4-1-581 तुरुप बाजार हैदराबाद ।  
(अन्तरक)

2. श्री धुर्गादास पिता ठाकुर दाम 4-1-436/सी/ये  
किंग कोठी हैदराबाद ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामोल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

**अनुसूची**

प्लॉट नं० बी-1/एफ 8 धर नं० 5-8-512 ग 517 का  
विभाग है चौथा मंजिल पर चौरागली लेन हैदराबाद रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 5885/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में ।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सं० नं० 168/80-81—यतः,  
मुझे, एम० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 5-9-22/42/9 है, तथा जो तीसरी मंजिल  
आदर्श नगर में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिवारी के कार्यालय,  
हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
प्रन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, है, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री वी० राजेश्वर राव 8-2-350/5 में बनजारा हील्स  
हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री सख्खा चौधरी 5-9-22/42/9 आदर्श नगर  
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट तीसरी मंजिल घर नं० 5-9-22/42/9 आदर्श नगर  
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6265/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय, हैदराबाद में।

एम० गोविन्दराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. किशण कन्स्ट्रक्शन कम्पनी 5-8-612,  
आविद रास्ता हैदराबाद ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक: 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 169/80-81-यतः,  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु. से अधिक है।और जिसकी सं० 4-938/आर-6 आर-20 है, तथा जो तिलक  
रोड में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूपसे  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अक्टूबर 1979को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—2. श्री जी० वेंकटराव 16-2-705/8/2 अश्वर बाग  
हैदराबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

हाथ धर नं० 4-938/आर-6 ता आर-20 तिलक रास्ता  
हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5956/79 उप-रजिस्ट्री

एस० गोविन्दराजन

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 16 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 170/80-81—यतः

मूझे, एम० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 5-9-29/ए है, तथा जो बशीर बाग में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिहारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

5-166GI/80

1. श्रीमती अश्वलता पती लक्ष्मी नारायण 289-लाड बाजार, हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुलतान जहान बेगम अलीमाम सुलताना 5-9-161/बी चापल रास्ता, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

दो मंजिला घर नं० 5-9-29/ए बशीर बाग हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6340/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

एम० गोविन्दराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

श्री बी० वी० सुरेश 5-8-52 नामपल्ली स्टेशन रास्ता  
हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्री ईश्वरचन्द्र बहती 3-3-744 इसामिया बाजार,  
हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन का अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अजोडस्वातन्त्र के पात्र निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 171/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 3-4-579/3/2 है, तथा जो बरकतपुरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूर्यमान प्रतिकल से, ऐसे दूर्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आदेशित करने में प्रयुक्त नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी बात या किसी बात या अन्य आस्थितियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवर्णन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

घर नं० 3-4-759/3/2 बरकतपुरा हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6164/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद में।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबादतारीख : 6-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
 धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना  
 भारत सरकार  
 कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 172/80-81—यतः,  
 मुझे, एस गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
 कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
 25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 3-6-148/1 है, तथा जोड़ियायतनगर में  
 स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
 वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद  
 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1808 (1908 का 16) के  
 अधीन, तारीख अक्टूबर 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
 का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
 उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
 प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
 में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
 अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
 घायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
 का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
 धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
 में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री आर० जगतनाथ रेड्डी कोमावरम—तालुक मेदक  
 जिला।  
 (अन्तरक)
2. श्री डी० बागया 5-2-778 रिसाला अब्दुल्ला  
 हैदराबाद।  
 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
 लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
 सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
 अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

पत्र नं० 3-6-148/1 हिमायतनगर हैदराबाद रजिस्ट्री  
 वजतवेज नं० 6660/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
 में।

एस० गोविन्दराजन  
 सक्षम प्राधिकारी  
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
 अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980  
 मोहर :

प्ररूप आई०डी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० नं० आर० ए० सी० नं० 173/80-81—यतः,

मुझे, एम० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 162 है, तथा जो तिलक रास्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती ई० एम० कपनाबायममा 2-2-1164/15/2  
निलक रास्ता हैदराबाद

(अन्तरक)

2. श्रीमती पुनुना दास 11-6-174 पब्लिक गार्डन  
राजा नामपल्ली हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 प्लॉट नं० 16 का सर्वे नं० 428, और 429 ये  
तिलक नगर अमपारपेट हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं०  
6703/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

एम० गोविन्दराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. श्री बेलजी भाई 44-जुटु काथ लैण्ड एडली बम्बई वेस्ट में।

(अन्तरण)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. स्वास्तिना इंटरप्रेसेस 5-9-299 गनफौंडरी हैदराबाद

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कार्यालय हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 174/80-81---यतः,

मुझे, एम० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. 5-9-299 है, तथा जो गनफौंडरी में स्थित है (और हमने उदाहरण अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रिकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अक्टूबर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

**स्पष्टीकरण:--**इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन बीस्टन नं० 2509 वर्ग मीटर घर नं० 5-9-299 गनफौंडरी हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6492/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

एम० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 6-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई.टी. ए. ए. एस.—

1. अनुमती गोवा कोठी मीनाशा पती नरमिा राव  
लिगमभल्ली हैदराबाद

(अन्तरिक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1049--यित: मुझे, ए०  
गोविन्दराजन,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० 58 6-5 है, तथा जो मानवोपपेदा एनगी  
में स्थित है (और इसमें उगाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
बंणी है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ऑन्गोल में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908/1908 का 16 के अधीन,  
तारीख अक्टूबर 1979को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
बन्धु प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—2. (1) कातुरी वेंकट नारायण बाबू,  
(2) कातुरी नारायण प्रताप  
(3) नारायण स्वामी काटेमवारी पालेम पोर्डाली  
तालुका

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संज्ञा का रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2935/79 तारीख  
अक्टूबर 79 है उप रजिस्ट्री कार्यालय ऑन्गोल में।ए० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1050—यतः, मुझे, एस०  
गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 3-14-98 है, तथा जो पटा पुरम गुंटूर में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुंटूर में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर  
1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसार  
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की परधारा (1)  
अनुव, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कोलूरी वेंकटरतनम पिता नरसीमम्म गुंटूर  
(अन्तरक)
2. श्रीमती वेमुनापल्ली रमनम्मा पती सीगारामय्या  
पेनुगुडी रेपली—तालुक ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और मर्दों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-त में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5630/79 तारीख अक्टूबर  
79 के मुताबिक में रजिस्ट्री कार्यालय गुंटूर में।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1051--यतः, मुझे, एम०  
गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० है, तथा जो करीवारी गली में स्थित है  
(और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, काकीनाडा में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर  
1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिकल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे प्रसरण के लिए तैयार पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रसरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है:--

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तवियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री पी० सी० पेठो रागव राव पिता ताऊवारी वारीवारी  
गली कोंडश्यापल्लिम, काकीनाडा ।

(अन्तरक)

2. श्री गोलगबतुगा विश्वनाद नेहरू पिता वीरा रागुलु  
कमला देवी गली गांधीनगर काकीनाडा ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वितरित किसी  
प्रत्येक व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरों के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें पृष्ठन पन्नों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अनुबंध 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमुसूची

सम्पत्ति का रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7604/79 तारीख अक्टूबर  
79 है--रजिस्ट्री कार्यालय काकीनाडा में ।

एम० गोविन्दराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी० नं० 1052—पतः मुझे, एस०  
गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० है, तथा जो कीडमनवली में स्थित है  
(और इसने उदात्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसापुर-तालुक में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
तारीख अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-  
रक अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया या या किया जाना वांछित था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :—

6-166GI/80

1. श्री आनंद, जे० आनंद सूर्य प्रकाशना वेनुमंजली  
(अन्तरक)
2. श्री कनेराजी गुरुजी कृष्ण कडमनवली नरसापुर—  
तालुक  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करना हैं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

संपत्ति का रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 1448 तारीख अक्टूबर  
1979 है रजिस्ट्री कार्यालय अधीनता में हुआ है।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ए० पी नं० 1053—यतः मुझे, एम० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 11-6-3 है, तथा जो नरसाराऊ पेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नरसाराऊ पेट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1979

की पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायिस्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बड़ी बेंकटारजनम पत्नी रामाराऊ हैदराबाद।  
(अन्तरक)
2. श्री अनु—बलरामारेड्डी पिता रमना रेड्डी 11-6-3  
नरसाराऊ पेट गूटूर—जिला।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

संपत्ति का रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 4872/79 तारीख अक्टूबर 1979 है रजिस्ट्री कार्यालय नरसाराऊ पेट में।

एम० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

1. बी. जैजाक टीमबर यार्ड ए. शंकरराव जिसका रखवाला  
है, विशाखापत्तनम

(अन्तरक)

2. मंसर्स धनजय्या होटेल लिमिटेड श्री रामलिंगाराजू  
मैनेजिंग डायरेक्टर 5-9-12 सैफाबाद, हैदराबाद  
(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करती हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है,  
वही प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० ए. पी० सा० नं० 1054—यतः, मुझे एस०  
गोविन्दराजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 10-4-20 है, तथा जो बालटेर वंजाग में  
स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, विशाखापत्तनम में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

अनुसूची

रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 7816/79 है, सम्पत्ति का उप  
रजिस्ट्री कार्यालय विशाखापत्तनम में 15-10-79 के तारीख में  
हुआ है।

एम० गोविन्दराजन  
सक्षम अधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

1. मैसर्स बुमीडला पुरनय्या गुंटूर

(अन्तरक)

2. मैसर्स बुमीडला ब्रदर्स लिमिटेड गुंटूर

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 जून 1980

निर्देश सं० ए० प० नं० 1055-यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 616/92 है, तथा जो मदरसपटला गाऊ प्रतापशम--जिला में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आदानकी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति का रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2262/79 तारीख अक्तूबर 1979 के लिहाज से उप रजिस्ट्री कार्यालय आदानकी में।

एस० गोविन्दराजन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 12-6-1980

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----  
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
 269-ग(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रृंखला रंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 175/80-81---यतः,  
 मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
 इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
 है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
 रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 44/1 है, तथा जो मीयापुर गाऊ में  
 स्थित है (और इसमें उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
 है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में  
 रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,  
 तारीख अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
 प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
 करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
 मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से; ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह  
 प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
 (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रति-  
 फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
 रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
 नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
 करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
 को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
 कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
 गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
 सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
 मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
 के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री के० ध्यानेश्वर राज
- (2) श्री एम० वी० सुबा राज
- (3) के० सीतय्या गुप्ता
- (4) श्रीमती एसीमा कमाल
- (5) बी० रगुवीरय्या
- (6) बी० रामचन्द्र राज
- (7) बी० ध्यानेश्वर राज
- (8) पी० ए० बी० ध्यानेश्वर राज
- (9) मैसर्स लक्ष्मी पेनटर प्रैसेस
- (9) मैसर्स मावुश्री पेनटर प्रैसेस एम० सूर्यनारायण  
 डायरेक्टर है हैदराबाद बरकत पुरा हैदराबाद  
 में।

(अन्तरक)

2. श्री मावुश्री क्वापरेटुव हौज बिल्डींग सोसायटी लिमिटेड  
 टी० बी० नं० 194-डी-104 हैदराबाद हैदरगुडा  
 हैदराबाद में।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए  
 कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्तः—

- (क) इस सूचना के सम्बन्ध में प्रकाशन की तारीख से 45  
 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
 की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य  
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
 से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
 अधिनियम के अध्याय 23-क में परिभाषित  
 हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
 गया है।

अनुसूची

मीरापुर जमीन नं० 44/1 जुमला वीस्तन 130 एकड़ है  
 मीरापुर गाऊ हैदराबाद वेस्ट -तालुक में रजिस्ट्री दस्तावेज  
 2530/79 है, रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद—वेस्ट में।

एस० गोविन्दराजन

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर प्रायुक्त, (निरीक्षण)

श्रृंखला रंज, हैदराबाद।

तारीख : 13-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद कार्यालय

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निदेश सं० आर० ए० सी० नं० 176/80-81--यतः,  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन 1830 वर्ग गार्ड है, तथा जो पुराना मलकपेट में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 ('1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. डा० एच० सैयद अली पिता जनाब सैयद हुसैन स्वर्गीय इंटरनेशनल वयोन्मर सेंटर हैबूर तमिलनाडु। (अन्तरक)

2. डा० मैसर्स कतीषा पती डाक्टर हीसार सैयद नं० 7987 हालीबुडव "सन वाली" क्यालीपुनिया 91352 यू० एस० ए०। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम जमीन अवाप वीवार और घर विस्तर्न 1830 वर्ग गार्ड पुराना मलकपेट (जेनजलगुडा) हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5925/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1980

मोहर :

प्रकरण धाई० टी० एन० एस०—  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 177/80-81—यतः,  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी ह० जमीन नं० 6 है, तथा जो शमशाबाद रंगरेड्डी  
जिला में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकाारी के कार्यालय, हैदराबाद  
वेस्ट में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक  
के दायित्व में कमी करने या उल्लेख करने में  
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,  
या आयकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए या, धियाने  
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के  
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की  
उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती हुसैनी बेगम परती स्वर्गाधि मोहमद काशिम साहेब  
17-7-665 डबीरपुरा हैदराबाद

(अन्तरक)

2. (1) श्री भवभूति भाई नानी भाई पटेल,
- (2) श्री भूपेन्द्रा भाई मनी भाई पटेल
- (3) श्रीमती पुष्पाबहन महेन्द्राभाई पटेल
- (4) सुयशान्त गोवरधन भाई पटेल
- (5) राऊजीभाई तुलसीभाई पटेल

तमाम का घर 1-34 समशाबाद हैदराबाद वेस्ट (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सञ्चाति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पंक्तियों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही प्रभं होगा, जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन सर्वे नं० 6 बीस्तन 14 एकर्स 28 गुंटास  
शमशाबाद गांव रंगरेड्डी जिला रजिस्ट्री वस्तावेज नं० 2332/79  
है उष रजिस्ट्री कार्यालय, हैदराबाद वेस्ट में।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 178/80-81—यतः,  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,  
भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 10/1 है, जो सीताराम  
पुर गांव बीबीनपल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची  
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय सिकन्दराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० विजयेन्द्र रेड्डी बीबीनपल्ली केन्टोनमेंट  
सिकन्दरबाद (अन्तरक)
2. दी पदमाशाली कोआपरेटिव हाऊस बिल्डिंग सोसाइटी  
1-4-27/71 बोलकपुर हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन बीस्तन 7260 वर्ग याड है सर्वे नं० 10/1  
में सीतारामपुर गांव बीबीनपल्ली सिकन्दराबाद में रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 2495/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद  
में।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1980

मोहर

प्रकाश आई० टी० एन० एस०—

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 179/80-81-यतः,  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० जमीन सर्वे नं० 10/1 है, तथा जो सीतारामपुर  
गांव बोईनपल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नाह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-  
सूचन में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7-166GI/80

1. श्री बी० विजयेन्द्र रेड्डी पिता स्वर्गीय बी० पुल्लारेड्डी  
बोईनपल्ली केन्टोनमेंट सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. दी-पद्माशाली क्वापरेटिव हौज बिल्डिंग सोसायटी  
लिमिटेड 1-4-27/71 बीलकपुर सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाह्य में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन जिसका सर्वे नं० 10/1 सीतारामपुर गांव  
सिकन्दराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2394/79 उप रजिस्ट्री  
कार्यालय, सिकन्दराबाद में।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 180/80-81—यतः, मुझे, एस० गोविन्दराजन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन गक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे नं० 10/1 है, जो सीतारामपुर गांव बोर्डनपल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर 1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उक्त दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) \* बोव ऐसे अन्तरण के लिए नय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बी० विजयेन्द्र रेड्डी पिता डाक्टर बीपुला रेड्डी बीमोनपल्ली सिकन्दराबाद।

(अन्तरक)

2. दि-पदमाशाली क्वापरेटिव होज बिल्डिंग सोसायटी लिमिटेड 1-4-27/71 बीलकपुर, सिकन्दराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन 7260 वर्ग यार्ड सीतारामपुर-गांव में सर्वे नं० 10/1 बोर्डनपल्ली केन्टोमेंट सिकन्दराबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2486/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्दराबाद, में।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1980

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 181/80-81—मतः,

मुझे, एस० गोविन्दराजन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 101/3 है, तथा जो मीमापुर गांव में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री के० नारायण राव पिता स्वर्गीय नागय्या और दूसरे रविन्द्रा होटल तुलुन बाजार हैदराबाद। (अन्तरक)
2. श्री ए० बी० बी० के० प्रसाद राव पित आर० रामाराव पसोवोडला गांव कोफू तालुक वेस्ट गोदावरी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जिरायती जमीन नं० 101/3 मियापुरगांव वेस्ट तालुक रंगारेड्डी—जिला में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 5828/79 है उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० भार० ए० सी० नं० 182/80-81—यतः  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह  
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका  
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है,  
और जिसकी सं० 5-75 है, तथा जो चेत्यापुरी कीतापेट गांव  
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, अक्टूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अस्तित्व की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित  
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री बी० श्यामलराव घर नं० 3-6-750 हिमायतनगर  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. मैसर्स गायत्री इलेक्ट्रॉनिक्स टी० चेन्नामौली घर नं०  
414 प्रागपुरा हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,  
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर  
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किये जा सकेंगे।

व्याख्याकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-75 चेतन्यापुरी कीतापेट हैदराबाद ईस्ट रजिस्ट्री  
दस्तावेज नं० 9973/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद ईस्ट  
में।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 13-6-1980

मोहर:



प्रकृष आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 183/80-81—यतः,  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
परन्तु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है); की धारा 269-ब के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० 5-5-57/10 है, तथा जो कटलमनई गोशमहल  
में स्थित है (और इससे उपानब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
अक्तूबर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान  
प्रतिफल के निये प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके वृक्षमान प्रतिफल से, ऐसे वृक्षमान प्रतिफल का पन्नाह  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धार की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/वा

(ख) ऐसी किसी धार या किसी जन या अन्य वास्तव्यों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए  
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ओम प्रकाश शरादा 21-3-146—टगरीकानाका  
हैदराबाद।

(अन्तरक)

2. श्रीमती को० द्रौपती बाई पती श्री रामस्वरूप 14-2-398/  
8 रजाकपुरा गोशमहल, हैदराबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-5-57/10, कटलमनई गोशमहल हैदराबाद  
रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 6178/79 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद  
में।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 जून 1980

निर्देश सं० आर० ए० सी० नं० 184/80-81—यतः,  
मुझे, एस० गोविन्दराजन,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है  
और जिसकी सं० बी-151 है, जो कपेरा मेडजेल तालुक  
में स्थित है (और इससे उपाखण्ड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मेडजेल में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अक्टूबर  
1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. लेफ्टिनेन्ट करनल निरमजन सिंह पिता एस० हजार  
सिंह-पूना-1

(अन्तरक)

2. (1) श्री हरबर्ट शामसन सेमल

(2) ईडमा सेबुल घर नं० 91 लासागुडा सिकन्दराबाद  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० बी-151 (बी० पी० नं० 5-63) प्लॉट नं० बी-  
151 वीस्टन 573 वर्ग यार्ड सर्वे नं० 601 कपेरा गांव मेडजेल  
तालुक सगरेडुडी -रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 2185/79 उप-रजिस्ट्री  
कार्यालय मेडजेल में।

एस० गोविन्दराजन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख : 13-6-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 12 मई 1980

निर्देश सं० ए० सि० रेंज-II/कल०/1980-यतः मुझे,  
के० सिन्हा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 23 है तथा जो आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र रामेनिउ  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) अधीन तारीख

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वाचिष्य मैं कभी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना बाधिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग की उपधारा (1)  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पश्चात् :—

1. श्री नगेन्द्र नाथ चट्टोपाध्याय।

(अन्तरक)

2. श्री दुलाल चन्द्र राय।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

जमीन परिमाण 2 कट्ठा 23 आचार्य प्रफुल्ल चन्द्र  
एवेन्यू, कलकत्ता।

के० सिन्हा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 2,  
54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 12-5-80  
मोहर :

प्रकृप आई० डी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1980

निर्देश सं० ए० सी० 15/रेंज-IV/कल०/1980-81—यतः मुझे, आई० डी० एन० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 40 है तथा जो थाना झारग्राम जिला मिदनापुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय झारग्राम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भ्रष्टरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और भ्रष्टरक (भ्रष्टरकों) और भ्रष्टरिती (भ्रष्टरितियों) के बीच ऐसे भ्रष्टरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भ्रष्टरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) भ्रष्टरण से हुए किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रष्टरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुकरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री निर्मल चन्द्र दत्त ।

(भ्रष्टरक)

2. मेसर्स असपकस (इन्डिया) प्रा० लि० ।

(भ्रष्टरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आरोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रभोद्वस्ताद्वारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

प्लॉट सं० 40, मौजा खास जंगल सं० 249, थाना झारग्राम, जिला मिदनापुर स्थित 6 बिघा 11 कट्ठा जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे कि 1979 का दलिल सं० 5607 में और पूर्ण रूप से वर्णित है ।

आई० डी० एन० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54, रकी अहमद किदवाई मार्ग, कलकत्ता-16

तारीख : 21-5-80

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 21 मई 1980

निर्देश सं० ए० सी० 16/रेंज-IV/कल०/1980-81—

यतः मुझे, आई० वी० एस० जुनेजा,  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 97 है तथा जो विजय कृष्ण स्ट्रीट, उत्तरपारा  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण  
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त  
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया  
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम  
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिनी  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

8—166GI/80

1. श्री ईन्द्र भूषण बनर्जी।

(अन्तरक)

2. श्री स्वपन, समर, अन्तजन बनर्जी।

(अन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही  
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

97 विजय कृष्ण स्ट्रीट, उत्तरपारा जिला हुगली, स्थित  
11 कट्ठा जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे कि 1979 का  
दलिल सं० 5417 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

[अर्जन रेंज-IV, 54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता

तारीख : 21-5-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एस०—

श्री मदन मोहन दत्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सुमित कुमार झा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मई, 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निम्नलिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 698/एकु० रेंज-III/80-81/कलकत्ता—यतः मुझे, आई० बि० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन उक्त प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संगति जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो सितागंग स्ट्रीट कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 26-10-1979 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपि पूर्वोक्त संगति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निर्मात्रिहित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से रुचित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उपरोक्त बचों में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यर्थात्:--

अनुसूची

करीब 4 कट्ठा 7 छटांक 15 स्को: फुट जमीन साथ स्ट्रकचर्स का अविवक्षित 1/4 अंश जो 2, सितागंग स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० बि० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-III,

कलकत्ता

तारीख: 26-5-1980

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मई 1980

निर्देश सं० 699/एक्यू० रेंज-III/80-81/कलकत्ता—यतः मुझे, आई० वि० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा जो सिनागग स्ट्रीट, कलकत्ता, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कारण निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित की जा सकता है :—

(क) प्रकरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रत्येक के वास्तव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तर्गत में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उप-धारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मदन मोहन दत्त

(अन्तरक)

2. श्री अंजनकुमार दां

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राश्न :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उससे संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में द्रुतबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्तकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संबन्धित कारण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा; जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 4 कट्ठा 7 छटांक 15 स्को० फुट जमीन साथ स्ट्रकवर का अविभक्त 1/4 अंश जो 2, सिनागग स्ट्रीट कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० पी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III,

कलकत्ता

तारीख : 26-5-1980

मोहर :

प्रारूप आई० बी० एस० एस्०—

1. श्री मदन मोहन दत्त

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,

269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री श्यामल कुमार दाँ

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 26 मई 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

निर्देश सं० 700/एक्यू० आर-III/80-81/कलकत्ता—यतः मुझे आई० बी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन तत्तन प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

और जिसकी सं० 2 है तथा जो सिनागम स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-10-1979

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मयापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

करीब 4 कट्ठा 7 छटाक 15 स्को० फुट : जमीन साथ स्ट्रुक्चरस का अधिभक्त 1/4 अंश जो 2, सिनागम स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित।

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्वियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए, या, छिपाने में सुविधा के लिए;

आई० बी० एस० जुनेजा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

धतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्मात्तः—

तारीख : 26-5-1980  
मोहरः



प्रूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 26 मई 1980

1. श्री मदन मोहन दत्त

(अन्तरक)

2. श्री संजय कुमार दाँ

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

निर्देश सं० 702/एक्यू आर-III/80-81/कलकत्ता—यतः मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2 है तथा सिनागग स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और, पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सस्तिधियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

करीब 4 कट्ठा 7 छटाक 15 स्को० फु० जमीन साथ स्ट्रक-चरस का अविभक्त 1/4 अंश जो 2 सिनागग स्ट्रीट, कलकत्ता पर अवस्थित ।

आई० बी० एस० जुनेजा  
सशम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III,  
कलकत्ता-16

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 26-5-198  
मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

1. श्री कुल्लु चन्द्र सिल

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

2. श्री असिम कुमार बोस और अर्जुन

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज-3 कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ए० सि०/रेंज-II/कल० 19—यतः मुझे आई० टी० एन० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 154 है तथा जो वानगुर एवेन्यू स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से उचित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भण्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या कि जाका जाँच था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रभावितः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शर्तः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भण्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

शर्तों पर—इसमें प्रयुक्त शर्तों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के ध्येय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रबल होगा जो उन उद्देश्यों में बिना गया है।

अनुसूची

जमीन का परिमाण 3 कट्ठा 8 छटाक 31 स्कोयर फुट  
154 वानगुर एवेन्यू कलकत्ता थाना-लेक टाउन

आई० टी० एन० जुनेजा  
सहायक प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज-2,  
कलकत्ता-16

तारीख : 6-6-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एन०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कानकता-16, दिनांक 6 जून 1980

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-II/कानकता 19—यतः मुखे  
आई० बी० एस० जुनेजा

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 221/6/252 है तथा वनमालि नरकर रोड में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानकता में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
19-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
निष्ठा में वास्तविक रूप से स्थापित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
नाशित्व में लगी करने या उनमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री दिवाकर मिश्र

(अन्तरक)

2. श्रीमती अतजनी नाग

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
निष्ठा में किए जा सकेंगे।

संश्लोकण :—इनमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

जमीन का परिमाण—5 कट्ठा, 13 छंटोक 15 स्कोयर  
फुट, 221/6/252 वनमालि नरकर रोड, कानकता, थाना—  
वेहाला।

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, कानकता-16

तारीख : 6-6-1980

मोहर :

प्रखर आई० टी० एन० एस०—

1. श्री चित्तरंजन गोस्वामी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री कानाई लाल कुन्डू और अदर्स

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 10 जून 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश सं० ए० सी०/रेंज-IV/कलकत्ता 19—यतः मुझे,  
आई० बी० एस० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन तत्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 21 है तथा अधर चन्द्र दास लेन में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख

15-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी  
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

जमीन का परिमाण 2108.59 स्क्वायर फुट 21 अधर  
चन्द्र दास लेन, कलकत्ता।

आई० बी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II,

54, रफीअहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 10-6-1980

मोहर :

प्रमाण आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती जानकी देवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री देवचन्द भानशाली

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जून 1980

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० ए० सी० 17 रेंज-IV/कल/1980-81—यतः

मुझे, आई० बी० एस० जुनेजा, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन उक्त प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी प्लॉट सं० 215 है तथा जो अनचल रोड, जलपाई-गुड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जलपाईगुड़ी में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 15-10-79 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/त

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

मौजा देव ग्राम, जिला जलपाईगुड़ी, स्थित 33 डेसिमल जमीन का सब कुछ जैसे के 1979 का दलोल सं० 2964 में और पूर्ण रूप से वर्णित है।

आई० बी० एस० जुनेजा,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-IV, 54, रफी अहमद किदवाई रोड,  
कलकत्ता-16

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, म, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—  
9-166GI/80

तारीख : 10-6-1980  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती राधिका देवी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

2. श्री देव चन्द भानुशाली

(अन्तरिती)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 10 जून, 1980

निर्देश सं० ए० सी० 18 रेंज-IV/कल/1980-81—यतः,

मुझे, आई० टी० एन० जुनेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी प्लॉट सं० 215 है तथा जो अन्तर्चल रोड, जनपाई-  
गुड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप  
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जनपाईगुड़ी  
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के  
अधीन, तारीख 15-10-1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के पद्धत प्रतिफल से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधि में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
यमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में  
ह्रास किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी  
के पात विहित में किये जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में  
दिया गया है।

अनुसूची

मौजा देवग्राम, जिला जनपाईगुड़ी स्थित .33 डेसिमल  
जमीन का मन्त्र कुछ जैसी के 1979 का दलील सं० 2963 में  
और पूर्णरूप से वर्णित है।

आई० टी० एन० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज IV,

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 10-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-IV, कलकत्ता

54, रफी अहमद किदवाई रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 10 जून 1980

निर्देश सं० ए० सी० 19/रेंज-4/1980-81—यतः भुक्ते  
आई० वी० एस० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये  
से अधिक है

और जिसकी प्लॉट सं०-5 है तथा जो थाना झारग्राम  
जिला मोदिनिपुर में स्थित है। और इससे उपाबद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
झारग्राम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन, तारीख 18-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के अर्थे अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का  
कारण है कि यन्त्रपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर  
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में  
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती निर्मला देवी

(अन्तरक)

2. श्री अमरेज चन्द्र भट्टाचार्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मद्योद्भाषी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के पृष्ठ 20-क में परिभाषित है,  
वही प्रयुक्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

मौजा नतुनडिहि, थाना, झारग्राम जिला मोदिनिपुर स्थित  
20 डे० जमीन साथ मकान का सब कुछ जैसे कि 1979 का  
दलिल सं० 5577 में और पूर्णरूप से वर्णित है।

आई० वी० एस० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 4, कलकत्ता।

तारीख : 10-6-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, 54, रफीअसमव किदवई रोड कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 16 जून 1980

निर्देश सं० 705/एक्यू आर-III/80-81/कलकत्ता—

यतः मुझे आई० टी० एन० जुनेजा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 518 है तथा जो योधपुर पार्क, कलकत्ता में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्णरूप से वर्णित  
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय आलिपुर में, रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
17-10-1979 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-  
फल के लिए अक्षरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिक्रम से, ऐसे दृश्यमान प्रतिक्रम का पन्ध्र प्रतिशत  
से अधिक है और अक्षरक (अक्षरकों) और अक्षरिती (अक्षर-  
रिति) के बीच ऐसे अक्षरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रम,  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अक्षरण लिखित में वास्तविक रूप  
से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अक्षरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अक्षरक के बाधित  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अक्षरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुखमय चक्रवर्ती

(अक्षरक)

2. श्री मिनाक्षी चन्द्र

(अक्षरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अत्रोटुस्तानरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो  
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस  
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घोतला मकान साथ साथ कक्ष 2 3/4 छटाक जमीन जो  
518 बि० योधपुर पार्क; कलकत्ता पर अवस्थित।

आई० टी० एन० जुनेजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, कलकत्ता-16

तारीख : 16-6-1980

मोहर :



प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-3, 54, रफीअहमद किदवाई रोड कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 26 जून 1980

1. मै० ऐक्वनीर कोम्पारेटिव हाउसिंग सोसायटी  
लिमिटेड (अन्तरक)
2. श्री धरित्री देवी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

निर्देश सं० 710/एक्यू/आर-III/80-81/कलकत्ता—यतः  
मुझे, के० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार  
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है  
और जिसकी सं० 4 है तथा जो बेलतला रोड, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपावृद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
16-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और  
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति  
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान  
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक  
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे  
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य  
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है।—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय को बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वायिष्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन  
की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशना की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदृष्टाक्षरी के  
पास लिखित में लिखा जा सके।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्ठा 16 छंटों 39 स्को: फु०: जमीन जो  
4 बेलतला रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और उसका अंशविशेष  
है।

के० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16।

तारीख : 26-6-1980  
मोहर :

## प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज 3, 54, रफीअहमदुकिदवई रोड कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० 709/एकपु०/आर-III/80-81/कलकत्ता--यतः

मुझे के० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो बेलतला रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इसमें उपावृत्त अनुधुवी में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

घतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. मै० ऐन्थनीर कोआपरेटिव सोसाईटी लिमि०:

(अन्तरक)

2. श्रीमती रत्ना चवर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशय:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

करीब 3 कट्ठा 1 छटाक 36 स्कोर फु: जमीन जो 4, बेलतला रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और उसका अंशविशेष है।

के० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज 3, कलकत्ता-16।

तारीख: 26-6-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० 708/एकए/आर-III/80-81/कलकत्ता—यतः  
मुझे, के० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को पत्र लिखना करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो बेलतला रोड, कलकत्ता में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
16-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का  
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया  
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
अधिनियम में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किमी आय या किसी प्रा या अन्य आस्तियों,  
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाया जाई या छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. मै० ऐक्यनीर कोआपरेटिव हाऊसिंग सोसाईटी लिमि०  
(अन्तरक)
2. श्री रत्ना बनार्जी  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशय:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी  
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रयोक्तृताक्षरी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

करीब 3 कट्ठा/छटांक 39 स्को० फु० जमीन जो 4,  
बेलतला रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और उसका अंशविणेष  
है।

के० सिंह  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख: 26-6-80

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 26 जून 1980

निर्देश सं० 707/एक्यू०/आर-II/80-81/कलकत्ता—यतः

मुझे, के० सिंह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है तथा जो बेलतला रोड, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1979 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. मै० ऐक्यनीर कोआपरेटिव हाउसिंग सोसाईटी लिमि० (अन्तरक)

2. श्रीमती रज्जना चटर्जी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशंका:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की आधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अध्याहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे;

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-ह में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

करीब 3 कट्ठा 1 छटांक 39 स्को० फु० जमीन जो 4, बेलतला रोड, कलकत्ता पर अवस्थित और उसका अंशविशेष है।

के० सिंह

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

तारीख : 26-6-1980

मोहर :

पक्ष आई. टी. एन. एस.—-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई 1980

सं० ए० आर०-II/2891-19/नव. 79—अतः मुझे,  
ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सज्जम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिनकी सं० पुराना सं० नं० 177 (अंश) प्लॉट नं० 13  
दौलत नगर बोरीवलि है तथा जो विलेज एकसर में स्थित है (और  
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-  
कर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,  
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26-11-1979  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)  
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
नया पारा ग्राहक निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मंगनलाल मुन्दरजी

(अन्तरक)

2. जयाबेन बाधजी शहा

(अन्तरिती)

3. अनुसूची के अनुसार

10-166GI/80

1. मानकलाल इश्वरलाल शहा
2. ज्योतिलाल काचरमाई
3. राजेन्द्र कुमार केसरीलाल साबग्या
4. प्रेमिता बेंन जयंतिलाल
5. अमरीतलाल धनजीभाई
6. विजया बेंन गोरीशंकर पाठक
7. विनय जैनदास ठोरा
8. प्रवीनचंद्र नंदलाल पारेख
9. चन्द्र बदन हिरालाल धोलकिया
10. हिरालाल भाईचन्द धोलकिया
11. चंपकलाल छोटालाल कण्डिया
12. शांतिलाल अंबाशंकर पांड्या
13. हिम्मतलाल चुप्रीलाल शहा
14. कनकराय छोटालाल गोपानी
15. रमाबेन मफतलाल
16. जयंतिलाल कछरभाई

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस-937/79/बम्बई उप-  
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 26-11-1979 को रजिस्टर्ड  
किया गया है।

ए० एच० तेजाले

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, बम्बई।

तारीख : 15-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 28 जून 1980

निर्देश सं० ए०आर०-1/4288-6/नवम्बर 79—अतः मुझे  
पी० एल० रूंगटा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये  
से अधिक है,

और जिसकी सं० न्यु सर्वे नं० 984, सी० एस० नं० 112  
(पार्ट) है तथा जो फोटो

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-  
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख  
19-11-1979 बिलेख संख्या बम्बई 180/73 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,  
निम्नलिखित व्यक्ति, अर्थात् :—

1. श्री जहांगीर बी० जी० जी० भाय और होमाइ  
जहांगीर जी० जी० भाय

(अन्तरक)

2. मैसर्स अमय बिल्डर्स प्रा० लिमिटेड

(अन्तरिती)

3. 1. श्री एस० बी० डिसोझा (महेंद्र क्लिनर्स)

2. श्री नारायण आर० राने

3. श्री हसन हुसेन

4. विजय ट्रेडिंग और मैनु० कं०

5. श्री असपराहाय टि० इरानी

6. श्री फरकून एन० मार्शल

7. अलिहद ओफसेस सर्विसस इंस्टीट्यूट

8. श्री वायसी० दादाभावाला ।।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्यन्त्री व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा अप्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित में  
किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-ए में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि बिलेख सं० 180/73 बम्बई उपरजिस्ट्रार  
अधिकारी द्वारा दिनांक 19-11-79 में रजिस्टर्ड किया गया है ।

पी० एल० रूंगटा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई ।

तारीख : 28-6-1980

मोहर :

प्रकृप आई० टी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून, 1980

निर्देश सं० ए० आर०-1/ए० पी० 319/80-81—अतः  
मुझे, पी० एल० खंगटा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 25.27 बोरा क्रॉस सून सी० एस० नं०  
206 बम्बई है तथा जो कुलाबा में स्थित  
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-11-79  
विलेख नं० 826/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके  
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत  
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की शक्ति उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्त-कर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया  
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तरण में  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नवीन कस्तूरीलाल साहनी श्रीमती सीमा नवीन  
साहनी

(अन्तरक)

2. श्री मुहम्मद याकूब राजमहम्मद सीमा, मूसा गुलाम रसूल,  
अब्दुल्ला इब्नाहिम

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाक  
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रयोद्घस्ताक्षरों के पास  
निहित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 826/77 बम्बई उपरजिस्ट्रार  
अधिकारी द्वारा दिनांक 19-11-79 में रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एल० खंगटा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख : 30-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 बम्बई

बम्बई, दिनांक 30 जून 1980

सं० ए०आर०-1/एपी० 317/80-81—अतः मुझे,  
पी० एल० रूंगटा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और जिसकी सं० सी० एस० नं० 477/6 है तथा जो साधन में  
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित  
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख

19-11-79

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल के गन्धर्व प्रतिज्ञा से अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त प्रारण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वास्तव्य  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री पी० सी० लाला

(अन्तरक)

2. द प्रेमकुटीर को-आप० हाऊसिंग सोसायटी लिमिटेड  
(अन्तरिती)

3. मेंबर्स

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(ग) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इन सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में वृद्धि किसी  
प्रत्यक्ष व्यक्ति द्वारा, प्रयोक्ताधारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनियम नं० 858/71/बम्बई उपरजिस्ट्रार  
अधिकारी द्वारा दिनांक 19-11-79 को रजिस्टर्ड किया गया  
है।

पी० एल० रूंगटा  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, बम्बई।

तारीख : 30-6-80  
मोहर :



प्रख्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

बम्बई 1 जुलाई 1980

निदेश नं० एआर-आई/4310-27/नवम्बर 79—अतः  
मुझे पी० एन० खंडा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है  
और बिपकी नं० प्लॉट नं० 22, 23, 36, 39 है तथा जो  
कुतवा में स्थित है (और इसमें जमाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण काम वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण प्राधिकारी के कार्यालय  
बंबई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 28-11-79 विनियम नं० 2838/72/बंबई  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और  
अन्तरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
के (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. अदि जे० पाटगरी, नरसिम जे० पाटगरी

(अन्तरण)

2. मेसर्स के० एफ० एंटप्राइमेस

(अन्तरिती)

3. मि० मानेक बी० होडिवाला, रूप० बी० होडिवाला,  
मिसेस मोता फार्मरोझ होडिवाला, दहमी पी० आफ

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां कराई हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की  
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में द्वितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताक्षरी के माध्यम लिखित  
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-6 में परिभाषित है, वही  
अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनियम नं० 2838/72/बंबई द्वारा तय की गई  
प्राधिकारी द्वारा दिनांक 28-11-79 को प्रकाशित किया गया  
है।

पी० एन० खंडा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, बम्बई

तारीख 1-7-1980

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II बम्बई

बम्बई, दिनांक 3 जुलाई 1980

निदेश नं० ए आर-II/2916-7/दिनांक 79- अतः मुझे,  
ए० एच० तेजाले

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है  
कि स्थावर पंक्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०  
से अधिक है

और जिसकी सं० 477, हिस्सा नं० 2 सी० टी० एन०  
नं० 414, प्लॉट नं० 3 है तथा जो मालाड (प०) में स्थित है  
(और इसमें उपायुक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),  
रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रार अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-12-79  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
वापिस में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को जिन्हें आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,  
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती  
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना  
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 1--

1. मैसर्स सवेरी कन्स्ट्रक्शन कम्पनी

(अन्तरक)

2. रेखा निकेतन कोआप० हाऊसिंग सोसाईटी लिमिटेड  
(अन्तरिती)

3. रेखा निकेतन को० आ० हा० सो० लि० के सदस्य  
(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्पत्ति है।)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास  
लिखित किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 2487/78 बम्बई  
उप-रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 17-12-1979 को  
रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० एस० तेजाले  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-II, बम्बई

तारीख: 3-7-1980

मोहर:

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री कनवर राजकाकर; श्रीमती सरोज काकर,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. रामचन्द्र बी० बेहरे, प्रकाश आर० बेहरे, भरद बी० बेहरे

(अन्तरिती)

269 ब (1) के अधीन सूचना]

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, 3 बम्बई

बम्बई, दिनांक 7 जुलाई 1980

निदेश सं० ए०आर०-III/ए०पी० 348/80-81--अतः मुझे पी० एल० रूंगठा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 84 (एम० आई० डी० सी०) है तथा जो कोंडिक्टाम स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चम प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिस्थ में कमी करने या उससे बचने में सूत्रिणा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूत्रिणा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यावाहियां शुरू करना हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पाम निब्विन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० एस० 877/79/बम्बई उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-12-79 को रजिस्टर्ड किया गया है।

पी० एल० रूंगठा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, बम्बई

तारीख: 7-7-80

मोहर:

प्रकाश 100 सी० एन० एन०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 17 मई 1980

निर्देश सं० ओ०-14/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह  
बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे  
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 477 है तथा जो न्यू मसफोर्डगंज  
इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय  
इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन, तारीख 12-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया  
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में  
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरक के तहत किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उसमें वृद्धि में सुविधा के लिए,  
और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
का जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने  
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दामोदर लाल गुप्ता (अन्तरक)
2. श्री ओम प्रकाश जायसवाल (अन्तरिती)
3. श्री दामोदर लाल गुप्ता व अन्य किरायेदारान श्री०  
बी०के० सिंह रुद्रनाथसिंह एस० बी० पान्डेय गिरणापति शुक्ला  
दिनेश मणि त्रिपाठी शेषमणि त्रिपाठी आर० एन० त्रिपाठी  
(वह व्यक्ति मित्रके बारे में अधोहस्ताक्षरी सम्पत्ति में हितवद्ध  
है )

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त समाप्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है ।

### अनुसूची

सकान सम्पत्ति संख्या 477 मय जमीन क्षेत्रफल 22.76  
वर्गमीटर स्थित महोहला न्यू मसफोर्डगंज इलाहाबाद का  
आधा भाग व वह सारी सम्पत्ति जिसका वर्णन सेलडीड व  
फार्म 37-जी० संख्या 5356 में किया गया है जिनकी पंजी-  
करण 12-12-1979 को सब रजिस्टार इलाहाबाद के कार्या-  
लय में हो चुका है ।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 17-5-1979  
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 मई 1980

निर्देश सं० एच० 33 अर्जन—अतः मुझे अमरसिंह  
बिसेन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके  
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के  
अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि  
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से  
अधिक है

और जिसकी संख्या प्लॉट 2 मोतीझील है तथा जो 2 मोती-  
झील लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में  
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के  
कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन, तारीख 4-12-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है  
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि  
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)  
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल  
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विधित में वास्तविक रूप से  
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर  
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अतः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

11—166GI/80

1. श्रीमती करतारकोर (अन्तरक)
2. श्री हरीप्रसाद (अन्तरिती)
3. बिक्रेता व मैसर्स अगोकुमार एण्ड कम्पनी (वह व्यक्ति  
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

की यह सूचना जारी करते पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद  
में समाप्त होनी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20—क में परिभाषित है  
वही प्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया  
है।

## अनुसूची

एक फ़ीता लीज होल्ड प्लॉट नम्बर 2 तादादो 7300  
वर्गफिट वार्क मोतीझील ऐशाबाग रोड शहर लखनऊ व वह  
सारी सम्पत्ति जो सेल डीड व फार्म 37-जो संख्या 6900 में  
वर्णित है जिसका पंजीकरण सक्षम रजिस्टार लखनऊ के  
कार्यालय में दिनांक 4-12-1979 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 24-5-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 24 मई 1980

निर्देश सं० पी-79/अर्जन—अतः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या मकसप च भूमि है तथा जो मो० मातबर गंज में स्थित है (और इस से उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-11-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्थि-को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हीराखाटिक जवाहिर खटिकव श्रीमती बुधनी (अन्तरक)
2. श्री पंकज श्रीवास्तव, धीरजश्रीवास्तव, श्री सुरज श्रीवास्तव (अन्तरिती)
3. विक्रेता व बंशगोपाललालवर्मा तेज बहादुर सिंह (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कई मंजिल वाला पोखता मकान क्षेत्रफल 2660 वर्ग फुट स्थित मोहल्ला मातबरगंज शहर आजमगढ़ व वह खारी सम्पत्ति जो सेलडीड व फार्म 37 जो संख्या 3443 में वर्णित की गयी है जिसका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार आजमगढ़ के कार्यालय में दिनांक 22-11-1979 को हो चुका है।

अमर सिंह बिसेन  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज लखनऊ

तारीख: 24-5-1980  
मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज एच ब्लाक

विकास भवन आई स्टेट, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्चू० /I एस० आर०/III  
11-79/617—यतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है  
और जिसकी संख्या है जो में स्थित है (और इससे  
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता  
अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण  
अधिनियम के 1908 (1908 का 16) के अधीन 1979  
को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
हायिस्व में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. सरदार विक्रम सिंह गुलेरिया 4/5, कालकाजी  
एक्सटेन्शन, न्यू देहली-19 (अन्तरक)

2. डा० कमलेश कुमारी गुहा पत्नी श्री ए० कुमार डी/  
164 (ए) हौज खास, न्यू देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० 4/5 कालकाजी न्यू देहली-19

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),  
अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-6-1980  
मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, एच० ब्लाक विकास भवन आई० बी० स्टेट, दिल्ली

दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/एस० आई० III 11-79/627—अतः मुझे आर० बी० एल० अप्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए में अधिक है, और जिसकी संख्या एस०-321 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में ओर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय न्यू देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979 को द्योतित संघात के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रस्तुत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और प्रस्तरित्री (प्रन्तरतिथिया) के बीच ऐसे प्रस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी धारा की वास्तव, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री अरुण कुमार, 48/8 माथुर लैन, 24 दरया गंज, न्यू देहली-110002 (अन्तरक)

2. श्री गुरदीप सिंह, ए०-30डी, डी० डी० ए० फ्लैट मनीरखा, न्यू देहली (अन्तरित्री)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्रिक्क किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट सं० एस० 321 क्षेत्रफल 300 वर्ग गज स्थित है ग्रेटर कैलाश-II न्यू देहली।

आर० बी० एल० अप्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)  
अर्जुन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 23-6-1980

मोहर:



प्रारूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

एच० ब्लाक विकास भवन आई० बी० स्टेट, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० (एस० आर०  
(11-79/1225—अनः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित  
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी  
और जिसकी संख्या बी०-27 है तथा जो झिलमिल ताहिरपुर  
पुर, उद्योगिक क्षेत्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध जी० टी०  
रोड, से वर्णित शाहदरा देहली-23 में स्थित है (और उपाबद्ध  
अनुसूचि में पहले पूर्ण रूप से वर्णित है रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी  
के कार्यालय, जी० टी० रोड, शाहदरा देहली-32 न्यू देहली  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का  
16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979 को पूर्वोक्त के उचित  
बाजार मूल्य से कम से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए  
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के  
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह  
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का  
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे  
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और  
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच  
ऐसे अन्तरण के लिए तय राया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित  
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के  
लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए ;

अतः; अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा  
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयात्:—

1. मेसर्स तनेजा इन्जिनियर्स वर्क्स बी०-27, झिलमिल  
ताहिरपुर उद्योगिक क्षेत्र, जी० टी० रोड शाहदरा देहली  
-32 (अन्तरक)

2. श्री माधो प्रसाद मिस्टर किशन प्रसाद और सुदेश  
प्रसाद पुत्र श्री सीओ प्रसाद 356 नया बांस देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की  
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से  
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी  
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीनस्थताकारी के पास लिखित  
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

केन्द्रीय बिल्डिंग नं० बी०-27, झिलमिल ताहिरपुर  
उद्योगिक क्षेत्र, जी० टी० रोड, शाहदरा देहली-32 जिसका की  
क्षेत्रफल 1260 वर्ग गज है ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

एच० ब्लाक, विकास भवन आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए सी०/एक्यू०/I/एस० आर०-III/

11-79/1657—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें इसको पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम०-3 होजवास है तथा जो इनकलेव न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्यू देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिबों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री सतीश भटनागर, श्रीमती आशा कैरो और मिस सरोज भटनागर लड़का व लड़की के स्वर्गीय श्री भगवान स्वरूप, निवासी-एम० 3, होजवास इनकलेव, न्यू देहली।  
(अन्तरक)

2. मैसर्स अमरीक इस्टेड प्राईवेट लिमिटेड, ए-3 कैलाश नगर, कैलाश कलोनी, न्यू देहली द्वारा श्री बलवीर सिंह।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

एक मंजिल मकान नं० एम० 3, क्षेत्रफल 100 वर्ग गज स्थित है, होजवास इनकलेव, न्यू देहली।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

एच० ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक् यू०-1/एस० आर०-III

11-79/719—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

जिसकी संख्या एस० 192 है तथा जो ग्रेटर कैलाश पार्ट-II  
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के श्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके श्यमान प्रतिफल से, ऐसे श्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बलराम यादव, राजेश यादव दोनों निवासी  
13/2, शक्ति नगर, देहली। (अन्तरक)

2. मेसर्स डिलाईट बिल्डर्स, ए-2/140, सफदरजंग  
इनकलेव, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एस०-192, ग्रेटर कैलाश पार्ट-II, नई दिल्ली  
क्षेत्रफल 300 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

एच० ब्लॉक विकास भवन, आई पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एम्ब्यू०-I एस० आर०-III

11-79/664--अन०, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है—

और जिसकी संख्या कृषि जमीन है तथा जो 16 विघा, 16 बिसवा साथ फार्म मकान गांव गादीपुर तहसील न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपाब्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, महारौली न्यू देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिम की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरहार्दिस—राजमाता कृष्णा कुमारी विधवा स्वर्गीय हार्दिस महाराजा श्री रनवंतसिंह जोधपुर द्वारा/उधकी मुखसीयार चन्द्रेश कुमार पत्नी तिखा ओदिया देवचन्द कटोच I, एस०-43 ग्रेटर केलाश, न्यू देहली।

(अन्तरक)

2. मेसर्स अलका इम्पेक्स, प्राईवेट लिमिटेड-बी-92, हिमालया हाऊस, 23 कस्तूरबा गान्धी मार्ग, न्यू देहली।

(अन्तरिति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपत्ति:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि जमीन क्षेत्रफल 16 विघा 16 बिसवा खसरा नं० 469 (4-16), 470 (9-16) 468/1 (2-8), 409 (4-116) साथ फार्म हाऊस स्थित गैदापुर तहसील महारौली, न्यू देहली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-6-1979

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

एच० ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एम्पू०/1/एस० आर०-III/11-79/683—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमने पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी संख्या दुकान नं० 9 है तथा जो डी० एल० एफ० कोमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्यू देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकूल के लिए भग्नरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकूल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकूल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकूल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के शायिष में कमो करने या उनसे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

12-166GI/80

1. मेसर्स-सत्यापाल एंड आदर्स जी०-12, साऊथ एक्स-टेनशन, न्यू देहली । (अन्तरक)

2. मेसर्स डीजार्डन पार्टनरशिप, 129, सुन्दर नगर, न्यू देहली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

संश्लेषण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दुकान नं० 9, डी० एल० एफ० कोमर्शियल कम्प्लेक्स ग्रेटर कैलाश-II, न्यू देहली, क्षेत्रफल 579.82 वर्गफुट ।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-6-1980

मोहर :

## प्रारूप आई० टी० एन० एल०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

एच० ब्लाक विकास भवन इन्द्र प्रस्त भवन

नई दिल्ली, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एच०/II/एम० आर० III/11-79 666—अतः मुझ, आर० बी० एल० अभ्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसका संख्या एम० 28 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रार अधिकारी के कार्यालय, न्यू देहली में भारतीय रजिस्ट्रार अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-11-1979 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमता मनोरमा मेहता पत्नी श्री ए० बी० मेहता 61 सागुल, कारमाचल रोड बम्बई और डोली मिश्रा पत्नी श्री एम० के० मिश्रा, 19, बेलगंज, मस्कुलर रोड, कलकत्ता (अन्तरक)

2. मसैम भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन लिमिटेड, 28, कस्तूबा गार्डन मार्ग न्यू देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

ईमारत जो एम० सी० डी० नं० 28 ब्लाक एम फ्री होलड पर बनी हुई है जमीन का क्षेत्रफल 500 वर्ग गज है। जो कि रिहायशी कलोना ग्रेटर कैलाश में स्थित है। निम्न लिखित से घिरा हुआ है।

पूर्व—प्लॉट नं० एम० 30

पश्चिम—प्लॉट नं० एम० 26

दक्षिण—सरबीम लाईन

उत्तर—रोड

आर० बी० एल० अभ्रवाल,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज I दिल्ली, नई दिल्ली-110002।

तारीख : 23-6-1980

मोहर

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

एच० ब्लाक, निविकाम भवन आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/II/एस० आर०  
II/11-79/690—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रु० से अधिक है और  
और जिसकी संख्या एम० 411 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-II  
न्यू देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
न्यू देहली में भारतीय रजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1909  
(1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979  
को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्व  
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-  
विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बजाय उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिब्य में कमी  
करने या उससे बचने में मुबिन्न के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुबिधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-  
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा  
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हरवंश लाल कवाटरा समुच्च श्री संत राम, एम-  
177 ग्रेटर कैलाश, न्यू देहली. (प्रकारः)

2. श्री करतार सिंह सुपुत्र श्री निहाल सिंह भारकत  
मैसर्स बिरमाना एण्ड एसोसियेटेड, ई०-1 कन्स्ट पलैस, न्यू  
देहली (अन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित संपत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त न्याय के अधीन क संकेत में कोई भी धाक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों  
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में  
परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय  
में दिया गया है।

प्रमुखी

प्लॉट अं० 411 ब्लाक एस० क्षेत्रफल 300 वर्गगज  
रिहायशी कलोनो जानी जाती है ग्रेटर कैलाश स्थित है  
गांधी बहापुर, न्यू देहली जो कि चारों ओर से घिरी हुई  
है।

पूर्व—सड़क

पश्चिम—सरबिस लाईन

उत्तर—प्लॉट नं० एस०-409

दक्षिण—प्लॉट नं० एस०-413

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-6-1980

मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

एच० ब्लाक बिकाश भवन आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एम्पू०I/एस० आर०  
11-79/691--अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/  
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी० 196 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I  
न्यू देहली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
न्यू देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908  
का 16) के अधीन तारीख 27-11-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पक्ष प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसार  
में, भू, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री अमरजोत सिंह सिन्धू बल्लु चानन सिंह थरु हिज  
अटोरनी) श्री हरदयाल सिंह बल्लु श्री चानन सिंह निवासी  
नं० 2 लेबल-स्टोरी, राजेन्द्र नगर, न्यू देहली (अन्तरक)

2. श्री अरविन्द लूथरा बल्लु लेफ्टीनेन्ट कर्नल श्री टो०  
एन० लूथर निवासी, सी० 19-सी, ग्रेटर कैलाश न्यू देहली ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

## अनुसूची

प्लॉट 200 वर्ग गज (250.83 वर्ग मीटर) पर 2 1/2  
मंजिल विलडिंग नं० सी० 196 स्थित ग्रेटर कैलाश भाग  
न्यू देहली जो चारों तरफ से घिरी हुई है।

पूर्व--रोड

पश्चिम--सर्विस लैन

उत्तर--मकान नं० सी-198

दक्षिण--प्लॉट नं० सी-194

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली।

तारीख 23-6-1980  
मोहर:



प्ररूप आई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

एच० ब्लाक विकास भवन, आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/ एस० आर०-III/  
11-79/685--अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब  
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या बी० 168 है तथा जो ईस्ट ओफ कैलाश  
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से  
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय  
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन  
तारीख 27-11-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और  
अन्तरिती (अन्तरितीयों के) बीच ऐसे अन्तरण के लिए  
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण  
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के  
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कुन्दन मेहता बी०-168, ईस्ट ओफ कैलाश,  
न्यू देहली। (अन्तरक)

2. डा० ए० जी० एन० कुरेदा, सुमन कुरेदा मास्टर सागर  
कुरेदा, निवासी 168, बी, ईस्ट ओफ कैलाश, न्यू देहली  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,  
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी०-168, ईस्ट ओफ कैलाश, न्यू देहली  
क्षेत्रफल 400 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी,  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-6-1980  
मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, एच० ब्लॉक,

विकास भवन आई० पी० स्टेट दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-I/एस० आर० III/11-79/645—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन मन्त्र, प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ई-484 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I न्यू देहली में स्थित है (और इसमें उपायुक्त अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किमा आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बाविल्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धन: धन, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती विमला सुद पत्नी श्री सी० पी० सुद, 7/17 रूप नगर देहली (अन्तरक)

2. श्री हरमीन्द्र सिंह सपुत्र सरदार सोना सिंह मार्फत पाल एसोसियेटेजि-48 ब्रिन पार्क न्यू देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करवाई हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धात्रेय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाह्य में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अन्तर्हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पशों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उन अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० ई०-484 ग्रेटर कैलाश न्यू देहली क्षेत्रफल 459 वर्ग मीटर।

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एच० ब्लॉक,

विकास भवन आई० पी० स्टेट दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/ए/स० आर० III/

11-79/622—अतः, मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे

इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),

की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह

विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका

उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी संख्या बी० 260 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I न्यू

देहली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण

रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,

में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का

16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-

फल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,

उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पक्ष

प्रतिफल अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती

(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविकों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

1. श्री मोहम्मद यूसफ ट्रम्बों मोहम्मद ईकवाल और श्रीमती पोसा बेगम तमाम निवासी 6 राजबाग श्री नगर कश्मीर। (अन्तरक)

2. श्री विशम्बर नाथ कोचर और श्रीमती ईडना कोचर निवासी-ई-104 ममजीद मोठ न्यू देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

संश्लेषण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खाली प्लोट नं० बी०-260 स्थित है ग्रेटर कैलाश-I न्यू देहली क्षेत्रफल 260 वर्ग मीटर।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 23-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I

एच० ब्लाक विकास आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/I/एस० आर० III  
11-79/639—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा  
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु० से अधिक है

और जिसकी संख्या ई 28 है तथा जो ग्रेटर कैलाश II न्यू  
देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व  
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16  
के अधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण  
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती हरवंश कौर पूरी पत्नी एस० लबीन्द्रसिंह  
पुरी-सी० 139 डीफैन्स कालोनी, न्यू देहली (अन्तरक)

2. श्री राजीन्द्र नाथ कालिया 2529 चमनबारा, तिलक  
बाजार देहली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास  
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त  
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित  
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

2 1/2 मंजिल ईमारत फि होल्ड प्लोर पर बनी हुई  
है जिसका की क्षेत्रफल 250 वर्ग गज है जिसका नं० ई०-28  
ग्रेटर कैलाश पार्ट-II न्यू देहली है।

आर० बी० एल० अग्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-6-1980

मोहर :

## प्रथम भाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की प्राग

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1

एच० ब्लाक विकास भवन, आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी० एफ्यू० /I/ एस० आर० III/  
11-79/662—अतः मुझे आर० बी० एल० अप्रवाल  
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)  
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),  
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने  
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाजार मूल्य  
25,000/- रुपए से अधिक है  
और जिसकी संख्या कृषिभूमि क्षेत्रफल 3 बिघा, है तथा जो  
गांव सुलतान पुर तहसील में स्थित है (और इससे उपाबद्ध  
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के  
कार्यालय महरोली, न्यू देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधि-  
नियम, 1908 (1908 का 16) न्यू देहली महरोली, न्यू  
देहली में तारीख नवम्बर 1979 को  
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल  
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है  
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान  
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है  
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के  
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित  
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं  
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व  
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,  
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922  
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधि-  
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ  
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया  
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,  
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन  
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

13—166 GI/80

1. श्री दलबीर सिंह सुपुत्र एस० चरन सिंह निवासी  
नेशनल पॉलटरी फार्म, गांव सुलतान पुर, तहसील महरोली  
न्यू देहली (अन्तरक)

2. श्रीमती सुलोचना देवी पत्नी राम नारायण और  
श्रीमती सलोचना देवी पत्नी बनारसी राम 4501/14 गली  
भगत सिंह शहीद, पहाड़ गंज न्यू देहली-55 ।  
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में  
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में  
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्धितबद्ध  
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अग्रोहस्ताक्षरी के पास लिखित  
से किये जा सकेंगे ।

स्वस्वीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-  
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही  
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

## अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्रफल 3 बिघा खसरा सं० 238/2 (2  
बीघा) 238/3/1 (6 बिसवा), 238/3/3 (7 बीघा)  
238/3/2 (7 बिसवा) गांव सुलतान पुर, तहसील महरोली,  
न्यू देहली ।

आर० बी० एल० अप्रवाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

तारीख : 23-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I एच० ब्लाक,

विकास भवन आई० पी० स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 23 जून 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०I/एस० आर० III/

11-79/628--अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम०-119 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-I न्यू देहली में स्थित है (और इससे उाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, न्यू देहली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 13-11-1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री डा० दशरथ घोड़ा सुपुत्र श्री राम दास घोड़ा निवासी 2-रामकिशोर रोड सिविल लाईन देहली (अन्तरक)
- (2) श्री इन्टरनेशनल सोसाईटी फार क्लबिंग कोनसीयसनस, फिरोज गान्धी रोड, लाजपत नगर-III न्यू देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्रोपर्टी नं० एम० 119 ग्रेटर कैलाश-I न्यू देहली क्षेत्रफल 516 वर्गगज जो कि विरी हुई है चारों ओर से।

पूर्व—सड़क 30'

पश्चिम—प्रोपर्टी नं० एम-117

उत्तर—सर्वीस लेन

दक्षिण—सड़क 30'

आर० बी० एल० अग्रवाल,  
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज-दिल्ली नई दिल्ली 110002.

तारीख : 23-6-80

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II,

एच० ब्लाक, विकास भवन, आई० पी० स्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 जुलाई 1980

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II एस०/आर० /11-79/ 5964/—अतः मुझे, श्रीमती एस० के० आलख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी संख्या 51 है तथा जो राजपुर रोड, सिविल लाईन दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक नवम्बर 1979

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बावजूद में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) जैसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, (अर्ज भारतीय या -कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसार में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्जित:—

1. श्रीमती कैलाश बती श्री गोकल चंद खन्ना, राजन चंद खन्ना प्रवीण कुमार खन्ना, अशोक कुमार खन्ना भाल निवासी 17 अलीपुर रोड सिविल लाईन दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री श्रीम प्रकाश माया देवी, सुभाष चंद्र श्रीमति किरन कुमारी, श्रीमती आशा रानी, श्रीमती राम चम्बेली निवासी 42 टैगोर, पार्क माडल टाउन दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बंगला नं० 51 राजपुर रोड सिविल लाईन दिल्ली में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 4133.33 वर्ग मीटर है।

श्रीमति एस० के० श्रीलख  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज II, दिल्ली नई दिल्ली

तारीख : 10-6-1980  
मोहर :

प्ररूप आई. टी. एन्. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 मार्च 1980

निर्देश सं० पी०आर० 894 एक्वी 23-II/14/7  
79-80—अतः मुझे एस. एन्० माण्डल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें  
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-  
ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण  
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-  
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 78, शीट नं० 130 है तथा  
जो पाटन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
पटना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)  
के अधीन तारीख 7-11-79

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास  
करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार  
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का  
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-  
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक  
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-  
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में  
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;  
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों  
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-  
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के  
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया  
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा  
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)  
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) ठाकोर चतुरजी नाथाजी आबुवालगुन डेहुलु, पी०  
के० मुला हाईस्कूल के पास, स्टेशन रोड, पाटन, (अन्तरक)

(2) श्री प्रमुख, देवपुरीनगर को० ओप० उसींग  
सोसायटी पाटन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए  
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेप.—

(क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45  
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना  
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि  
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

3 अविचलित संपत्ति, कर और 21 गुथा खुली जमीन,  
जिसका सर्वे नं० 78 है। सब रजिस्ट्रार कार्यालय पाटना में  
रजिस्ट्री की गई है और जिसका रजिस्टर्ड नं० 2573 है।

एस० एन्० माण्डल  
सहायक --आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 6-3-1980

मोहर :



प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज : 411004

पूना 411004, दिनांक 30 जून 1980

निर्देश सी० ए० 5 / ठाने नवम्बर 1979-80--अतः मुझे ए० सी० चन्द्रा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ठाने टिका नं० 16 सी० टी० एस नं० 50 है तथा जो नवपाडा, ठाने में स्थित है (और इससे उगावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय दुग्गम निबंधक ठाने में, रजिस्ट्री करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख नवम्बर 1979

को पूर्वाक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुआ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:--

1. श्री परशुराम रामोदर वैध तलाव पाल्सी, जांबली नाका, ठाने 1 हल्दी मुष्काम 2001, सदाशिव पेठ, पुने 30 (गन्तरक)

2. श्री जगन्नाथ धोंडू जाधव डा० आबेडकर चौक, शिवाजी पेठ ठाने (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

खुली जमीन जो सं० नं० 50 टिका नं० 16 नवपाडा गांव, ठाने म्युनिसिपल एरिया में स्थित है। और जिसका क्षेत्रफल 760.87 घौरस मीटर है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलख क्र० 65 ता नवम्बर 1979 को दुग्गम निबंधक के दफ्तर में लिखा है।)

ए० सी० चंद्रा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

तारीख : 30-6-1980

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की  
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना  
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-15

कोच्चिन-15, दिनांक 14 जुलाई 1980

निदेश सं० एल०सी० 416/80-81—यतः, मुझे, वी०

मोहनलाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें  
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा  
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का  
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य  
25,000/ रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो  
एरणाकुलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और  
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,  
एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908  
(1908 का 16) के अधीन दिनांक 17-10-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान  
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने  
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,  
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह  
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती  
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया  
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित  
नहीं वास्तविक रूप से कीमत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त  
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के  
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा  
का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों  
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922  
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या  
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)  
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया  
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में  
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण  
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)  
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री जगमोहन दास

(अन्तरक)

(2) श्री के० वी० मात्यु

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के  
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर  
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी  
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त  
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से  
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-  
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के  
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रत्युक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त  
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित  
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया  
गया है।

अनुसूची

23.529 cents of land as per schedule attached to doc. No.  
3608/79.

वी० मोहनलाल  
सक्षम प्राधिकारी  
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)  
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

दिनांक : 14-7-1980

मोहर :

प्रकरण आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा  
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 8 जुलाई, 1980

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/746—यतः, मुझे,  
एम० एल० चौहान,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 110 है, तथा जो जोधपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोधपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 16-10-1979

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री पुष्कराज पुत्र मिश्रीमल (अटार्नी होल्डर) श्रीमति सम्पत कंवर 10वीं बंकेट विद्या स्ट्रीट, मद्रास  
(अन्तरक)

2. श्री एस० धनराज पुत्र चम्पालाल शाह द्वारा चम्पालाल एण्ड कम्पनी चम्पावली, प्रथम मंजिल विठल बाड़ी, बम्बई-2

(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

प्लॉट नं० 110, बखत सागर स्कीम, जोधपुर पर स्थित एक मंजिला भवन जो उपपंजियक, जोधपुर के क्रम संख्या 1734 दिनांक 16-10-79 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में और विस्तृत रूप से विवरणित है।

एम० एल० चौहान

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 8 जुलाई, 1980

मोहर :

## संघ लोक सेवा आयोग

## नोटिस

सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1980

नई दिल्ली, दिनांक 26 जुलाई 1980

सं.एफ. 9/8/79-प I (ख)—भारत के राजपत्र दिनांक 26 जुलाई, 1980 में गृह मंत्रालय (कार्मिक एवं प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं के अनुभाग अधिकारी ग्रेड तथा आशुलिपिक ग्रेड I/ग्रेड II की चयन सूचियों में सम्मिलित करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग द्वारा बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, गंगतोक, मद्रास, नागपुर, तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय मिशनो में 17 दिसम्बर, 1980 से एक सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी। आयोग, यदि चाहे, तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारम्भ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश प्राप्त उम्मीदवारों की परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान प्रथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए अनुबन्ध I पैरा 8)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं में भर्ती की जानी है उनका तथा उन सेवाओं में उपलब्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या का विवरण इस प्रकार है :

## वर्ग I

केन्द्रीय सचिवालय सेवा का अनुभाग  
अधिकारी ग्रेड I

## वर्ग II\*

अनुभाग अधिकारी, ग्रेड (भारतीय विदेश  
सेवा शाखा 'ख' के सामान्य संवर्ग  
का ममेकित ग्रेड-II और III)

15 (अनुसूचित जाति के लिए  
2 पद और अनुसूचित  
जनजाति के लिए 1 पद  
प्रारक्षित)

## वर्ग III

रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का अनुभाग  
अधिकारी ग्रेड

\*\*2 (अनुसूचित जनजाति के  
लिए 1 पद प्रारक्षित)।

## वर्ग IV

केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा का  
ग्रेड II

## वर्ग V

भारतीय विदेश सेवा, शाखा 'ख' के  
आशुलिपिक उप संवर्ग का ग्रेड I

## वर्ग VI

सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक  
सेवा का ग्रेड II

## वर्ग VIII

आयुक्तना व्यूरो का अनुभाग अधिकारी  
ग्रेड (अनुसूचित जनजाति के  
उम्मीदवारों के लिए 1 प्रारक्षित  
है)।

4 (1 पद अनुसूचित जन  
जाति के लिए प्रारक्षित  
है)।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया  
जा सकता है।

\*रिक्तियाँ सरकार द्वारा सूचित नहीं की गईं।

\*\*अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए प्रारक्षित रिक्तियों की संख्या, सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

3. जो उम्मीदवार उक्त सेवाओं (दृष्टव्य नियम 3) के दो वर्गों के लिए पात्र हैं और दोनों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेना चाहता है; वह केवल एक ही आवेदन पत्र भेजे। उसे अनुबन्ध में उल्लिखित शुल्क एक बार ही देना होगा तथा आवेदन किए गए प्रत्येक वर्ग के लिए पृथक् शुल्क देने की आवश्यकता नहीं है।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों में उस वर्ग/उस वर्गों का स्पष्ट उल्लेख करना चाहिए जिनके लिए वे प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं। दो वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र में वरीयता क्रम से दोनों वर्गों का उल्लेख करना चाहिए। दो वर्गों के लिए प्रतियोगिता में भाग लेने वाले उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्र में उल्लिखित मूलतः वर्गों के वरीयता क्रम में परिवर्तन करने का अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा, जब तक कि इस आशय का अनुरोध संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित होने के 30 दिनों के भीतर प्राप्त नहीं हो जाता।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण दो हफ्ते देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को मनीऑर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल ऑर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए। मनीऑर्डर/पोस्टल ऑर्डर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो हफ्ते की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

नोट :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन पत्र सम्मिलित सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सम्मिलित सीमित प्रतियोगिता परीक्षा, 1980 के लिए निर्धारित आवेदन प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. भरा हुआ आवेदन पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास 15 सितम्बर, 1980 (15 सितम्बर, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवार 29 सितम्बर, 1980 तक या उससे पूर्व डाक द्वारा भेज दें या काउंटर पर स्वयं जमा करा दें। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, मिजोरम, मणिपुर, नागालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख डिवीजन में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 15 सितम्बर, 1980 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में, अण्डमान एवं निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप, असम, मेघालय,

अण्डमान प्रवेश, मिजोरम, मणिपुर, नगालैण्ड, त्रिपुरा, सिक्किम और जम्मू तथा कश्मीर राज्य के लद्दाख हिब्बोजन में रह रहा था ।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन पत्र के साथ आयोग को रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली स्थित स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की मुख्य शाखा पर देय स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो ।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051—लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखा शीर्ष में जमा हो जाए और आवेदनपत्र के साथ उसकी रसीद लगाकर भेजनी चाहिए ।

जिन आवेदन पत्रों में यह शोका पूरी नहीं होगी उन्हें कदम अस्वीकार कर दिया जाएगा ।

7. यदि कोई उम्मीदवार, सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा, 1979 में बैठा हो और वह परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए आवेदन करना चाहता हो तो उसे 1979 की परीक्षा के परिणामों की प्रतीक्षा किए बिना ही अपना आवेदन पत्र प्रथम भेज देना चाहिए ताकि वह निर्धारित तारीख तक आयोग के कार्यालय में पहुंच जाए । यदि 1979 में भी गई परीक्षा के परिणाम के आधार पर उसका नाम चयन सूची में सम्मिलित करने हेतु अनुमति कर दिया जाता है तो उसके अनुरोध पर वह परीक्षा के लिए उसकी उम्मीदवारी रह कर ही जाएगी और उसको शुल्क लौटा दिया जाएगा । अर्थात् कि उम्मीदवारी रह कर ही और शुल्क को वापस करने का अनुरोध आयोग के कार्यालय में 1979 की परीक्षा के अन्तिम परिणामों की घोषणा के एक मास के अन्दर प्रस्तुत कर दिया जाए ।

8. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी ।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़ कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा ।

9. उम्मीदवार को अपना आवेदन पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से सम्बन्ध उसके किसी भी अनुरोध की किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

10. नियमावली के परिशिष्ट I में उल्लिखित परीक्षा की योजना में बताए गए सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र में वस्तुपरक प्रकार के प्रश्न होंगे । वस्तुपरक परीक्षण के विवरण और नमूने के प्रश्नों के लिए अनुबन्ध II पर "उम्मीदवारों के सूचनायें विवरणिका" का मन्दर्भ दिया जाए ।

आर० एम० अहलुवालिया  
उप सचिव  
संघ लोक सेवा आयोग

#### अनुबन्ध-I

उम्मीदवारों की अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन पत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़कर यह देख लें कि वे

परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं । निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है ।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केंद्रों में से किसी एक को, जहां वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए । सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बन्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा ।

यदि कोई उम्मीदवार किसी विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो तो उसे अपनी पसन्द के प्रमानुसार वांछित भारतीय मिशन (वह स्वयं जिस देश में है/उमने भिन्न देशों में स्थित) के नाम भी वैकल्पिक केंद्रों के रूप में देने चाहिए । उम्मीदवार को, आयोग यदि चाहें तो, उसके द्वारा उल्लिखित तीन मिशनों में से किसी एक में परीक्षा में बैठने के लिए कह सकता है ।

2. उम्मीदवारों को आवेदन पत्र तथा पावलो काटे अपने हाथ से ही भरने चाहिए । अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन पत्र, सम्भव है, अस्वीकार कर दिया जाए ।

उम्मीदवार को अपना आवेदन पत्र सम्बन्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो संगत प्रविष्टियों का स्त्यापन करके आवेदन पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठानक को भर कर आयोग को भेज देगा ।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण पत्र प्रथम भेजने चाहिए :—

- निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट या भारतीय मिशन की रसीद (देखिए नोटिस का पैरा 6) ।
- उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां जो कि एक आवेदन पत्र पर और दूसरी उपस्थिति पत्रक में निर्धारित स्थान पर चिपकाई गई हो ।
- जहां लागू हो वही आयु में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4) ।
- लगभग 11.5 सें० मी० × 27.5 सें० मी० आकार के बिन टिकट खरे हुए दो लिफाफे जिन पर आपका पता लिखा हो ।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन पत्रों के साथ उपर्युक्त सब (iii) पर उल्लिखित प्रमाण पत्रों की केवल प्रतियां ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राज पत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हो अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हो । जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा के परिणामों के आधार पर यथास्थिति सेवा रिहाई के मूल्यांकन अथवा आणुनिक परीक्षा के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी । परिणामों के सई, 1981 के महीने में घोषित किए जाने की सम्भावना है । उम्मीदवारों को इन प्रमाण पत्रों की तैयार रखना चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद आयोग को भेज देना चाहिए । जो उम्मीदवार अपेक्षित मूल प्रमाण पत्र मंगे जाने पर नहीं भेजेंगे उनकी उम्मीदवारी रह कर ही जाएगी और बागे विचार के लिए उन उम्मीदवारों का कोई दावा नहीं होगा ।

मव (i) और (ii) में उल्लिखित प्रमेयों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मव (iii) के विवरण पैरा 4 में दिए गए हैं।

(i) (क) निर्धारित शूल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आईडर :—

प्रत्येक पोस्टल आईडर अनिवार्यतः रेखांकित किया जाए, उस पर 'सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय' लिखा जाना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आईडर किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विकल्पित या फटे-फटे पोस्टल आईडर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आईडरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि जो पोस्टल आईडर न तो रेखांकित किए गए हों और न सचिव, संघ लोक सेवा आयोग की नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय किए गए हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शूल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इण्डिया की किसी शाखा से लिया जाना चाहिए और सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इण्डिया की मुख्य शाखा, नई दिल्ली में देय होना चाहिए तथा विधिवत् रेखांकित होना चाहिए।

किसी अन्य बैंक के नाम देय किए गए बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विकल्पित या फटे फटे ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन पत्र भेजने समय विदेश में रह रहे हों वे निर्धारित शूल्क की राशि (₹ 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए ₹ 7.00 के बराबर) यथास्थिति उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवायें और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "051—लोक सेवा आयोग परीक्षा शूल्क" में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन पत्र के साथ भेजें।

(ii) फोटो की दो प्रतियाँ :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० 7 सें० मी०) के फोटो की एक जैसी दो प्रतियाँ अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति उपस्थिति पत्रक पर निर्दिष्ट स्थान में चिपका देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति के उपर उम्मीदवार की स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए।

ध्यान दें—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन पत्र के साथ ऊपर पैरा 3 (i) और (ii) में उल्लिखित प्रमाण पत्र संलग्न न हों तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृत के बिना कोई अपील नहीं मानी जाएगी।

4. (i) नियम 3 (ख) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले पांडिचेरी के संघ राज्य क्षेत्र के उम्मीदवार को उस शिक्षा संस्था के प्रमाण पत्र से, जिसमें उसने शिक्षा प्राप्त की है, लिए गए प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि उसने किसी स्तर पर केंद्र के माध्यम में शिक्षा प्राप्त की है।

(ii) नियम 3 (ग) (ii) या 3 (ग) (iii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्ला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिये गए प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित

प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बांग्ला देश) से आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि के दौरान प्रवासन कर भारत आया है :—

- (1) एजकारण परियोजना के ट्रांजिट केंद्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित महायुवा शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) सम्बद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अन्रिक्त जिला मजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन सम्बद्ध सब-डिवीजन का सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उस शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिम बांग्ला [निदेशक (पुनर्वास) कलकत्ता।

(iii) नियम 3 (ग) (iv) या 3 (ग) (v) के अन्तर्गत निर्धारित आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रयावर्तित या प्रयावर्तित होने वाले मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिये गये इस आशय के प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964, के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964, को या उसके बाद भारत आया है या आने वाला है।

(iv) नियम 3 (ग) (vi) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आये हुए उम्मीदवार को या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यक्षगति मूलतः भारतीय को उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिये प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(v) नियम 3 (ग) (vii) या 3 (ग) (viii) के अन्तर्गत निर्धारित आयु सीमा में छूट चाहने वाले बर्मा से प्रयावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गये पहचान प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा जिस क्षेत्र का वह निवासी है, उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिये गये प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रयावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

(vi) नियम 3 (ग) (ix) और 3 (ग) (x) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महाविदेशक, पुनर्वास, रक्षा मंत्रालय से निम्नलिखित निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिप्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मूलत हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट .....  
के रैंक नं० .....  
श्री ..... रक्षा सेवाओं  
में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में \*अशांतिप्रस्त क्षेत्र में

फीजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उन विकलांगता के परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर .....  
पदनाम .....  
तारीख .....

\*जो लागू न हो उसे कृपया काट दें।

(vii) नियम 3(ग) (xi) या 3(ग) (xii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, गृह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिये गये प्रमाण-पत्र की एक प्रतिलिपि/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुआ। उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट .....  
के रैंक नं० .....  
श्री ..... सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए मई 1971 के भारत पाक संघर्ष के दौरान विकलांग हुए और उन विकलांगता के परिणाम स्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर .....  
पदनाम .....  
तारीख .....

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गये किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रतिलिपि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई केवल रखें और न फेर बदल किये गये झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के सम्बन्ध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाये।

6. आवेदन पत्र देरी से प्रस्तुत किये जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमूल्य तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

7. यदि परीक्षा से सम्बद्ध आवेदन-पत्रों के पहुँच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र की पावती (एकलान्तिमेट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए।

8. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दी जायेगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जायेगा यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किये जाने के दावे से वंचित हो जायेगा।

9. केन्द्रीय सचिवालय सेवा अनुभाग अधिकारी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1976 और सम्मिलित गैर-विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा 1976, 1977 और 1978 से पूर्व पाँच वर्षों के दौरान में की गई उक्त परी-

क्षाओं के नियमों और प्रश्न पत्रों से सम्बद्ध पुस्तिकाओं की बिजली प्रकाशन नियंत्रक, मिडिल लाइन्स, दिल्ली-110051 के द्वारा होती है और उन्हें वहाँ से मेन ऑर्डर द्वारा सीधे अथवा नकल भुगतान द्वारा प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महीन, रिखोली मिनेमा के सामने, एम्बोर्निया बिल्डिंग, 'सी' ब्लाक, बाबा खड्गमिह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा का बिजली काउण्टर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001 और (iii) गवर्नमेंट ऑफ इंडिया बुक डिपो, 8 कै० एम० राय रोड, कलकत्ता-1, से भी केवल नकद पैसा देकर प्राप्त किया जा सकता है। वे पुस्तिकाएँ विभिन्न मुफ्तमिल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंसी से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

10. परीक्षा से सम्मिलित होने के लिए उम्मीदवारों को संघ लोक सेवा आयोग से कोई यात्रा भत्ता नहीं मिलेगा।

11. आवेदन-पत्र से सम्बद्ध पत्र व्यवहार:—आवेदन पत्र से सम्बद्ध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएँ तथा उनमें नीचे लिखे व्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म तिथि, यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें:—(i) जिन पत्रों आदि से यह ब्यौरा नहीं होगा संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

(ii) परीक्षा समाप्त होने के बाद यदि उम्मीदवार से कोई पत्र/सूचना प्राप्त होती है और उसमें उसका पूरा नाम और अनुक्रमिक नम्बर लिखा है, तो उस पर ध्यान नहीं दिया जाएगा और कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी।

12. पत्रों में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पत्र पर मिल जायें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 11 में उल्लिखित व्यौरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है फिर भी इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

### अनुबन्ध-11

संघ लोक सेवा आयोग

उम्मीदवारों की सूचनार्थ विवरणिका

क. वस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार के परीक्षण में आपको उत्तर फेंकाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको आगे प्रश्नों कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको आगे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

ख. परीक्षण का स्वरूप

प्रश्न-पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3 . . . के क्रम से प्रश्नांक होंगे। हर प्रश्नांक के नीचे a, b, c . . . क्रम में संभावित प्रत्युत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक प्रत्युत्तर सही हैं तो उनमें से सर्वोत्तम प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। (अंत में दिए गए नमूने के प्रश्नांक देखें)। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्नांक के लिए आपको एक ही प्रत्युत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक चुन लेते हैं आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

ग. उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पत्रक को छोड़कर अन्य किसी भी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नांकों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांक के सामने a, b, c, d, e . . . के क्रम में प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांक को पढ़ लेने और यह निर्णय कर लेने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को दर्शाने वाले आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है। उत्तर पत्रक के आयत को काला बनाने के लिए स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

1. [a] [b] [c] [d] [e]

2. [a] [b] [c] [d] [e]

3. [a] [b] [c] [d] [e]

इसलिए यह जरूरी है (1) कि प्रश्नांकों के उत्तरों के लिए केवल अच्छी किसम की एच० बी० पेंसिल (पेंसिलें) ही लाएं और उन्हीं का प्रयोग करें।

2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें। इसके लिए आप अपने साथ एक रबर भी लाएं।

3. उत्तर पत्रक का प्रयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए या उसमें मोड़ या सलवट आदि पड़ जाएं और वह टेढ़ा हो जाए।

घ. कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरंभ करने के लिए निर्धारित समय से बीस मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।

2. परीक्षण शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षण में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।

3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।

4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर

ले जाने की अनुमति नहीं है। इन नियमों का उल्लंघन करने पर बड़ा दण्ड दिया जाएगा।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नम्बर, केंद्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या स्याही से साफ-साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर आप कहीं भी अपना नाम न लिखें।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नम्बर कम हो जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांक के लिए आपको कोई नम्बर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक को दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग को आरंभ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेश का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण-पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक एच० बी० पेंसिल, एक रबर, एक पेंसिल शार्पेनर और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपने साथ एक क्लिपबोर्ड या कांड बोर्ड या कांड बोर्ड लाएं जिस पर कुछ भी न लिखा हो। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज या कागज का टुकड़ा, पैमाना या आरेपण उपकरण नहीं लाने हैं क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी यदि आप मांगें तो कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुद्ध करने के पहले उग पर परीक्षा का नाम अपना रोल नम्बर और दिनांक लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें।

विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। जिसके मिलते ही तुरन्त आप देख लें कि उस पर पुस्तिका की सं० लिखी हुई है और सील लगी हुई है। अन्यथा उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबद्ध खाने में अपनी परीक्षण पुस्तिका की क्रम सं० लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका को खोलने को न कहें, जब तक आप उसे न तोड़ें।

च. कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपकी गति की अपेक्षा शुद्धता को जानना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, दक्षता से, उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी प्राप्ति कर सकते हैं, बड़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिन्ता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यन्त कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

सभी प्रश्नों के अंक समान होंगे। सभी प्रश्नों के उत्तर दें। आपके द्वारा अंकित सही प्रत्युत्तरों की संख्या के आधार पर आपको अंक दिए जाएंगे। गलत उत्तरों के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।

छ. परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहाँ आकर आपसे सभी आवश्यक सामग्री न ले जाएं और आपको "हाल" छोड़ने की अनुमति दे जाने न दें। आपको परीक्षण-पुस्तिका कच्चे कार्य के लिए, कागज और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है।



## नमूने के प्रश्न

1. भौर्य वंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौन-सा उत्तरदायी नहीं है ?
  - (a) ग्रशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे ।
  - (b) ग्रशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ ।
  - (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की अवस्था नहीं हुई ।
  - (d) ग्रशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी ।
2. सप्तवीय स्वसप की सरकार में
  - (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है ।
  - (b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है ।
  - (c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है ।
  - (d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है ।
  - (e) कार्यपालिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है ।
3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्येतर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन
  - (a) विकास की सुविधा प्रदान करना है ।
  - (b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है ।
  - (c) नियत कक्षा-कार्य से राहत देना है ।
  - (d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है ।
4. सूर्य के सबसे निकट ग्रह है
  - (a) शुक
  - (b) मंगल
  - (c) बृहस्पति
  - (d) बुध
5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?
  - (a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण, उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है ।
  - (b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गहरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है ।
  - (c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गहरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकती जाती है ।
  - (d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, उतनी ही धीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकती जाती है ।

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-11, the 11th June 1980

No. A-32011/1/79-Admn.I.—The President has been pleased to appoint Shri B. B. Chhibber, Selection Grade P.A., cadre of Ministry of Energy and Irrigation (Department of Power) as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) cadre of U.P.S.C. w.e.f. 31-5-80 (FN) until further orders.

The 12th June 1980

No. A.32014/1/80-Admn.I.—In partial modification of this office Notification of even number dated 12th May, 1980 Shri K. S. Bhutani, a permanent P.A. (Gd. C of CSSS), cadre of UPSC who was promoted to officiate as Sr. P.A. (Gd. B of CSSS) on ad hoc basis upto 25-6-80 stands reverted to the lower post of P.A. (Gd. C of CSSS) w.e.f. 31-5-80 (F.N.).

Further, Shri Bhutani is promoted to officiate in the Selection Grade for Grade C Stenographer on purely provisional temporary and ad hoc basis w.e.f. 31-5-80 (FN) to 31-7-80 (AN) vice Shri H. C. Katoch officiating as Sr. P.A. on ad hoc basis.

The 13th June 1980

No. A. 32013/3/80-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries on ad hoc basis in Grade I of the Central Secretariat Service for the period shown against each, or until further orders, whichever is earlier.

S. No.	Name	Period
	S/Shri	
1.	P. C. Mathur Section Officer	1-3-80 to 23-4-80 & three months w.o.f. 25-4-80
2.	T. M. Kokel (Gd. A of CSSS) Officiating as Special Assistant to Chairman (ex-cadre)	1-3-80 to 25-3-80
3.	S. Srinivasan (Section Officer officiating as Desk Officer)	1-3-80 to 30-4-80 & 3 months w.e.f. 2-5-80
4.	D. P. Roy (Section Officer) officiating as Desk Officer	1-3-80 to 15-4-80 & 16-4-80 to 9-5-80
5.	M. S. Chhabra (Section Officer) officiating as Senior Analyst (ex-cadre)	3 months from 1-4-80

The 20th June 1980

No. P/1807-Admn.I.—The services of Shri M. S. Thanvi, an officer of the Indian Revenue Service (Income Tax) on deputation as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, who has been granted leave upto 30-6-1980, are replaced at the disposal of the Central Board of Direct Taxes, Ministry of Finance w.e.f. 1-7-1980 (FN).

S. BALACHANDRAN  
Under Secy.  
Union Public Service Commission

New Delhi-110011, The 12th June 1980

No. A-11016/1/76-Adm. III.—The President is pleased to appoint the following Section Officers/S.O. (Spl) of Union Public Service Commission to perform the duties of Desk Officers for

the period indicated against each or until further orders, whichever is earlier, in the office of Union Public Service Commission.

Sl. No.	Name	Period	Branch to which posted
1.	Sh. H. M. Biswas	30-6-80 to 31-8-80	Recruitment Rules
2.	Sh. R. Sahai	10-6-80 to 31-8-80	Advisers' Section

2. The above officers shall draw Special Pay — Rs. 75/- per month in terms of D.O.P. & A.R. O.M. No. 12/1/74-CS(1) dated 11-12-75.

S. BALAGHANDRAN  
Under Secy.  
Incharge of Administration  
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
DIRECTORATE GENERAL  
CENTRAL RESERVE POLICE FORCE  
New Delhi-110001, the July 1980

No. O.II-1444/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. (Miss) Iftekharunnisa Begum as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from the forenoon of 5-6-80 for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

No. O.II-1455/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Anil Kaushal as Junior Medical Officer (GDO; Grade-II) in the CRPF on ad hoc basis with effect from 9-6-80 (F.N.) for a period of three months or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 3rd July 1980

No. O.II.322/69-ESTT.—The President is pleased to relieve Shri M. B. Beg, Assistant Commandant of 36 Battalion, CRPF w.e.f. the afternoon of 30-6-80 on expiry of one month's notice under rule 5(i) of the CCS (TS) Rules, 1965.

The 7th July 1980

No. O.II-1448/79-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr. Jagdish Chandra Nistandra as Junior Medical Officer (GDO; Gd-II) on ad hoc basis with effect from 27-5-80 (F.N.) for a period of three months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

K. R. K. PRASAD  
Assistant Director (Adm.)

OFFICE OF THE INSPECTOR-GENERAL  
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110019, the 28th June 1980

No. E-16014(3)/15/73-PERS.—On repatriation to his parent office, Shri R. Seshadri relinquished the charge of the post of Assistant Commandant CISF, Group Hqrs., Madras with effect from the afternoon of 21st May, 1980.

2. On transfer from Trg. Reserve (SZ) at M.P.T. Madras, Shri N. Ram Das assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF, Group Hqrs, CISF, Madras with effect from the same date.

3. This issues in supersession of Notification of even number dated 16-6-80.

No. E-38013(3)/17/79-PERS.—On transfer from Ranchi, Shri D. S. Badwal assumed the charge of the post of Asstt. Comdt, CISF Unit, HFCL Namrup w.e.f. the forenoon of 28th May 1980.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Inspector-General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA  
New Delhi, the 2nd July 1980

No. 11/1/80-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri K. S. Vellodi, an officer belonging to the I.A.S. (Kerala cadre) as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Kerala at Trivandrum, with effect from the forenoon of the 9th June, 1980, until further order.

2. The headquarters of Shri K. S. Vellodi will be at Trivandrum.

P. PADMANABHA  
Registrar General, India

#### MINISTRY OF FINANCE

(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)

#### INDIA SECURITY PRESS

Nasik, the 3rd July 1980

No. 527/A.—The undersigned hereby appoints the following Inspectors Control (Class III non-Gazetted) India Security Press, Nusik Road as Deputy Control Officers (Class II Gazetted post) in India Security Press, in the revised scale of pay Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an *ad hoc* basis with effect from 24-6-80 to 23-9-80 or till the posts are filled on a regular basis whichever is earlier against the two newly created posts vide GIMF. letter No. F.5/12/80 Cy dated 30-5-1980.

1. Shri A. S. Palkar.
2. Shri G. Narayansamy.

N. RAMAMURTHY  
Sr. Dy. General Manager

#### SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad, the 24th June 1980

No. E/1/3268.—In continuation of this office Notification No. E-1/1717 dated 26-5-79, the *ad hoc* appointment of Shri B. R. Barmaiya, Assistant Engineer (Elect) is hereby extended upto 30-6-1980 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

The 27th June 1980

No. PF.PD/27/3306.—In continuation of this office Notification No. PD-27/9630 dated 19-12-1979, Shri R. G. Kulthe, Foreman (M/Plant) is promoted as Asstt. Works Manager (MCMP) on regular basis with effect from 27-5-80. He will be on probation for a period of two years which

will include the periods during which he was appointed to the post on *ad hoc* basis.

S. R. PATHAK  
General Manager

#### INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENTS

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

JAMMU & KASHMIR

Srinagar, the 23rd June 1980

No. Admn-I/60(68)/80-81/1203-1205.—The Accountant General Jammu & Kashmir has promoted Shri J. L. Bhat, a permanent Section Officer of this office as Accounts Officer in an officiating capacity with effect from the forenoon of 13th June, 1980, till further orders.

H. P. DAS  
Senior Deputy Accountant General (A&E)

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,

MAHARASHTRA

Bombay-400 020, the 27th June 1980

No. Admn.I/Genl/31-vol.III/CI(1)/3.—The Accountant General, Maharashtra 1, Bombay is pleased to appoint Shri S. N. Potty, a member of the subordinate Accounts service to officiate as Accounts Officer in this office with effect from 12th June 1980 F.N. until further orders.

S. R. MUKHERJEE  
Sr. Dy. Accountant General/M

#### DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE C.G.D.A.

New Delhi-110 022, the 28th June 1980

No. 18294/AN-I.—On attaining the age of 58 years, Shri Om Prakash, ACDA, will be transferred to the Pension Establishment w.e.f. 31-12-80 (AN) and accordingly struck off strength of the Defence Accounts Department w.e.f. 31-12-1980.

The 2nd July, 1980

No. 40011(1)/80/AN-II—(1) The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the Pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date from which transferred to Pension Estt.	Organisation
1	2	3	4	5
<b>S/Shri</b>				
1.	S. Sundaram-II (P/82)	Pt. Accounts Officer	31-1-80	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune.
2.	A. K. Thoman (P/344)	Do.	31-1-80	Do.
3.	A. S. Deshpande (O/375)	Officiating Accounts Officer	31-1-80	Do.
4.	M. R. Rajwadey (O/130)	Do.	31-1-80	Controller of Accounts (Factories), Calcutta.
5.	K. K. Roy Chowdhury (P/474)	Pt. Accounts Officer	31-1-80	Do.
6.	R. P. Bagu (P/20)	Do.	31-1-80	Do.
7.	Kali Prasanna Sen (O/160)	Officiating Accounts Officer	31-1-80	Do.
8.	R. S. Rana (O/NYA)	Do.	31-1-80	Do.
9.	S. K. Guha (P/115)	Pt. Accounts Officer	31-1-80	Controller General of Defence Accounts, New Delhi.

1	2	3	4	5
	S/Shri			
10.	K. P. Bose (P/216)	Pt. Accounts Officer	31-1-80	Controller of Defence Accounts, Patna.
11.	H. R. Khurana (O/NYA)	Officiating Accounts Officer	31-1-80	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
12.	B. S. Arjun Wadkar (O/150)	Do.	31-1-80	Controller of Defence Accounts (Officers) Pune.
13.	R. Subramanyam (P/29)	Pt. Accounts Officer	31-1-80	Do.
14.	V. K. Jagdekar (O/NYA)	Officiating Accounts Officer	31-1-80	Do.
15.	Trilok Chand Mahajan (O/241)	Do.	31-1-80	Controller of Defence Accounts, Northern Command, Jammu.
16.	Anil Kumar Biswas (P/176)	Pt. Accounts Officer	31-1-80	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
17.	Om Prakash Mital (P/111)	Do.	31-1-30	Joint Controller of Defence Accounts (Fund.) Meerut.
18.	S. Vridagiri (P/93)	Do.	31-1-80 Voluntary retirement	Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meerut.
19.	Inder Nath Chadha (P/184)	Do.	31-12-79	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
20.	Rama Nandan Parsad (P/567)	Do.	31-1-80	Do.
21.	C. D. Mathai (P/281)	Do.	31-1-80	Do.
22.	Jadu Gopal Chatterjee (P/182)	Do.	31-1-80	Do.
23.	N. C. Kashyap (P/509)	Pt. Accounts Officer	29-2-80	Controller of Defence Accounts (Pensions), Allahabad.
24.	Rewa Dhar Joshi (P/468)	Do.	29-2-80	Do.
25.	S. C. Banerjee (P/183)	Do.	29-2-80	Do.
26.	S. R. Khan (O/63)	Officiating Accounts Officer	29-2-80	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
27.	K. Thyagarajan (O/288)	Do.	29-2-80	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune.
28.	P. N. Ram Das (P/87)	Pt. Accounts Officer	29-2-80	Do.
29.	V. S. Tupe (O/NYA)	Officiating Accounts Officer	29-2-80	Do.
30.	Rajinder Singh Ahluwalia (P/506)	Pt. Accounts Officer	29-2-80	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
31.	L. N. Bapat (P/375)	Do.	29-2-80	Controller of Defence Accounts (Officers) Pune-1.
32.	Inder Prakash Nadir (O/260)	Officiating Accounts Officer	29-2-80	Controller of Defence Accounts (ORs) North, Meerut.
33.	T. N. Sitaraman (P/48)	Pt. Accounts Officer	29-2-80	Controller of Defence Accounts (URs) South Madras.
34.	C. P. Swamy (P/120)	Do.	29-2-80	Do.
35.	D. Krishnamurthy (O/383)	Officiating Accounts Officer	29-2-80	Do.
36.	Arun Kumar Basu (O/78)	Do.	29-2-80	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
37.	N. C. Chakravarty (P/602)	Pt. Accounts Officer	29-2-80	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.
38.	K. S. Ramaswamy (P/80)	Do.	29-2-80	Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay.
39.	M. Aravindaksha Menon (P/102)	Do.	31-3-80	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehradun.
40.	Mohinder Singh Bindra (P/201)	Do.	31-3-80	Do.
41.	Kashmiri Lal (P/370)	Do.	31-3-80	Do.
42.	Madan Mohan (O/34)	Officiating Accounts Officer	31-3-80	Do.
43.	G. Varadharajan (P/119)	Pt. Accounts Officer	31-3-80	Do.

1	2	3	4	5
S/Shri				
44. K. R. Krishnamurthy (P/51)	Pt. Accounts Officer	31-3-80	Controller of Defence Accounts (URs) South, Madras.	
45. T. V. Venkataramana Rao (P/138)	Do.	31-3-80	Do.	
46. Yoginder Pal Soni (P/219)	Do.	31-3-80	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Pune-1.	
47. B. G. Shirgurkar (P/49)	Do.	31-3-80	Controller of Defence Accounts (Officers) Pune-1.	
48. Madan Lal Seth (P/574)	Do.	31-3-80	Controller of Accounts (Factories) Calcutta.	
49. T. Dev Roy (P/247)	Do.	31-1-80	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.	
50. R. N. Dutta (O/136)	Officiating Accounts Officer	31-3-80	Controller of Defence Accounts, Central Command Meerut.	
51. M. S. Sachdeva (P/572)	Pt. Accounts Officer	31-3-80	Do.	
52. Ram Prakash Anand (U/334)	Officiating Accounts Officer	30-4-80	Do.	

The Controller General of Defence Accounts regrets to notify the death of the undermentioned Accounts Officers.

Sl. No.	Name with Roster No.	Grade	Date of death	Struck off strength of the Deptt.	Organisation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
S/Shri					
1. M. G. Suri (P/523)	Pt. AO	14-12-79	15-12-79 (FN)	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.	
2. R. Balasubramanian (O/NYA)	Offg- AO	6-1-80	7-1-80 (FN)	Controller of Defence Accounts (ORs) South, Madras.	

K. P. RAO  
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE  
D.G.O.F. HQRS. CIVIL SERVICE  
ORDNANCE FACTORY BOARD  
Calcutta, the 27th June 1980

No. 11/80/A/E-1(NG)—The D.G.O.F. is pleased to promote the following officer in Offg. capacity in an existing vacancy without effect on seniority in grade and on date shown against him :

Shri Jagdish Mitter Sharda Asstt. Staff Officer, (Ad-hoc)	Officiating Assistant Staff Officer	From 20-2-80 until further orders.
--	---	---------------------------------------

Shri Sharda will be on probation for two years from the date of his promotion.

D. P. CHAKRAVARTY  
A.D.G.O.F./Admin  
for Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF LABOUR  
DIRECTORATE GENERAL FACTORY ADVICE  
SERVICE AND LABOUR INSTITUTES

Bombay, the 28th June 1980

No. 3/18/78-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint the undermentioned officers as Additional Inspector (Dock Safety) with effect from the date shown against their names 15—166GT/80

in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay in an officiating capacity, on regular basis until further orders.

Sl. No.	Name of Officers	Date of appointment
1.	Shri ADHIR CH. KAR—	17-12-79 (FN)
2.	„ K. NARASIMHAN—	31-12-79 (FN)
3.	„ KR HARNOLE—	01-05-80 (FN)

The 5th July 1980

No. 15/12/79-Estt.—The Director General, Factory Advice Service and Labour Institutes, Bombay is pleased to appoint Shri K. Suryanarayanan as Research Officer (Industrial Psychology) in the Directorate General of Factory Advice Service and Labour Institute Bombay, in a temporary capacity with effect from the forenoon of 17th June, 1980, until further orders.

A. K. CHAKRABARTY  
Director General

MINISTRY OF COMMERCE  
(DEPARTMENT OF TEXTILES)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER  
FOR HANDLOOMS

New Delhi, the 29th June 1980

No. A-32013/2/80-Admn.II(A).—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 7th June, 1980 and until further orders Shri V. Krishnasamy Iyengar,

Deputy Director (Processing) as Director (Processing) in the Weavers Service Centre, Madras.

N. P. SESHADRI  
Jt. Development Commissioner  
for Handlooms.

**DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS**  
(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi-1, the 23rd June 1980

No. A-1/1(1045).—Shri Ram Kishan, Assistant Director (Grade II) in the office of the DGS&D, New Delhi has been reverted to the non-gazetted post of Junior Progress Officer with effect from the forenoon of 19-5-80.

K. KISHORE  
Dy. Dir. (Admn.)  
for Director General of Supplies & Disposals.

**MINISTRY OF STEEL & MINES**  
(DEPARTMENT OF MINES)  
**INDIAN BUREAU OF MINES**

Nagpur, the 30th June 1980

No. A-19011(281)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Y. N. Sontakke, Junior Technical Assistant (O.D.) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 28th May, 1980.

The 1st July 1980

No. A-19012(91)/77-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri R. N. Koshta, Assistant Research Officer (O.D.) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 4-6-80.

No. A-19011(236)/78-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri A. Nagaraja, Asstt. Ore Dressing Officer to the post of Deputy Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 29th May, 1980.

No. A-19012(111)/79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Mohan Ram, Assistant Research Officer (Ore Dressing) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an Officiating Capacity with effect from the forenoon of 26th May, 1980.

No. A-19012(114)/79-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri K. Y. Kapale, Asstt. Research Officer (O.D.) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 3rd June, 1980.

No. A-19011(283)/80-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri N. P. Haran, Junior Technical Assistant (OD) to the post of Assistant Ore Dressing Officer in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 28th May, 1980.

S. V. ALI  
Head of Office  
Indian Bureau of Mines

**DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO**

New Delhi, the 27th June 1980

No. A-32013/1/80-SV.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri J. P. Jain, Senior Administrative Officer, Doordarshan Kendra, Lucknow, to officiate in the post of Inspector of Accounts in the Directorate General, All India Radio, New Delhi, from the forenoon of May 29, 1980 in an *ad-hoc* capacity *vice* Shri B. K. Mitter, Officiating

Inspector of Accounts, Directorate General, All India Radio, New Delhi, retired from Govt. service on 29-2-1980.

S. V. SESHADRI  
Dy. Dir. of Administration  
for Director General

**DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN**

New Delhi, the 30th June 1980

No. A-19012/16/80-SH.—Director General, Doordarshan is pleased to appoint Shri S. D. Khanna, previously working as Head Clerk/Accountant, Station Director, All India Radio, New Delhi as Administrative Officer at Doordarshan Kendra, Jullundur in the scale of Rs. 650-960 with effect from 22-5-80 (FN), until further orders.

C. L. ARYA  
Dy. Dir. of Admn.  
for Director General

**MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING**  
**FILMS DIVISION**

No. A-1912/4/79-Estt.I.—On the recommendation of the UPSC, Chief Producer, Films Division, Bombay hereby appoints Shri R. R. Swamy to officiate as In-Between Animator in the Films Division, Bombay w.c.f. forenoon of the 9th June, 1980, until further orders.

N. N. SHARMA  
Acting Adm. Officer  
for Chief Producer

**OFFICE OF THE MEDICAL SUPERINTENDENT**  
**SAFDARJANG HOSPITAL**

New Delhi, the 28th March 1980

No. 17.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 5 of the Central Civil Services (Temporary Service) Rules, 1965, I hereby give notice to Shri Chhatar Pal, L.D.C. of this hospital that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which this notice is served on him.

(1) Sd. ILLEGIBLE  
Medical Superintendent.

**MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION**  
(DEPARTMENT OF FOOD)  
**NATIONAL SUGAR INSTITUTE**

Kanpur, the 16th June 1980

No. Estt. 10(4)/65.—Shri A. K. Gupta, Senior Technical Assistant at the National Sugar Institute, Kanpur is appointed to officiate as Junior Technical Officer (650—1200) in the grade of Junior Technical Officer (ST)/Manufacturing Chemist (JTO) on *ad hoc* basis with effect from the forenoon of 19th May, 1980 till further orders.

N. A. RAMAIAH  
Director

**MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION**  
**DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION**

Faridabad, the 1st June 1980

No. A. 19025/37/79-A-III.—Consequent on his selection for appointment to the post of Assistant Director (S & R) in the Department of Food, Shri K. S. Dongre, Assistant Marketing Officer, relinquished charge of his duties in this Directorate at Unjha with effect from the afternoon of 7th June 1980.

B. L. MANIHAR  
Director of Administration  
for Agricultural Marketing Adviser  
to the Govt. of India

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY  
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 27th June 1980

No. DPS/23/6/77/Est./9855.—The Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri M. M. Nantiyal temporary Storekeeper of this Directorate to officiate as Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on an ad hoc basis in the same Directorate with effect from November 13, 1978 (FN) to December 14, 1978 (AN) vice Shri V. K. Bokil, Asstt. Stores Officer appointed as Stores Officer.

C. V. GOPALAKRISHNAN  
Assistant Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 28th June 1980

No. AMD-1/23/80-Adm.—In supersession of this Office Notification of even number dated June 19, 1980, the Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Kiran Kumar Achar as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in the Atomic Minerals Division in a temporary capacity with effect from the afternoon of May 6, 1980 until further orders.

M. S. RAO  
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 1st July 1980

Ref. 05012/R/4/OP/2884.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Parathamala Philipose Cherian, a temporary Upper Division Clerk of Heavy Water Project (Tuticorin) to officiate as Assistant Personnel Officer in the same project in a temporary capacity, on ad hoc basis, w.e.f. 5-4-1980 (FN) to 5-5-1980 (AN) vice Shri G. Padmanabhan, Assistant Personnel Officer, appointed to officiate as Administrative Officer.

The 4th July 1980

Ref. 05000/R/1/OP/2967.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Pandarathil Padmanabhan Nambiar, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Assistant Accountant in Heavy Water Projects (Central Office), to officiate as Assistant Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from May 19, 1980 (FN) to June 21, 1980 (AN) vice Smt. M. M. Karnik, Assistant Accounts Officer, appointed to officiate as Accounts Officer II.

Ref. 05000/R/1/OP/2968.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Smt. Manik Mukund Karnik, a temporary Assistant Accounts Officer in Heavy Water Projects (Central Office) to officiate as Accounts Officer II in the same office, in a temporary capacity, on ad hoc basis from May 19, 1980 (FN) to June 21, 1980 (AN) vice Shri V. K. Potdar, Accounts Officer II, granted leave.

K. SANKARANARAYANAN  
Senior Administrative Officer

New Delhi, the 28th June 1980

No. A. 32014/2/80-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint the following Communication Assistants to the grade of Assistant Communication Officer on an ad hoc basis with effect from the date indicated against each and to post them at the station indicated against each :—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which posted	Date of taking over charge
1.	Shri S. K. Das	Aeronautical Commn. Station, Calcutta	Aeronautical Commn. Station, Calcutta	2-5-80 (FN)
2.	Shri P. Hari	Aeronautical Comm. Station, Coimbatore	Aeronautical Comm. Station, Madras	17-5-80 (FN)
3.	Shri C. John	Aeronautical Comm. Station, Madurai	C.A.T.C., Allahabad	12-5-80 (FN)

DEPARTMENT OF SPACE

INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION  
SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 24th June 1980

No. SAC/EST/ISCES/1479/80.—The Director, SAC, is pleased to accept the resignation from service of Shri N. H. Parikh, a temporary Engineer SB of this Centre with effect from the afternoon of June 24, 1980.

C. R. SHAH  
Admn. Officer-II (Est.)

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE  
ESTABLISHMENT SECTION

Trivandrum-695022, the 30th June 1980

No. VSSC/EST/F/1(17).—Consequent on the revision of scale of pay of the Assistant Officers in the Administrative categories of the Indian Space Research Organisation from Rs. 550—25—750—EB—30—900 to Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 from 1st January, 1980, vide OM No. 2/2(19)/77-I, dated 13-12-1979 issued by the Joint Secretary DOS, Sri C. K. Rajagopal, Assistant Purchase Officer, VSSC is placed in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—880—EB—40—960 with effect from 1st January, 1980.

P. A. KURIAN  
Admin. Officer-II (EST)  
for Controller, VSSC

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION  
OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th June 1980

No. A.32013/1/80-EC.—The President is pleased to appoint Shri L. R. Goyal, Assistant Technical Officer, Aeronautical Communication Station, Palam to the grade of Technical Officer on ad-hoc basis with effect from 1-5-80 (FN) vice Shri O. P. Chabra, Technical Officer Aeronautical Communication Station, Palam granted earned leave for 45 days and to post him at the same station.

The 1st July 1980

No. A. 32013/2/80.—The President has been pleased to transfer Shri V. Ramasubramanyam, Director of Communication (Planning) (ad-hoc) Civil Aviation Department to his substantive post of Director, Training & Licensing in the same department w.e.f. 24th May, 1980 (F.N.).

No. A.32013/2/80(i).—The President has been pleased to appoint Shri K. V. N. Murthy, Deputy Director of Communications, Civil Aviation Department, to the post of Director, Radio Construction & Development Units on an ad-hoc basis w.e.f. 23-5-1980, for a period of six month or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A. 32013/2/80(ii).—The President has been pleased to appoint Shri R. S. Goela, Deputy Director of Communication Civil Aviation Department to the post of Director of Communication (Planning) on an ad hoc basis for the period from 24-5-80 to 6-7-80.

V. V. JOHRI,  
Dy. Director of Administration

No. A. 32014/2/80-EC—Serial Number 1 of this Department Notification No. A. 32014/2/80-EC, dated 12-5-80 is substituted to read as under :—

S. No.	Name	Present station of posting	Station to which transferred	Date of taking over charge
1.	Shri V. R. Chabra	A.C.S., Palam	A.C.S., Palam	9-4-80

R. N. DAS  
Assistant Director of Administration

#### OVERSEAS COMMUNICATION SERVICE

Bombay, the 1st July 1980

No. 1/125/80-EST.—The Director General, Overseas Communications Service, hereby appoints Shri H. G. Kanakachalam, Supervisor, New Delhi as Deputy Traffic Manager, in an officiating capacity, in the same Branch, for the period from 9-7-79 to 23-7-79, against short-term vacancy, on *ad-hoc* basis.

No. 1/168/80-EST.—Shri Tejinder Singh Gambhir, temporary Assistant Engineer, Switching Complex, Bombay, was permitted to resign his appointment with effect from the afternoon of the 5th June, 1980.

No. 1/254/80-EST.—Shri F. Paaliath, Deputy Traffic Manager, Madras Branch, retired from service, with effect from the afternoon of 31st January, 1980, on attaining the age of superannuation.

P. K. G. NAYAR  
Director (Admn.)  
for Director General

#### VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM MAHAVIDYALAYA

Dehra Dun, the 5th July 1980

No. 16/362/80-Ests-I.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Shri Padam Sain, Accounts Officer of the Office of Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehra Dun, as Accounts

Officer, Forest Research Institute & Colleges, Dehra Dun, with effect from the afternoon of 3rd June, 1980.

R. N. MOHANTY,  
Kul Sachiv

#### COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

Patna, the 1st July 1980

C. No. II(7)2-ET/79/4171.—The following Officiating/Confirmed Group 'B' officers of this Collectorate have retired from service on superannuation with effect from the dates indicated against each :—

Sl. No.	Name	Designation	Date of superannuation
S/Shri			
1.	C. C. Dass Gupta	Administrative Officer	31-7-79 (AN)
2.	C. K. Prasad	Do.	(—Do.—)
3.	P. N. Das Sharma	Superintendent	30-9-79 (AN)
4.	Sudish Prasad	Superintendent	31-10-79 (AN)
5.	Harish Chandra Pd.	Superintendent	30-11-79 (AN)
6.	K. D. Ghosh Hazra	Superintendent	31-12-79 (AN)
7.	Md. Abuzar	Superintendent	31-1-80 (AN)
8.	Gagandeo Singh	Superintendent	31-1-80 (AN)
9.	G. S. Chakraborty	Superintendent	31-1-80 (AN)
10.	A. B. Bose	Superintendent	31-3-80 (AN)
11.	D. N. Verma	Superintendent	31-5-80 (AN)
12.	Prantosh Kr. Mitra	Superintendent	31-5-80 (AN)

R. K. THAWANI  
Collector  
Central Excise

Bombay, the 7th July 1980

No. 721/76-CX—Statement 1/1980-81.—In exercise of the powers conferred on me by sub-rule (1) of Rule 232 A of the Central Excise (Seventh Amendment) Rules, 1976 which came into force from 21-2-1976 it is declared that the names and addresses, and other particulars specified in sub-rule (2) of the persons who have been convicted by Court under Section 9 of the Central Excise & Salt Act, 1944, and persons on whom penalty of Rs. 10,000/- or more has been imposed by an officer referred to in Section 33 of the Act, are as follows :—

S. No.	Name of the Person	Address	The provisions of the Act contravened	The amount of penalty imposed
1	2	3	4	5
1.	Shri Vinubhai Budhabhai Patel, holding Central Excise Licence No. L5-1/73 of Jawahar, Dist. Thane, Maharashtra State.	L. 5 No. 1/73 at Post Jawahar, Dist. Thane Permanent address : At Post Zankaria, Taluka Anand, Dist. Kaire, Gujarat State.	The provisions of Sections 9(b), (bb), (bbb) & (c) of Central Excise & Salt Act, 1944.	The accused is convicted and awarded a sentence of fine of Rs. 2,000.00 (Rs. Two thousand only) or in default, three months R.I.

V. K. GUPTA  
Collector of Central Excise

#### DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 2nd July 1980

No. 21/80.—Shri M. M. Mathur lately posted as Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B', in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit,

Customs and Central Excise at New Delhi, on transfer to the North Regional Unit of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise at Ghaziabad Vide Directorate F. No. 1041/41/79, dated 22-5-80 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' on 4-6-80 (Forenoon) Vice Shri S. H. Hasan promoted to Group 'A' post and transferred to Headquarters Office.



No. 22/80.—Shri Y. P. Panghar, lately posted as Assistant Collector Central Excise Aurangabad on transfer to the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise, New Delhi Vide Department of Revenue Order No. 58/80 (F. No. A 22012/4/80-Ad. II (Pt. II) dated 9-5-80, assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'A' on 16-6-80 (F.N.).

The 4th July 1980

No. 24/80.—On his retirement on superannuation Shri S. N. Verma relinquished charge of the post of Inspecting Officer (Customs & Central Excise) Group 'B' in the Headquarters Office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi on 30-6-1980 (Afternoon).

K. L. REKHI  
Director of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT  
DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

Bombay-38, the 5th July 1980

No. 1-TR(1)/79.—The President is pleased to appoint Capt. P. C. Rai, as Nautical Officer on the Training Ship "Rajendra" on ad-hoc basis with effect from 1/5/1980 until further orders.

K. S. SIDHU  
Dy. Director General of Shipping

GODAVARI WATER DISPUTES TRIBUNAL

New Delhi-49, the 1st July 1980

No. 13(87)/75-GWDT.—Under order of the Godavari Water Disputes Tribunal, Sarvashri K. R. Mehndiratta and B. R. Palta relinquished charge as whole-time Assessors with effect from the afternoon of the 30th June, 1980.

By order of the Tribunal  
R. P. MARWAHA  
Secretary

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)  
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Singh Tractors Private Limited*

Jullundur City, the 30th June 1980

No. G/Stat/560/4284.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Singh Tractors Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

N. N. MAULIK  
Registrar of Companies  
Punjab, H.P. & Chandigarh

Cochin-682016, the 30th June 1980

ORDER

SUBJECT—Estt.—ITO Group B—Promotion and transfers—orders issue of—  
The following promotion and postings are hereby ordered :—

I. PROMOTION

C. No. 2/Estt/80-81.—Shri T. Ravindran, Inspector of Income-tax, I.T. Office, Cir-II, Calicut is hereby appointed to officiate as Income-tax Officer, Group-B in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the afternoon of 30th June 1980 or from the date he takes over charge, whichever is later, and until further orders. He will be on probation for a period of two years.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Ambica Film Exchange Private Limited*

Ahmedabad, the 2nd July 1980

No. 303/560.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Ambica Film Exchange Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

(Sd.) ILLEGIBLE  
Registrar of Companies  
Gujarat

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Supreme Steel Casting Private Limited*

Gwalior, the 3rd July 1980

No. 1029/Y/2730.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Supreme Steel Casting Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of  
M/s. Rupa Foams Manufacturing Company Private Limited*

Gwalior, the 3rd July 1980

No. 1090/Y/2731.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rupa Foams Manufacturing Company Private Limited, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

S. K. SAXENA  
Registrar of Companies  
Madhya Pradesh

INCOME TAX DEPARTMENT

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME TAX

Cochin-682016, the 27th June 1980

(INCOME-TAX)

C. No. 1(209)/GI/80-81.—In exercise of the powers conferred on me under sub-section (1) of Section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), I, the Commissioner of Income-tax, Kerala-II, Ernakulam, hereby create a new ward in the Income-tax Office, Thiruvalla. The Income-tax Officer posted to this Ward will be known as Income-tax Officer, C-Ward, Thiruvalla.

2. This order shall come into force with effect from the forenoon of 1st July, 1980.

B. J. CHACKO  
Commissioner of Income Tax  
Kerala-II

2. The above appointment is made on a purely temporary and provisional basis and is liable to termination at any time without notice. The appointment is also subject to the result of Original Petitions No. 4023 of 1978 and 263 of 1980-M filed before the High Court of Kerala and Civil Writ Petition No. 25/1979 filed before the Delhi High Court.

## II. POSTINGS AND TRANSFERS :

Sl. No.	Name	From	To	Remarks
1	2	3	4	5
1.	Shri P. J. Simon	ITO D-Ward, Cir-I, Calicut	T.R.O. Calicut	vice Shri K. K. Sukumaran retiring w.e.f. 30-6-80 A.N.
2.	Shri T. Ravindran	ITI (on promotion as ITO Gr. B)	I.T.O. D-Ward, Cir-I, Calicut.	vice Shri P. J. Simon.

3. If necessary Shri P. J. Simon may hand over the charge of ITO D-Ward to the ITO A-Ward/Senior most ITO in the Circle, as an interim measure.

M. S. UNNINAYAR  
Commissioner of Income-tax  
Kerala-I

## FORM ITNS ———

(1) Shri Pukhraj s/o Mishrimal (Attorney holder) of Smt. Sampat Kanwar, 10th Venkat Vidhya Street, Madras.

(Transferor)

(2) Shri S. Dhanraj s/o Champalal Shah c/o Champalal and Co., Champa Gali first floor Vithal Bari, Bombay-2.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTIN ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th July 1980

Ref. No. Rej/IAC(Acq.)/746.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 110 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 16-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storied building upon plot No. 110 Bakhat Sagar Scheme, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur vide registration No. 1734 dated 16-10-79.

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th July 1980

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/747.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 110 situated at Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jodhpur on 18-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Pukhraj s/o Mishrimal (Attorney holder) of Mahavir Chandra 10th Venket Vidhya Street, Madras.

(Transferor)

(2) Shri S. Satishkumar s/o Champalal Shah C/o Champalal & Co., Champa Gali 1st floor, Vithal Bari, Bombay-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storied building situated on plot No. 110 Bakhat Sagar Scheme, Jodhpur and more fully described in the sale deed registered by S. R. Jodhpur vide registration No. 1735 dated 18-10-79

M. L. CHAUHAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th July 1980

Ref No. Rej/IAC(Acq.)/748.—Whereas, I, M. L. CHAUHAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 23-D situated at Kota (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kota on 23-10-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
16—166GI/80

(1) Shri Kundanmal s/o Shri Ladharam Khatri, Rawat Bhatta c/o M/s. Bharat Kirana Store, Rawat Bhatta, Chittorgarh.

(Transferor)

(2) Shri Satyanarain, Radhakishan and Rajender Kumar, Sons of Shri Jugaldas c/o M/s. Jugaldas Nihalchand, Rawat Bhatta, Chittorgarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 23-D located at Alap Aiya Grah Nirman Yojna, Near Mandir Sri Sita Mata, Gumanpura, Kota and more fully described in the sale deed registered by S. R. Kota vide No. 1367 dated 23-10-79.

M. L. CHAUHAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 8-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
ROHTAK**

Rohtak, the 5th July 1980

Ref. No. GHL/6/79-80.—Whereas I, **G. S. GOPALA**, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 11 kanals 12 marlas situated at Vill. Asamanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ghuhlla in January, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating at the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amar Nath S/o Shri Daulat Ram  
Vill. Asamanpur Teh. Ghuhlla. (Transferor)
- (2) M/s. Garg Rice Mills, Dhand Road, Pehwa. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 11 kanals 12 marlas, situated at Village Asmanpur Teh. Ghuhlla and as more mentioned in the sale-deed registered at No. 2398 dated 16-1-1980 with the Sub-Registrar, Ghuhlla.

**G. S. GOPALA**  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th July 1980

Ref. No. JDR/7/79-80.—Whereas I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land measuring 9 kanals 2 marlas situated at Jagadhari (and more fully described in the Schedule annexed hereto has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) M/s Pirumal Charitable Trust  
Court Road, Jagadhari. (Transferor)
- (2) 1. S/Sh. Dharampal, Harbans Lal, C/o  
M/s Gurditta Bal Krishan Lal, Railway Road,  
Jagadhari.  
2. Sh. Ajit Lal C/o Hari Narain Metal Ind.  
Jagadhari.  
3. Tilakraj C/o Jagat Metal Works,  
Court Road, Jagadhari.  
4. Krishan Lal, C/o Krishan Lal, Janak Raj,  
Court Road, Jagadhari.  
5. Sawaran Kumar C/o Aggarwal & Co. BKO,  
Bilaspur, Teh. Jagadhari.  
6. Sat Pal C/o above. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being land measuring 9 kanals 2 marlas situated at Jagadhari and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3074 dated 4-10-1979 with the Sub-Registrar, Jagadhari.

G. S. GOPALA  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 5-7-1980  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-****SIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE, ROHTAK**

Rohtak, the 2nd July 1980

Ref. No. PNP/26/79-80.—Whereas, I, G. S. GOPALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3 bighas 6 biswas (3326 sq. yds) situated at Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in November, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Chander Kanta W/o Sh. Sultan Singh Shakti Service Station, G. T. Road, Panipat.  
(Transferor)
- (2) M/s Ithad Motor Transport Co. Pvt. Ltd, Flat No. 7 Gokhle Market, Near New Courts, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Property being land measuring 3 bighas 6 bishwas (3326 sq. yds.) situated at Panipat and as more mentioned in the sale deed registered at No. 3385 dated 9-11-1979 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 2-7-1980  
Seal :



## FORM ITNS

(1) Shri Basant Singh S/o Khajan Singh,  
Yamunanagar Teh. Jagadhari.

(Transferor)

(2) M/s Manco Engineering Corporation Yamunanagar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 5th July 1980

Ref. No. JDR/23/79-80.—Whereas, I,

G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the said Act)

have reason to believe that the immovable property having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
Plot No. E-17, situated at Industrial Area, Yamunanagar  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Jagadhari in February, 1980

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid  
property, and I have reason to believe that the fair market  
value of the property as aforesaid exceeds the apparent  
consideration therefor by more than fifteen per cent of  
such apparent consideration and that the consideration for  
such transfer as agreed to between the parties has not been  
truly stated in the said instrument of transfer with the  
object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of  
the said Act, shall have the same meaning  
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Property being plot No. 17-E situated at Industrial Area  
Yamunanagar and as more mentioned in the Sale-deed regis-  
tered at No. 5084 dated 8-2-1980 with the Sub Registrar,  
Jagadhari.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 2-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, ROHTAK

Rohtak, the 7th July 1980

Ref. No. PNP/39/79-80.—Whereas, I,

G. S. GOPALA,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot on Khasra No. 1108 measuring 353.1/3 sq. yds situated (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in February, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Pushpa Rani,
2. Sh. Jatinder Kumar, Sh. Yogesh Kumar, Raj Kumar, Vijay Kumar sons of Sh. Har Narain through
3. Sh. Har Narain S/o Laxmi Narain.
4. S/Sh. Ganga Ram, Janki Nath, Ss/o Tara Chand
5. S/Sh. Jagdish Kumar, Kidar Nath Ss/o Sh. Ganga Ram.
- Through Sh. Ganga Ram.
6. Shri Mangat Ram S/o Shri Lekha Ram
- R/o Panipat.

(Transferor)

- (2) Smt. Angoori Devi W/o Sh. Kapoori Lal Gupta
- R/o 185-B, Block, New Mandi, Sirsa.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property being plot measuring 353.1/3 sq. yds situated at Panipat and as more mentioned in the Sale-deed registered at No. 5878 dated 19-2-1980 with the Sub Registrar, Panipat.

G. S. GOPALA,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Rohtak

Date : 7-7-1980

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Iqbal Shareef W/o Sri Rahmatullah Shareef, H. No. 2-2-1108/3, Tilaknagar, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Mir Hussain Ali S/o Sri Mir Lutfe Ali Khan, R/o Bakaram, Musheerabad, Hyderabad-City.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 158/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. 1-4-760/1-A situated at Musheerabad, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M, No. 1-4-760/1-A at Musheerabad, Bakaram, Hyderabad, registered vide Document No. 5800/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
Hyderabad.

Date : 6-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 260D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC. No. 159/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Shops No. 1-2-43 to 46 Metpally-Kareemnagar-District (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Metpally on Oct 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Lingala Jagan Mohan Rao, S/o Ram Gopal Rao, R/o Koratla Metpally-Tq, Kareemnagar-Dist.  
(Transferor)
- (2) Sri Gontuka Laxmi Rajam S/o G. Garkaiiah, R/o Koratla Metpally-Tq, Kareemnagar-Dist.  
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shops Door No. 1-2-43, 44, 45, and 46 situated at Koratla, village Metpally-Tq, Kareemnagar-Dist. registered vide Doc. No. 1137/79 in the office of the Sub-Registrar Metpally.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-6-1980.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE,**  
**HYDRABAD**

Hyderabad, the 6th June 1980

- (1) Sri Vooturi Purshotham S/o Buchi Malliah, R/o Wanjarwada, Jagtial, Karcemnagar-Dist.  
 (Transferor)
- (2) 1. Sri Ennakula Shankariah, S/o Lingiah,  
 2. Sri Ennakula Jaya, W/o Shankariah,  
 R/o Allipur, (4-6-102,) Jagtial-Tq, Karcemnagar Dist.  
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. RAC. No. 160/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4-6-102 situated at Jagtial Town Jagtial (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagtial on Oct-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

**THE SCHEDULE**

House No. 4-6-102/ (New No. 4-7-89) at Clock tower in Jagtial-town Karcemnagar-Dist., registered vide Document No. 3338/79 in the office of the Sub-Registrar Jagtial.

S. GOVINDARAJAN,  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range,  
 Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
 17—166G1/80

Date : 6-6-1980,  
 Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD**

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref No. RAC. No. 161/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Flat No. 203 situated at Kala Mansion S. D. Road, Sec-bad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad, on Oct-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

- (1) 1. M/s. Uma Karan & Tejkarar, Represented by Sri Tej Karan, 8-2-547 Banjara Hills, Hyderabad.  
2. Sri Raja Ramkran, Dhararam Mansions Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

- (2) Mrs. Girija Chandra Mohan, W/o Sri P. K. Chandra Mohan. H. No. 10-1-599 East Nehru Nagar, Secunderabad, 26.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat No. 203, 1st floor Block No. 1 (750 Sq. ft) Kala Mansion at S. D. Road, Secunderabad, registered vide Doc. No. 2551/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-6-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 162/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land Plot No. 1 situated at S. No. 157/5 Thokata-Villg. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Secunderabad on Oct-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Kodali Kutumba Rao, H. No. 134/2, South Lalaguda, Secunderabad.
2. Sri Kodali Chakradhara Ramaseshaiah, R/o Nash Villa, Tennessee State, U.S.A.,
3. Sri Kodali Raja Rao, —do—  
No. 2 and 3 being represented by S. No. 1.  
(Transferor)

- (2) The Sri Balaji Co-operative Housing Society, Ltd.,  
H. No. 39—Sarojini Devi Road, Secunderabad.  
(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this Notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. 1 in survey No. 157/5 situated at Thokata-Village, Secunderabad, admeasuring 4.25 Acs., registered vide Doc. No. 2546/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 163/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land Plot 2 situated at S. No. 157/5 Thokata Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Oct-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957) ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1. S/Shri Kodali Kutumba Rao, H. No. 134/2, South Lallaguda Secunderabad,  
2. K. Chakradhara Ramaseshaiah,  
3. K. Raja Rao, both at U.S.A., No. 2 and 3 being represented by Sri K. Kutumba Rao,  
(Transferor)

(2) Sri Balaji Co-operative Housing Society, Ltd., 39-Sarojini Devi Road, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land Plot. No. 2 in S. No. 157/5 at Thokata, village Secunderabad, admeasuring 40 Gunta, registered vide Document No. 2548/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-6-1980.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No R.A.C. 164/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1 and Plot 5 situated at Thokatta-Villg Secunderabad. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on Oct 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) 1. Smt. Kodali Suseelamma, W/o late K. Venkataratnam, R/o Akkiredygudem. Villg. Nuzwid-Tq, Krshna-Dist.

2. K. Sivarama Prasad both being represented by Sri K. Kutumba Rao, H. No. 134/2 South-Lalaguda, Village, Secunderabad.

(Transferor)

(2) Sri Balaji Co-operative Housing Society, Ltd., H. No. 39-S. D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land Plot No. 5 in Survey No. 157/5, at Thokatta Village, Secunderabad, admeasuring 1.1/2 Acre, registered vide Document No. 2547/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-6-1980

Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD**

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC, No. 165/80-81.—Whereas, I,  
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 125 & 128,

situated at 1-1-711/C Bakaram, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. V. Usha Reddy, W/o V. Sukender Reddy, 1-1-711/C at Gandhinagar, Bakaram, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. N. Amita W/o N. Suresh Reddy, R/o Near Sports Club, Domalguda, Hyderabad. (Plot No. 125, 128 in M. No. 1-1-711/C at Gandhinagar, Bakaram, Hyderabad).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Portion of Plot No. 125 and 128 in M. No. 1-1-711/C, Gandhinagar Bakaram, Hyderabad, registered vide Doc. No. 6292/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-6-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 166/80-81.—Whereas, I,

S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5, situated at Gaganmahal, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Oct. 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) 1. Shri Satyavarith Arya, 2. Vijay Kumar Arya, both at 1-10 Shivajinagar, BHIR-431122.  
(Transferor)  
(2) Sri Y. Sanjeev Reddy, 3-6-469/1 Hardikar Bagh, Himayatnagar, Hyderabad-29.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Part of plot No. 5 situated at Gaganmahal—Domalguda, Hyderabad, registered vide Document No. 6251/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 167/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Flat No. B-I/F8, situated at Chirag Ali Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Indulal J. Parekh, S/o Shri Jayantilal,  
2. Smt. Bhanumati I. Parekh W/o Shri Indulal J. Parekh, R/o 4-1-581 A-6 Troop Bazar, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Shri Durgadas S/o Shri Thakurdas,  
4-1-436/C/A Hira Bill Bldg., King Kothi, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Flat No. B1/F8 forming part of M. No. 5-8-512 to 517 C Fourth floor at Chirag Ali Lane, Hyderabad, registered vide Document No. 5885/79 in the office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-6-1980.  
Seal :

**FORM ITNS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 168/80-81.—Whereas, I,  
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-9-22/42/9, situated at 3rd floor Adarshnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri V. Rajeshwar Rao, 8-2-350/5A, Banjara Hills, Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) Sri T. Rangaiah Chowdary, 5-9-22/42/9 at 3rd floor of Adarshnagar, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days from the date of publication of this notice** the service of notice on the respective persons, the service of notice on the respective persons. **whichever period expires later;**
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Flat on the 3rd floor of 5-9-22/42/9 at Adarshnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 6265/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.Date : 6-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

(1) Sri Krishna Construction Co., 5-8-612 at Abid Road, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. G. Venkat Rao, 16-2-705/8/2 Akbar Bagh, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 169/80-81.—Whereas, I,  
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-938/R-6 to R20 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Oct 79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the Acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

A Hall in premises No. 4-938/R-6 to R-20 at Tilak Road, Hyderabad registered vide Document No. 5956 '79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 6-6-1980.

Seal :

## FORM ITNS

(1) Smt. Ashalata W/o Laxhminarayan, H. No. 289-Lad Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Sultan Jahan Begum, Alias Sultana, H. No. 5-9-161/B Chapal Road, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABADObjections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 170/80-81.—Whereas, I,  
S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
**Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)** hereinafter referred to  
as the 'said Act), have reason to believe that the immov-  
able property having a fair market value exceeding Rs.  
25,000/- and bearing No.

5-9-29/A situated at Basheerbagh Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at  
Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
**market value of the aforesaid property and I have reason to**  
**believe that the fair market value of the property as aforesaid**  
**exceeds the apparent consideration therefor by more than**  
**fifteen per cent of such apparent consideration and that the**  
**consideration for such transfer as agreed to between the**  
**parties has not been truly stated in the said instrument of**  
**transfer with the object of :—**

(a) **facilitating the reduction or evasion of the liability**  
**of the transferor to pay tax under the said Act,**  
**in respect of any income arising from the transfer;**  
**and/or**

(b) **facilitating the concealment of any income of any**  
**moneys or other assets which have not been or**  
**which ought to be disclosed by the transferee for the**  
**purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11**  
**of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,**  
**1957 (27 of 1957);**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
**section (1) of Section 269D of the said Act, to the following**  
persons, namely :—

(a) **by any of the aforesaid persons within a period**  
**of 45 days from the date of publication of this**  
**notice in the Official Gazette of a period of 30**  
**days from the service of notice on the respective**  
**persons, whichever period expires later;**

(b) **by any other person interested in the said**  
**immovable property, within 45 days from the**  
**date of the publication of this notice in the Official**  
**Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Double storeyed Building M. No. 5-9-29/A at Basheer Bagh,  
Hyderabad, registered vide Document No. 6340/79 in the  
office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-6-1980.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri B. V. Suresh, 5-8-52 Nampally Station Road, Hyderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Eshwar Chand Bahati, H. No. 3-3-744 at Esamia Bazar, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 171/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-4-579/3/2, situated at Barakatpura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House M. No. 3-4-759/3/2 at Barkatpura, Hyderabad registered vide Document No. 6164/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-6-1980.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 172/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 3-6-148/1 situated at Himayatnagar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad on Oct-79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Sri R. Jaganath Reddy, R/o Komavaram-Tq. Medak-Dist.  
(Transferor)
- (2) Sri D. Bashiah, 5-2-778 at Risala Abdulla Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot in M. No. 3-6-148/1 at Himayatnagar, Hyderabad, registered vide Document No. 6660/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6 6 1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 173/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 167 situated at Tilak Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. D. M. Kamala Baiamm, H. No. 2-2-1164/15/2 Tilaknagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Suguna Das, 11-6-174-Public Garden Road, Nampally, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

1/2 of the plot No. 16 on Survey No. 428, 429 at Tilak Nagar, Amberpet, Hyderabad, registered vide Doc. No. 6703/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 6-6-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 6th June 1980

Ref. No. RAC No. 174/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-9-299 situated at Gunfoundry, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October, 1979

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri Velji Bhan, 44 Zuba Cross land, Andheli, West-Bombay,

(Transferor)

(2) Swastik Enterprises, 5-9-299-Gunfoundry Hyderabad,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land admeasuring 2509 Sq. Mts. in M. No. 5-9-299 at Gunfoundry, Hyderabad, registered vide Document No. 6492/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad

Date : 6-6-1980,

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th June 1980

No. A.F. No. 1049.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 58-6-5 situated at Santhapeta, Ongole

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Ongole on October, '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kanchumarthi Sethakoti Meenakshamma, W/o Natashinharao, Lingampalli, Hyderabad.  
(Transferor)

- (2) (i) S/Shri Katuri Venkata Narayana Babu, (ii) Katuri Narayana Pratap, S/o Narayanaswamy, Katemvaripanam, Podili Tq.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 2935 dated October, '79 registered before the S.R.O. Ongole.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-6-80.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Kolluri Venkataratnam, S/o Narasimhan,  
Guntur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD(2) Smt. Vemulapalli Ramanamma W/o Seetharamai-  
ah. PENUMUDI, Repalle Tq.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 12th June 1980

No. A.F. No. 1050.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 3-14-98 situated at Pattaphipuram Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on October '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 5630/79 dated October, '79 registered before the S.R.O. Guntur.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :  
19—166GI/80

Date : 12-6-80.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Pimisetti Raghava Rao, S/o Tatabbai, Karri-  
vari Street, Kondayypalem, Kakinada.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Golagabattula Viswanadha Nehru, S/o Veera-  
ghavulu, Kamaladevi Street, Kakinada.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th June 1980

No. A.F. No. 1051.—Whereas, I S. GOVINDARAJAN  
being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-  
red to as the 'said Act') have reason to believe that the  
immovable property having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. . . situated at Karrivaristreet, Kakinada  
(and more fully described in the Schedule annexed thereto)  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at Kakinada on October '79  
for an apparent consideration  
which is less than the fair market value  
of the aforesaid property, and I have reason to believe that  
the fair market value of the property as aforesaid exceeds  
the apparent consideration therefor by more than fifteen  
per cent of such apparent consideration and that the con-  
sideration for such transfer as agreed to between the parties  
has not been truly stated in the said instrument of transfer  
with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30  
days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of  
the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered docu-  
ment No. 7604 dated October, '79 registered before the  
S.R.O.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-6-80.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Kadiyala Suryaprakasamma, Penumanchili.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Konapalli Muralikrishna, Kodamanchilli, Narasapur Tq.  
(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th June 1980

No. A.F. No. 1052.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No.——situated at Kodamanchili Narasapur Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Achanta on October '79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 1448 dated October '79 registered before the S.R.O. ACHANTA.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-80.  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Vaddi Venkata Ratnam, W/o Ramarao, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Annu Bala Rami Reddy, S/o Ramana Reddy, D. No. 11-6-3, Narasaraopet, Guntur District.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th June 1980

No. A.F. No. 1053.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11-6-3 situated at Narasaraopet (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Narasaraopet on October, '79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuant of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule of the property as per the registered document No. 4872/79 dated October '79 registered before the S.R.O. Narasaraopet.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 12-6-80.

Seal :



FORM ITNS—

(1) The Vizag Timber Yard—Represented by Parter  
Shri A. Shankara Rao, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD(2) M/s. Dhannajaya Hotels Pvt. Ltd., Rep. by Man-  
aging Director: Sri Ramalinga Raju, 5-9-12, Saif-  
abad, Secretariat Road, Hyderabad-500004.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 12th June 1980

Ref. No 1054.—Whereas, J. S. GOVINDARAJAN  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 10-4-20 situated at Waltair Ward, Vizag  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer

at Visakhapatnam on October '79

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
**45 days from the date of publication of this notice**  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
**the service of notice on the respective persons,**  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
**publication of this notice in the Official Gazette.**

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
money or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

The schedule of the property is as per the Registered Docu-  
ment No. 7816/79 registered before the S.R.O. Visakhapatnam  
During the Fortnight ended 15-10-79.

S. GOVINDARAJAN,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Date : 12-6-80.  
Seal :

**FORM ITNS**

(1) M/s Bommidala Purnaiah, Guntur.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) M/s Hommidala Bros Ltd, Guntur.

(Transferee)

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Hyderabad, the 12th June 1980

A.F. No. 1055.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. S. No. 616/A2 situated at Medarametla village Prakasam district.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Addanki on October' 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

**EXPLANATION :—**The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

**THE SCHEDULE**

The schedule of the property as per the registered document No. 2262/79 dated October, 1979 registered before the S.R.O. Addanki.

**S. GOVINDARAJAN**  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 175/80-81.—Whereas, I, S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land S. No. 44/1 situated at Miyapur village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad-West on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri K. Gyaneswar Rao,
2. Sri M. V. Subba Rao,
3. Sri K. Seetiah Gupta,
4. Smt. Aecisimia Kemal,
5. B. Raghuvveriah,
6. B. Ramachander Rao,
7. B. Gnaneswara Rao, being G.P.A. B. Ramchander Rao,
8. M/s Lakshmi Enterprises,
9. M/s Matrusri Enterprises, Represented by its Managing Director Sri M. Suryanarayana Rao, R/o Barkatpura, Hyderabad.

(Transferors)

- (2) Matrusri Co-operative House Building Society, Ltd. T.B.C. No. 194-D-104, 1st floor Matrusri Apartments, Hyderguda, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land bearing M. No. 44/1 to the extent of 130 Acs. situated at Miyaanpur Village, Hyderabad-West-Tq, registered vide Document No. 2530/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-West.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dr. H. Syed Ali, S/o late Janab Syed Hussain,  
International Cancer Centre, Heyyabor, Tamilnadu.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 176/80-81.—Whereas, I,  
S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under Section  
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)  
(hereinafter referred to as the 'said Act'),  
have reason to believe that the immovable property, having  
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing  
No. Land 1830 sq. yds. situated at Old Malakpet, Hyderabad  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the Office of the Registering Officer  
at Hyderabad on October 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or  
any moneys or other assets which have not  
been or which ought to be disclosed by the  
transferee for the purposes of the Indian Income-tax  
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the  
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons :—

(2) Dr. Mrs. Khatija, W/o Dr. A. M. Hisar Syed,  
No. 7987, Hollywoodway, "Sun Valley", California,  
91352, U.S.A.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-  
in as are defined in Chapter XXA of the  
said Act, shall have the same meaning as  
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that land with compound wall and a servant room  
admeasuring 1830 sq. yds. situated at Old Malakpet, (Chen-  
chalguda) Hyderabad, registered vide Document No. 5925/  
79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1980.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Hussaini Begum, W/o late Mohd Khasim Saheb,  
H. No. 17-7-665, Dabecrupura, Hyderabad.

(Transferor)

(2) S/Sri 1. Bhavabuti Bhai Nani, Bhai Patel,  
2. Bhupendrabhai Manibhai Patel,  
3. Smt. Pushpaben Mahenderbhai Patel,  
4. Suryakant Gordhanbhai Patel,  
5. Raojibhai Tolshibhai Patel,  
all residing at H. No. 1-34 Shamshabad, Hyderabad-Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are  
defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in survey No. 6 admeasuring 14 Acres  
28 Guntas, situated at Shamshabad, Rangareddy-Dist., re-  
gistered vide Document No. 2332/79 in the office of the  
Sub-Registrar Hyderabad-West.S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1980.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-  
MISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 177/80-81.—Whereas I,  
S. GOVINDARAJAN,being the Competent Authority under Section 269B of  
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter  
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearingNo. Land S. No. 6 situated at Shamshabad, Rangareddy-Dist.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the Office of the Registering Officer at  
Hyderabad-West on October 1979for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as  
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1937  
(27 of 1937);Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

20—166GI/80

## FORM ITNS—

(1) Sri B. Vijayender Reddy, R/o Bowenpally, Contonment Secunderabad.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 178/80-81—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Land S. No. 10/1 situated at Seetharampur-Village Bowenpally, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on October 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) The Padmashali Cooperative House Building Society, Ltd., H. No. 1-4-27/71 at Bholakpur, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land admeasuring 7260 Sq. Yds in survey No. 10/1 situated at Seetharampur-Village, Bowenpally, Secunderabad, registered vide Document No. 2495/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 179/80-81.—Whereas I,  
S. GOVINDARAJAN,  
being the Competent Authority under section 269B  
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter re-  
ferred to as the 'said Act'), have reason to believe that the  
immovable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
Land S. No. 10/1 situated at Seetharampur-Village  
Bowenpally,  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred as per deed registered under the Indian  
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the  
Registering Officer  
at Secunderabad on October 1979  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section  
(1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

- (1) Sri B. Vijayender Reddy, S/o late Dr. B. Pulla  
Reddy, R/o Bowenpally, Contonmen., Secundera-  
bad.  
(Transferor)
- (2) The Padmashali Co-operative House Building  
Society, Ltd. 1-4-27/71 Bholakpur, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property, within 45 days from the date  
of the publication of this notice in the Official  
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agricultural land in survey No. 10/1 situated at Seetha-  
rampur-Village Secunderabad, registered vide Doc. No. 2394/  
79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 180/80-81.—Whereas I,

S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 10/1 situated at Seethurampur Village Bowenpally,

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri B. Vijayender Reddy, S/o Dr. B. Pulla-Reddy, R/o Bowenpally-Contonment, Secunderabad.  
(Transferor)
- (2) M/s The Padmashali Cooperative House Building Society, Ltd., 1-4-27/71 at Bholakpur, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture land 7260 Sq. Yds. in Seethurampur-Village survey No. 10/1, Bowenpally, Contonment, Secunderabad, registered vide Document No. 2486/79 in the office of the Sub-Registrar Secunderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1980.  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 181/80-81.—Whereas I,  
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land S. No. 101/3 situated at Miyapur-Village Hyderabad-West.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sri K. Narayan Rao,  
S/o late Nagaiah,  
and others C/o Ravindra Hotel, at Troop Bazar,  
Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. V. V. K. Prasad Rao,  
S/o R. Rama Rao,  
R/o Pasivedla, Village, Kouvur-Tq,  
West-Godawari. Distt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land in survey No. 101/3 situated at Miyapur-Village, West-Tq, Rangareddy-Dist., registered vide Document No 5828/79 in the office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1980,  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 182/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-75 situated at Chaitanpuri, Kothapet, Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Hyderabad-East on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri V. Shyamala Rao,  
H. No. 3-6-750 at Himayatnagar Hyderabad.  
(Transferor)
- (2) M/s Gayatri Electronics,  
Represented by Proprietor,  
Sri T. Chandramowli, H. No. 414,  
Agapura, Hyderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Building No. 5-75 situated at Chaitanyapuri, Kothapet, Village Hyderabad-East, registered vide Document No. 9973/79 in the office of the Sub-Registrar Hyderabad-East.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Om Prakash Sarada, 21-3-146,  
Tagarika Naka, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. K. Dropati Bai, W/o Sri Ramswaroop,  
14-2-398/8 Razzakpura,  
Goshamahal, Hyderabad.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 183/80-81.—Whereas I,  
S. GOVINDARAJAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred  
to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-  
movable property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing

No. 5-5-57/10 situated at Kattalmandi, Goshamahal, Hyd.  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred as per deed registered under the Regis-  
tration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register-  
ing Officer at Hyderabad on October 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer,  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period  
of 45 days from the date of publication of this  
notice in the Official Gazette or a period of  
30 days from the service of notice on the respective  
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable  
property, within 45 days from the date of publica-  
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said  
Act, shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. 5-5-57/10, at Kattalmandi, Goshamahal,  
Hyderabad, registered vide Document No. 6178/79 in the  
office of the Joint Sub-Registrar Hyderabad.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE,  
HYDERABAD.

Hyderabad, the 13th June 1980

Ref. No. RAC. No. 184/80-81.—Whereas I, S. GOVINDARAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-151, situated at Kapera, Medchal-Tq. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Medchal on October 1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Lt. Col. Niranjan Singh,  
S/o S. Hazara Singh,  
H. No. 52/1 at Lullanagar, Pune-1.  
(Transferor)
- (2) 1. Herbert Sampson Samuel,  
2. Edma Samuel,  
both at H. No. 91-Lallaguda, Secunderabad.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-151 (G.P.No. 5-63) plot No. B-151, area 573 Sq. Yds. survey No. 601, at Kapra, Village, Medchal-Tq., Rangareddy-Distt., registered vide Document No. 2185/79 in the office of the Sub-Registrar Medchal.

S. GOVINDARAJAN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 13-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Nagendra Nath Chattapadhaya.

(Transferor)

(2) Shri Dulal Ch. Roy &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 12th May 1980

Ref. No. AC-7/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23, situated at Acharya Prafullaya Ch. Avenue, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
21—166GI/80

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2 K. with building situated at 23, Acharya Prafulla Chandra Avenue under P.S. Dum Dum. More particularly described in deed No. 1095.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 12-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Nirmal Chandra Dutta,  
40A, Karaya Road, Calcutta-17.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. ASAPCA (India) Pvt. Ltd.,  
97/3, Naskarpara Road, Ghosuri,  
Dt. Howrah.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV  
CALCUTTA

Calcutta, the 21st May 1980

Ref. No. AC-15/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I,  
I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing No.

Plot No. 40, situated at P. S. Jhargram Dt. Midnapur  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908), in the office of the Registering Officer at  
Jhargram on 30-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen percent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the Said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or which  
ought to be disclosed by the transferee for the pur-  
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of  
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957  
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act  
shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 6-Bighas, 11-  
Cottahs land with building situated at Plot No. 40, Mouza  
Khash jungle No. 249, P.S. Jhargram, Dt. Midnapur, more  
particularly as per deed No. 5607 of 1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 21-5-1980  
Seal :

FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV,  
CALCUTTA

Calcutta, the 21st May 1980

Ref. No. Ac-16/R-IV/Cal/80-81.— Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

97, situated at Bejoy Krishna Street, Uttarpara (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 15-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 296-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following person, namely :—

- (1) Sri Indu Bhusan Banerjee,  
36/3, Jatin Das Road, Calcutta. (Transferor)
- (2) S/Shri Swapn Kumar Banerjee,  
Samir Kumar Banerjee and  
Anjan Kumar Banerjee,  
All of 98, Bejoy Krishna Street, Uttarpara. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 11-Cottahs with building situated at 97, Bejoy Krishna Street, Uttarpara, Dt. Hooghly, more particularly as per deed No. 5417 of 1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax.  
Acquisition Range-IV, Calcutta

Date : 21-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

## OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1980

Ref. No. 698/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I.

I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

2, situated at Synagogue Street, Calcutta

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Madan Mohan Dutta,

(Transferor)

(2) Shri Sumit Kumar Daw (Minor).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in land of area 4 cottahs 7 chittacks 15 sq. ft. together with structures thereon situated at 2, Synagogue Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 26-5-1980

Seal :



FORM ITNS—

(1) Shri Madan Mohan Dutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Anjan Kumar Daw.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-III  
CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1980

Ref. No. 699/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I.

I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at Synagogue Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 26-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in land of area 4 cottahs 7 chittacks 15 sq. ft. together with structures thereon situated at 2, Synagogue Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Calcutta

Date : 26-5-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Madan Mohan Dutta. (Transferor)  
 (2) Shri Shyamal Kumar Daw. (Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

## ACQUISITION RANGE-II,

## CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1980

Ref. No. 700/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at Synagogue Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in land of area 4 cottahs 7 chittacks 15 sq. ft. together with structures thereon situated at 2, Synagogue Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
 Competent Authority,  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
 Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 26-5-1980  
 Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Madan Mohan Dutta,

(Transferor)

(2) Shri Sanjoy Kumar Daw.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,

CALCUTTA

Calcutta, the 26th May 1980

Ref. No. 701/Acq.R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2, situated at Synagogue Street, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 26-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided 1/4th share in land of area 4 cottahs 7 chittacks 15 sq. ft. together with structures thereon situated at 2, Synagogue Street, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Date : 26-5-1980

Seal :

**FORM ITNS**

(1) Sri Krishna Chandra Seal.

(Transferor)

(2) Sri Ashim Kr. Basu &amp; Others.

(Transferee)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 of 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA**

Calcutta, the 6th June 1980

Ref. No. Ac-8/R-II/Cal/80-81.—Whereas I,  
I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

154, situated at Bangur Avenue (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 12-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Land measuring 3Ks. 8Chs. 31sft. situated at premises No. P-154, Bangur Avenue, Block "A", Calcutta-55, under P. S. Lake Town, more particularly described in Deed No. 5516.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Calcutta

Date: 6-6-1980  
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Dibakar Mitra,

(Transferor)

(2) Smt. Anjali Nag.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME TAX  
ACQUISITION RANGE-II,  
CALCUTTA

Calcutta, the 6th June 1980

Ref No. Ac-9/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I,

I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

221/6/252 situated at Banamali Naskar Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 19-10-79,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or;

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

22—166GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 5Ls. 13Chs. 15sft. situated at 221/6/252 Banamali Naskar Rd. under P.S. Behala. More particularly described in Deed No. 5495.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-II, Calcutta.

Date: 6-6-1980

Seal :

## FORM ITNS—

(1) Sri Chittaranjan Goswami.

(Transferor)

(2) Sri Kanai Lal Kundu &amp; Ors.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II,

CALCUTTA

Calcutta, the 10th June 1980

Ref. No. Ac-10/R-II/Cal/80-81.—Whereas, I.

I. V. S. JUNEJA,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

21, situated at Adhar Chandra Das Lane

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 15-10-79

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Land measuring 2108.59-sq. ft. situated at 21, Adhar Chandra Das Lane, Calcutta under P.S. Ultadanga. More particularly described in deed No. 5406.

I. V. S. JUNEJA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range-II, Calcutta.

Date : 10-6-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th June 1980

Ref. Ac-17/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 215, situated at Anchal Road, Jalpaiguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalpaiguri on 15-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Janki Debi,  
W/o Motilal Gupta,  
Siliguri Alupatti,  
P.S. Siliguri, Dt. Darjeeling.

(Transferor)

(2) Sri Deo Chand Bhansali  
C/o M/s Friends Timber Department,  
Sevoke Road, Siliguri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by an other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 33 decs. situated at Mouza Debgram Dt. Jalpaiguri, more particularly as per deed No. 2964 of 1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date: 10-6-1980  
Seal:

## FORM ITNS—

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA**

Calcutta, the 10th June 1980

Ref. No. Ac-18/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 215, situated at Anchal Road, Jalpaiguri (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalpaiguri on 15-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Radhika Devi  
W/o Shyam Sunder Gupta,  
Alupatti, P.S. Siliguri,  
Dt. Darjeeling.

(Transferor)

- (2) Sri Deochand Bhansali,  
C/o, Friends Timber Dep't.,  
Sevoke Road, Siliguri.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

All that piece and parcel of land measuring 33 dees, situated at Mouza Debgram, Dt. Jalpaiguri, more particularly as per deed No. 2963 of 1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 10-6-1980  
Seal :



## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-IV, CALCUTTA

Calcutta, the 10th June 1980

Ref. No. Ac-19/R-IV/Cal/80-81.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 5, situated at P.S. Jhargram, Dt. Midnapur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jhargram on 18-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nirmala Devi,  
W/o, Ram Krishna Bandopadhyaya  
Vill. Parulia, P.S. Debrajpur,  
Dt. Birbhum.

(Transferor)

(2) Sri Amaresh Ch. Bhattacharjee,  
Nutandihi, Jhargram,  
Dt. Midnapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 20-dec. with building situated at P.S. Jhargram, Mouza Nutandihi, Dt. Midnapur, more particularly as per deed No. 5577 of 1979.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-IV,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 10-6-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 16th June 1980

Ref. No. 507/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 518 B situated at Jodhpur Park, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of : —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Sri Sukhamoy Chakraborty. (Transferor)  
(2) Smt. Minakshi Chanda. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that two storeyed building containing a land area of 2 cottahs 2½ chatacks situated at 518 B, Jodhpur Park, Calcutta.

I. V. S. JUNEJA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 16-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

- (1) M/s. Aikyanir Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferor)  
(2) Smt. Dhawitri Devi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th June 1980

Ref. No. 710/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4 situated at Beltala Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided one-fourth share in the recast land admeasuring 3 cottahs 1 chittack 39 sq. ft. being portion of premises No. 4, Beltala Road, Calcutta.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 26-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) M/s. Aikyanir Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Runa Chatterjee.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th June 1980

Ref. No. 709 Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at Beltala Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided one-fourth share in the recast land admeasuring 3 cottahs 1 chittack 39 sq. ft. being portion of premises No. 4, Beltala Road, Calcutta.

K. SINHA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016

Date : 26-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

- (1) M/s. Aikyanir Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferor)
- (2) Smt. Ratna Benerjee.  
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th June 1980

Ref. No. 708/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at Beltala Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 16-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

23—166G1/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

All that undivided one-fourth share in the recast land admeasuring 3 cottahs 1 chittack 39 sq. ft. being portion of premises No. 4, Beltala Road, Calcutta,

K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 26-6-1980,

Seal ;

## FORM ITNS—

(1) M/s. Alkyanir Co-operative Housing Society Ltd.  
(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 26th June 1980

Ref. No. 707/Acq. R-III/80-81/Cal.—Whereas, I, K. SINHA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4 situated at Beltala Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 16-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) Smt. Ranjana Chatterjee,  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that undivided one-fourth share in the recast land admeasuring 3 cottahs 1 chittack 39 sq. ft. being portion of premises No. 4, Beltala Road, Calcutta.

K. SINHA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-III,  
54 Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-700016.

Date : 26-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th May 1980

No. AR-II/2891-19/Nov.79.—Whereas, I, A. H. Tejale, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Old S. No. 177 (pt.), Plot No. 13 Daulat Nagar, Borivili situated at Eksar Village (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 26-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- |   |              |
|---|--------------|
| (1) Shri Maganlal Sunderji              | (Transferor) |
| (2) Shri Jayaben Waghji Shah            | (Transferee) |
| (3) <i>Names of Tenants</i>             |              |
| 1. Maneklal Eshwarlal Shah              |              |
| 2. Jayantilal Kochharabhai              |              |
| 3. Rajendra Kumar Kesarimal Salgya      |              |
| 4. Premilaben Jayantilal                |              |
| 5. Amritlal Dhanjibhai                  |              |
| 6. Vijayaben Gaurishankar               |              |
| 7. Vinay Jaindas Vera                   |              |
| 8. Pravinohandra Nandlal Parekh         |              |
| 9. Chandravadan Hiralal Dholakia        |              |
| 10. Eiralal Baichand Dholakia           |              |
| 11. Champaklal Chhotalal Kapadia        |              |
| 12. Shantilal Abashankar Pandya         |              |
| 13. Himmatlal Chonilal Shah             |              |
| 14. Kanakrai Chootalal Gopani           |              |
| 15. Ramaben Mastfitalal                 |              |
| 16. Garage—Jayantilal Kacharabhai.      |              |
| (Person in occupation of the property). |              |

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-937/79 and registered with the sub-registrar, Bombay as on 26-11-1979.

A. H. TEJALE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-II, Bombay

Date 15-5-1980  
Sent :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY

Bombay, the 28th June 1980

Ref. No. AR-I/4288-6/Nov.79.—Whereas, I, P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. New Survey No. 984, C. S. No. 112(Pt.) situated at Fort (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 19-11-1979 Document No. Bom./180/73 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Jehangir B. Jeejabhay Homai Jehangir Jeejabhoy  
(Transferor)
- (2) M/s. Abbay Builders Pvt. Ltd.  
(Transferee)
- (3) 1. Shri S. D'Souza (Mahendra Cleaners)  
2. Shri Narayan R. Rane  
3. Shri Hassan Hussein  
4. Vijay Trading & Mfg. Co.  
5. Shri Asparadia T. Iranl  
6. Shri Fardoon N. Marshall  
7. Allied Offices Services Institute  
8. Shri Y. C. Dadhawala  
(Persons in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 180/73 and registered on 19-11-1979 with the sub-registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range I, Bombay

Date : 28-6-1980  
Seal :



Form I.T.N.S. \_\_\_\_\_

- (1) 1. Navin Kasturilal Sahani  
2. Smt. Seema Navin Sahani

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) 1. Shri Mohamed Yakub Rajmohamed Shipra  
2. Moosa Gulam Rasul  
3. Abdula Ebrahim.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-  
SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BOMBAY

Bombay, the 30th June 1980

Ref. No. AR-I/AP.319/80-81.—Whereas, I, P. L.  
ROONGTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
and bearing

property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
No. 25, 27, Bora Cross Lane, C.S. No. 206 situated at Colaba  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of  
1908) in the office of the Registering Officer  
at Bombay on 19-11-1977

Document No. 826/77 (Bombay)

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said Act  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 826/77  
Bom. and registered on 19-11-1977 with the Sub-registrar,  
Bombay.

P. L. ROONGTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I, Bombay

Date : 30-6-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE I

Bombay, the 30th June 1980

Ref. No. AR-I/AP 317/80-81.—Whereas, J. P. L. ROONGTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 477/6 situated at Sion (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 19-11-1979

Document No. 858/71 (Bom)

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri P. C. Lala

(Transferor)

(2) The Premkutir Cooperative Housing Society Limited.

(Transferee)

(3) Members

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 858/71 (Bom) and registered on 19-11-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA  
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range I, Bombay.

Date : 30-6-80.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Adi J. Katgara, Nariman J. Katgara  
(Transferor)(2) M/s. K. F. Enterprise  
(Transferee)(3) Mr. Manek V. Hodiwala, Eruch B. Hadiwala, Mrs.  
Mota Framroze Hodiwala, Mrs. Daisy P. Shroff.  
(Person in occupation of the property)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE I

Bombay, the 1st July 1980

Ref. No. AR-J/4310-27/Nov.79.—Whereas, I, P. L.

ROONGTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. Plot No. 22, 23, 36 to 39 situated at Colaba

Document No. 2838/72/Bom

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration  
at Bombay on 28-11-1979\*Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as aforesaid  
exceeds the apparent consideration therefor by more than  
fifteen per cent of such apparent consideration and that the  
consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11  
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act to the following  
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said  
immovable property within 45 days from the  
date of the publication of this notice in the  
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in  
that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2838/  
72/Bom and registered on 28-11-1979 with the Sub-registrar,  
Bombay.

P. L. ROONGTA,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range I, Bombay.

Date : 1-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE  
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-II  
BOMBAY

Bombay, the 3rd July 1980

Ref. No. AR-II/2916-7/Dec.79.—Whereas, I, A. H. TEJALE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 477, H. No. 2, C.T.S. No. 414, Plot No. 3 situated at Malad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-10-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

- (1) M/s. Jhaveri Construction Co. (Transferor)  
(2) Rekha Niketan Co-op. Hsg. Sdc. Ltd. (Transferee)  
(3) Members of the Rekha Niketan Co-op. Hsg. Soc. Ltd. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;  
(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the registered deed No. S-2487/78 and registered with the Sub-registrar at Bombay on 17-12-1979.

A. N. TEJALE  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 3-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Kanwar Raj Kakar,  
Smt. Saroj Kakar.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Ramchandria V. Beheray  
2. Prakash R. Beheray  
3. Sharad V. Beheray.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-III,  
BOMBAY

Bombay, the 7th July 1980

Ref. No. AR-III/AP. 348/80.—Whereas I, P. L. ROONGTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 84(MIDC) situated at Kondivitta (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Bombay on 6-12-1979, Document No. S-877/79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-877/79/Bom and registered on 6-12-1979 with the Sub-registrar, Bombay.

P. L. ROONGTA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—  
24—166GI/80

Date : 7-7-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE U/S 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW

Lucknow, the 17th May 1980

Ref. No. GIR No. O-14/Acq.—Whereas J. A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Half part of House No. 477 including land, situated at Mohalla, New Mumfordganj, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 12-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Damodar Lal Gupta.

(Transferor)

(2) Shri Om Prakash Jaiswal.  
S/Shri

1. B. K. Singh
2. Rudra Pratap Singh
3. S. P. Pandey
4. Girjapati Shukla
5. Dinesh Mani Tripathy
6. Shesh Mani Tripathy
7. R. N. Tripathy.

(Transferee)

(3) Above seller and tenants.

[Person in occupation of the property]

(4) Seller.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Half part of House No. 477 including land, area 222.76 sq. mtrs. situated at Mohalla-New Mumfordganj, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the Form 37G no. 5356 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 12-12-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 17-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Smt. Kartar Kaur.

(Transferor)

(2) Shri Hari Prasad.

(Transferee)

(3) Above seller.

(Person in occupation of the property)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAXACQUISITION RANGE,  
LUCKNOW57, RAM TIRTH MARG,  
LUCKNOW

Lucknow, the 24th May 1980

Ref. No. GIR No. H-33/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Lease-hold plot No. 2, area 7300 sq. ft., situated at Moti Jheel, Aish Bagh Road, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Lucknow on 4-12-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

One lease-hold plot of land measuring 7300 sq. ft. situated at Moti Jheel, Aish Bagh Road, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 6900 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 4-12-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 24-5-1980  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,  
57, RAM TIRTH MARG,

LUCKNOW

Lucknow, the 24th May 1980

Ref. No. G.I.R. P-79/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Multi-storeyed pucca house including land situated at Mohalla Matbarganj, Azamgarh

(and more fully described in the Schedule annexed here to) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Azamgarh on 22-11-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Hira Khatik  
2. Jawahir Khatik  
3. Smt. Budhni.

(Transferors)

- (2) 1. Pankaj Shrivastava  
2. Dhiraj Shrivastava  
3. Suraj Shrivastava.

(Transferees)

- (3) Above seller and tenants.

1. Shri Bangopal Lal Verma

2. Shri Tej Bahadur Singh.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

A multi-storeyed pucca house including land, area 2660 sq. ft. situate at Mohalla Motbarganj, Azamgarh, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 3443 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Azamgarh, on 22-11-1979.

A. S. BISEN  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range, Lucknow

Date : 24-5-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

(1) Shri Sardar Bikram Singh Gulerya 4/5, Kalkaji  
Extn. New Delhi-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Dr. Kamlesh Kumari Gupta W/o Sh. A. Kumar  
D/64(A) Huaz Khas New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, L. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/617.—Whereas I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as  
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable  
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-  
and bearing

No. 4/5 situated at Kalkaji New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16  
of 1908) in the office of the Registering Officer at  
New Delhi on November 1979

for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between  
the parties has not been truly stated in the said instrument  
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act,  
in respect of any income arising from the transfer;  
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax  
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-  
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-  
ing persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days  
from the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immov-  
able property within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXXA of the said  
Act shall have the same meaning as given  
in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. 4/5, Kalkaji New Delhi-19.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980  
Seal :

**FORM IINS****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

**GOVERNMENT OF INDIA**  
**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT**  
**COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**  
**ACQUISITION RANGE-I,**  
**H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE**  
**NEW DELHI-110002**

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/627.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-321, situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Arun Kumar, 4818,  
 Mathur Lane, 24,  
 Darya Ganj, New Delhi-110 002.

(Transferor)

- (2) Shri Gurdip Singh, A-30-D, D.D.A. Flats,  
 Munirka New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Plot No S-321, measuring 300 sq. yds. situated in Greater Kailash II New Delhi.

**R. B. L. AGGARWAL**  
 Competent Authority  
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980.  
 Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IV/11-79/1225.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-27 situated at Jhilmil Tahirpur Indl. Estate, G.T. Road, Shahdara, Delhi-32, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Taneja Engineering Works B-27, Jhilmil Tahirpur Industrial Estate, G. T. Road, Shahdara Delhi-32 through in prop. S. Jaswanti Singh.  
(Transferor)

(2) Shri Madho Pershad, Mr. Kishan Pershad and Shri Sudesh Pershad sons of Shri Sheo Pershad, 356, Naya Bans, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Factory building No. B-27, Jhilmil Tahirpur Industrial Estate, G. T. Road Shahdara Delhi-32, having an area of 1260 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-1, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/1657.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-3, situated at Hauz Khas Enclave New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Satish Bhatnagar, Smt. Asha Cairo and Miss Saroj Bhatnagar son and daughters of Late Sh. Bhagwan Sarup Ro M-3, Hauz Khas Enclave, New Delhi.

(Transferors)

- (2) M/s Amrit Estates P. Ltd. A-3, Kailash Nagar, Kailash Colony New Delhi through Director Sh. Balbir Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Single storey house No. M-3, measuring 100 sq. yds. situated at Hauz Khas Enclave New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL

Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date: 23-6-1980.  
Seal:

## FORM ITNS—

(1) Shri Bal Ram Yadav, Shri Rajesh Yadav, both r/o  
13/2, Shakti Nagar Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-  
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Delite Builders, A-2/140, Safdarjang Enclave,  
New Delhi.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/719.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,  
being the Competent Authority under Section 269B of the  
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to  
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-  
able property, having a fair market value exceeding  
Rs. 25,000/- and bearing  
No. S-192, situated at Greater Kailash Part II New Delhi  
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),  
has been transferred under the Registration Act, 1908  
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer  
at New Delhi on November 1979,  
for an apparent consideration which is less than the fair  
market value of the aforesaid property, and I have reason to  
believe that the fair market value of the property as afore-  
said exceeds the apparent consideration therefor by more  
than fifteen per cent of such apparent consideration and that  
the consideration for such transfer as agreed to between the  
parties has not been truly stated in the said instrument of  
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability  
of the transferor to pay tax under the said Act, in  
respect of any income arising from the transfer;  
and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any  
moneys or other assets which have not been or  
which ought to be disclosed by the transferee for  
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922  
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,  
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said  
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the  
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-  
tion (1) of Section 269D of the said Act, to the following  
persons, namely :—  
25—166GI/80

Objections, if any, to the acquisition of the said property  
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of  
45 days from the date of publication of this notice  
in the Official Gazette or a period of 30 days from  
the service of notice on the respective persons,  
whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immov-  
able property, within 45 days from the date of the  
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as  
are defined in Chapter XXA of the said Act,  
shall have the same meaning as given in that  
Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot No. S-192, Greater Kailash Part II New Delhi  
measuring 300 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980.  
Seal ;

**FORM ITNS—****NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,**

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/664.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Agrl. land 16 bigha 16 biswas situated at with Farm House in village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Her Highness Rajmata Krishna Kumari Wd/o late Highness Maharaja Shri Ranwant Singh of Jodhpur through her attorney Chandresh Kumar W/o Tikka Aditya Deochand Katoch, S-43, Greater Kailash-I, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) M/s Alfa Impex P. Ltd. B-92, Himalaya House, 23, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

**THE SCHEDULE**

Agricultural land area 16 bigha 16 biswas Khasra Nos. 469(4-16), 470(4-16) 468/1(2-8), 409(4-16) alongwith Farm House situated in village Gadaipur Tehsil Mehrauli New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA  
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT  
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/11-79/683.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 9 situated at DLF Commercial Complex, Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) M/s Satya Paul & Bros.,  
G-12, South Extension I, New Delhi.  
(Transferor)

(2) M/s Design Partnership,  
129, Sunder Nagar New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Shop No. 9, DLF Commercial Complex Greater Kailash II, New Delhi measuring 579.82 sq. ft.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE I,H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRII/11-79/666.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

M/28, situated at Greater Kailash I New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 22-11-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Manorma Mehta W/o A. B. Mehta, 61 Scagull, Carmaichel Road Bombay & Mrs. Dolly Misra W/o S. K. Misra, 19, Ballygunge, Circular Road, Calcutta.

(Transferor)

- (2) M/s Bharat Petroleum Corporation Ltd., 28, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property bearing M.C.D. No. 28 Block-M constructed upon freehold plot of land measuring 500 sq. yds, situated in the residential colony known as Greater Kailash I New Delhi bounded as under :—

East Plot No. M-30.  
West : Plot No. M-26.  
South : Service Lane.  
North : Road.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980.  
Seal :



## FORM ITNS

- (1) Shri Harbans Lal Kwatra S/o Sh. Sant Ram,  
M-166, Greater Kailash II New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Kartar Singh S/o Nihal Singh C/o M/s  
Virmani & Associates, E-I, Connaught Place, New  
Delhi.  
(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SRIII/11-79/690.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S-411 situated at Greater Kailash II New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot of land bearing No. 411 in S Block measuring 300 sq. yds. in the residential colony known as Greater Kailash II situated at village Bahapur New Delhi bounded as under :

East : Road.  
West : Service Lane.  
North : Plot No. S-409.  
South : Plot No. S-413.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority.  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,  
ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRIII/11-79/691.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-196, Greater Kailash-I situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-11-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Amarjit Singh Sandhu S/o Shri Chanan Singh through his attorney Shri Hardayal Singh S/o Shri Chanan Singh R/o No. 2, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Arvind Luther S/o Lt. Col. T. N. Luther R/o C-196, Greater Kailash I, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two and a half storeyed building built on plot of land measuring 300 sq. yds. (250.83 sq. mts.) bearing Number 196 in Block No. "C" located in the residential colony of Greater Kailash Part I New Delhi bounded as under :—

East : Road.  
West : Service Lane  
North : House No. C-198.  
South : Plot No. C-194.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Shri Kundan Mehta, B-168, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. AGN Kurade, Mrs. Suman Kurade, Master Sangam Kurade, Master Sagar Kurade R/o 168-B, East of Kailash, New Delhi.

(Transferees)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq.-I/SRIII/11-79/685.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-168, situated at East of Kailash (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at New Delhi on 27-11-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

House No. B-168, East of Kailash, New Delhi measuring 400 sq. yds.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER  
OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/645.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-484 situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Bimla Sood W/o C. P. Sood 7/17, Roop Nagar Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Harminder Singh S/o S. Sohan Singh C/o Pal Associates, G-48, Green Park, New Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property No. E-484, Greater Kailash II New Delhi measuring 459 sq. metres.

R. B. L. AGGARWAL,  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. JAC/Acq-I/SR-III/11-79/622.—Whereas, I,  
R. B. L. AGGARWAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. B-260 situated at Greater Kailash-I, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—  
26—166GI/80

1) Mohammad Yusuf Trambo, Mohammad Iqbal &amp; Smt. Posh Begum all R/o 6 Rajbagh, Sinagar, Kashmir.

(Transferors)

(2) Shri Bishamber Nath Kochhar and Smt. Edna Kochhar R/o B-104 Masjid Moth, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Vacant Plot No. B-260, situated in Greater Kailash I, New Delhi measuring 260.22 sq. mts.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I. P. ESTATE  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-III/11-79/639.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. E-28, situated at Greater Kailash II New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Harbans Kaur Puri W/o S. Lakhinder Singh Puri, C-139, Defence Colony, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Shri Rajinder Nath Kalia, 2529, Chamanwara, Tilak Bazar, Delhi.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Two and half storey building built on freehold plot of land measuring 250 sq. yds. bearing No. E-28, Greater Kailash Part II New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 23-6-1980.  
Seal :

## FORM ITNS

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-I/SR-IJJ/11-79/662.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agrl. land mg. 3 bigha situated at village Sultanpur Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on November 1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Dalbir Singh S/o S. Charan Singh,  
R/o National Pultry Farm, Vill. Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.  
(Transferor)
- (2) Mrs. Salohna Devi W/o Ram Narain &  
Mrs. Salojna Devi W/o Banarsi Ram 4501/14 Gali,  
Bhagat Singh Saheed, Paharganj, New Delhi-55.  
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agrl. land measuring 3-bighas Khasra No. 238/2 (2 bigha) 238/3/1 (6 biswas), 238/3/3 (7 bighas), 238/3/2 (7 biswas) Village Sultanpur, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi

Date : 23-6-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

(1) Dr. Dashrath Ojha S/o Pt. Ram Dass Ojha  
R/o 2-Ram Kishore Road, Civil Lines Delhi.  
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) International Society for Krishna Consciousness,  
Feroz Gandhi Road, Lajpat Nagar III, New Delhi.  
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAX  
ACQUISITION RANGE-I  
H-BLOCK, VIKAS BHAVAN, I.P. ESTATE,  
NEW DELHI-110002

New Delhi, the 23rd June 1980

Ref. No. IAC/Acq-1/SRIII/11-79/625.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-119, situated at Greater Kailash I New Delhi (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 13-11-1979, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property M-119, Greater Kailash I New Delhi built on a plot of land measuring 516 sq. yds. bounded as under:—  
East—Road 30 ft.  
West—Property No. M-117  
North—Service Lane  
South—Road 30 ft.

R. B. L. AGGARWAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-I  
Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 23-6-1980  
Seal :



## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II,

New Delhi, the 10th July 1980

Ref. No. IAC/Acq-II/SR-I/11-79/5964.—Whereas, I, Mrs. S. K. AULAKH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 51 situated at Rajpur Road, Civil Lines Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi on November 1979.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Smt. Kailash Wati, Sh. Gokal Chand Khanna, Rejan Chand Khanna, Pradcep Kumar Khanna, Ashok Kumar Khanna all R/o 17, Alipur Road, Civil Lines Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Om Prakash, Maya Devi, Subhash Chander, Smt. Kiran Kumari, Smt. Asha Rani, Smt. Rani Chameli R/o 42, Tagore Park, Model Town, Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Bungalow No. 51 Rajpur Road, Civil Lines Delhi measuring 4133.33 sq. meters.

Mrs. S. K. AULAKH,  
Competent Authority,  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 10-7-1980  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,  
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD.

Ahmedabad, the 6th March 1980

Ref. No. P.R. No. 894 Acq. 23-II/14-7/79-80.—Whereas, I, S. N. MANDAL; being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 78, Sheet No. 130 situated at Patan, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Patan on 7-11-1979 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Thakore Chaturji Nathaji;  
Abuwalanu Dehlu,  
Near V. K. Bhula High School,  
Station Road, Patan.

(Transferor)

(2) President :  
Devpurinagar Coop. Housing Society,  
Patan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Immovable property being open land admeasuring 3 Acres and 21 gunthas situated at S. No. 78, Patan and fully described as per sale deed No. 2573 registered in the office of Sub-Registrar, Patan on 7-11-1979.

S. N. MANDAL  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 6th March, 1980.  
Seal :

## FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE  
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-  
SIONER OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE, COMET HOUSE,  
691/1/10 PUNE SATARA ROAD, PUNE-411 009.

Pune, the 30th June 1980

Ref. No. CA5/SR. Thane/Nov. '79.—Whereas, I A. C. CHANDRA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Thane Tika No. 16, C.T.S. No. 50 situated at Naupada, Thane

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thane on Nov. 1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Parsharam Damodar Vaidya,  
Talao Pali, Jambli Naka, Thane-1,  
Now residing at : 2001, Sadashiv Peth,  
Pune-30.

(Transferor)

(2) Shri Jaganath Dhondu Jadhav,  
Dr. Ambedkar Chowk, Shivaji Path,  
Thane.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Property situated at Thane Tika No. 16, C.T.S. No. 50, Adm. 760-87 sq. mts. at Naupada, Thane.

(Property as described in the sale-deed No. 65, dt. Nov. 1979 in the office of the Sub-Registrar, Thane).

A. C. CHANDRA  
Competent Authority  
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax  
Acquisition Range, Pune.

Date : 30-6-1980.

Seal :

## FORM ITNS—

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

ANJIPARAMBIL BLDGS.

ANAND BAZAR, COCHIN-682 016

Cochin-682 016, the 14th July 1980

Ref. No. L.C. 416/80-81.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 17-10-1979

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Jagmohandas  
VI/967, Boat Jetty Road,  
Cochin-2.

(Transferor)

(2) Shri K. V. Mathew  
Kattookkaran House,  
Banerji Road, Cochin.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

23.529 cents of land as per schedule attached to doc. No. 3608/79.

V. MOHANLAL  
Competent Authority  
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,  
Acquisition Range, Ernakulam

Date : 14-7-1980  
Sent :

## UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

## NOTICE

## COMBINED LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1980

New Delhi, the 26th July 1980

No. F 9/8/79-EI(B).—A combined limited departmental competitive examination for additions in the Select Lists for the Section Officers' Grade and Stenographers' Grade I/Grade B of the Services mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission commencing on 17th December, 1980 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, GANGTOK, MADRAS, NAGPUR and at Selected Indian Missions abroad in accordance with the Rules published by the M/o Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India dated 26th July, 1980.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION. (see Annexure-I para 8).

2. The Services to which recruitment is to be made on the results of the examination and the approximate number of vacancies in those Services are given below :—

## Category I

Section Officers' Grade of the—\*  
Central Secretariat Service.

## Category II

Section Officers' Grade [Integ- —15 (Includes 2 vacancies  
rated Grade II & III) of the reserved for Scheduled  
General Cadre of the Indian Castes and 1 reserved for  
Foreign Service, Branch "B" Scheduled Tribes)

## Category III

Section Officers' Grade of the — 2\*\*  
Railway Board Secretariat Service.

## Category IV

Grade B of the Central Secre- —\*  
tariat Stenographers' Service

## Category V

Grade I of the Stenographers' —\*  
Sub-cadre of the Indian  
Foreign Service Branch 'B'

## Category VI

Grade 'B' of the Armed Forces —\*  
Headquarters Stenographers  
Service.

## Category VII

Section Officers' Grade of the 4 (Includes 1 vacancy reserved for  
Intelligence Bureau Scheduled Tribes)

The above number is liable to alteration.

\*Vacancies not intimated by Government.

\*\*Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate who is eligible for two Categories of Services (c.f. Rule 3) and wishes to compete for both, need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in the Annexure once only and will not be required to pay separate fee for each of the categories for which he applies.

N.B. Candidates must indicate clearly in their applications the Category/Categories for which they are competing. Candidates competing for two Categories should specify in their applications the two Categories in the order of preference. No request for alteration in the order of preferences for the categories originally indicated in his application by a candidate competing for 2 Categories would be considered unless the request for such alteration is received in the Office of the Union Public Service Commission within 30 days of the date of declaration of the results of the written examination.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, 27—1 66GI/80

Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The Prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by crossed Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1980. Applications on forms other than the one prescribed for the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1980 will not be entertained.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by post or by personal delivery at the counter on or before the 15th September, 1980 (29th September, 1980 in the case of candidates residing abroad, in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J&K State, from a date prior to 15th September, 1980) accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed

date will be considered.

A candidate residing abroad, in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J&K State, may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad, in the Andaman & Nicobar Islands, Lakshadweep, Assam, Meghalaya, Arunachal Pradesh, Mizoram, Manipur, Nagaland, Tripura, Sikkim and in Ladakh Division of J&K State, from a date prior to 15th September, 1980.

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to the account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

7. If any candidate who took the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1979 wishes to apply for admission to this examination, he must submit his application so as to reach the Commission's office by the prescribed date without waiting for the results of the 1979 Examination. If his name is recommended for inclusion in the Select List on the results of the 1979 Examination, his candidature for this Examination will be cancelled on request and the fee refunded to him, provided that the request for cancellation of candidature and refund of fee is received in the commission's office within a month from the date of announcement of the final results of the 1979 Examination.

8. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

9. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE

HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

10. The question paper on General Studies as indicated in the scheme of examination at Appendix I to the Rule will consist of objective type questions. For details pertaining to objective type Tests, including sample questions, reference may be made to "Candidates' Information Manual" at Annexure II.

R. S. AHLUWALIA, Dy. Secy.  
Union Public Service Commission.

#### ANNEXURE-I

##### Instructions to Candidates

1. *Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

*A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice, two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may, at the discretion of the Commission, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him.*

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Head of Office concerned, who will verify the relevant entries and complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft or Indian Mission Receipt for the prescribed fee. (See para 6 of Notice).
- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cms x 7 cms approx.) photograph of the candidate one pasted on the application form and the other on the Attendance Sheet in the space provided therein.
- (iii) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession where applicable. (See para 4, below).
- (iv) Two self-addressed, unstamped envelopes of size approximately 11.5 cms x 27.5 cms.

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPY OF CERTIFICATE MENTIONED IN ITEM (iii) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR EVALUATION OF RECORD OF SERVICE OR FOR SHORTHAND TEST, AS THE CASE MAY BE, ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINAL OF THE CERTIFICATE MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF MAY, 1981. CANDIDATES SHOULD KEEP THIS CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT IT TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATE WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) and (ii) are given below and of those in item (iii) are given in para 4 :—

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Main Branch, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that Country who should be asked to credit the amount to the account head '051. Public Service Commission—Examination fees'. The candidate should forward the receipt from that office with the application.

(ii) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cms. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy on the Attendance Sheet in the space provided therein. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraph 3(i) and (ii) above, is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained.

4. (i) A candidate claiming eligibility for admission to the examination in terms of Rule 3(b) should submit along with his application an attested/certified copy of a certificate from the Ministry of Defence, to show that he joined the Armed Forces on or after 26th October, 1962. The copy of the certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his reversion from the Armed Forces.

(ii) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) claiming age concession under Phil. 3(c)(ii) or 3(c)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a bona fide displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangladesh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964, and 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;

(4) Sub-Divisional Officer, within the Sub-Division in his charge;

(5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

(iii) A repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 3(c)(iv) or 3(c)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November 1964, or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

(iv) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is an Indian repatriate from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia claiming age concession under Rule 3(c)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate, from the District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(v) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 3(c)(vii) or 3(c)(viii) should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963 or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 3(c)(ix) and 3(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General ~~Resettlement~~ Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operating during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the Candidates.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area\* and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

\*Strike out whichever is not applicable.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force, claiming age concession under Rule 3(c)(xi) or 3(c)(xii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, Ministry of Home Affairs to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. \_\_\_\_\_ Shri \_\_\_\_\_ of Unit \_\_\_\_\_ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....  
Designation.....  
Date.....

5. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they

submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

7. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

8. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

9. Copies of pamphlets containing rules and question papers of the five preceding examinations held before 1976 for the C.S.S. Section Officer's Grade Limited Departmental Competitive Examination and the Combined Limited Departmental Competitive Examination, 1976, 1977 and 1978 are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi (110054) and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, Opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi (110001), (ii) Sale Counter of the Publication Branch, Udyog Bhavan, New Delhi (110001) and (iii) Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India publications at various mofussil towns.

10. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

11. Communications Regarding Applications.—ALL COMMUNICATION IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—(i) COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

N.B.—(ii) IF A LETTER/COMMUNICATION IS RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER AN EXAMINATION HAS BEEN HELD AND IT DOES NOT GIVE HIS FULL NAME AND ROLL NUMBER, IT WILL BE IGNORED AND NO ACTION WILL BE TAKEN THEREON.

12. Change in Address.—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 11 ABOVE ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES. THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

## ANNEXURE—II

## CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

## A. OBJECTIVE TEST

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination (test) you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers (hereinafter referred to as responses) are given. You have to choose one response to each item.

This Manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

## B. NATURE OF THE TEST

The question paper will be in the form of a TEST BOOKLET. The booklet will contain items bearing numbers 1, 2, 3, etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct then the best response. (see "sample items" at the end.). In any case, in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

## C. METHOD OF ANSWERING

A separate ANSWER SHEET will be provided to you in the examination hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the Test Booklets or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet number of the items from 1 to 200 have been printed in four 'Parts'. Against each item, responses, a, b, c, d, e, are printed. After you have read each item in the Test Booklet and decided which of the given response is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the selected response by blackening it completely with pencil as shown below (to indicate your response. Ink should not be used in blackening the rectangles on the answer sheet.

1. ☐ a ☐ b ☒ c ☐ d ☐ e

2. ☐ a ☐ b ☐ c ☐ d ☒ e

3. ☒ a ☐ b ☐ c ☐ d ☐ e

It is important that—

1. You should bring and use only good quality HB pencil(s) for answering the items.
2. If you have made a wrong mark, erase it completely and re-mark the correct response. For this purpose, you must bring along with you an eraser also.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate or fold or wrinkle or spoil it.

## D. SOME IMPORTANT REGULATIONS

1. You are required to enter the examination hall twenty minutes before the prescribed time for commencement of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have elapsed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the Test Booklet and the answer sheet to the Invigilator/Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.**

**YOU WILL BE SEVERELY PENALISED IF YOU VIOLATE THIS RULE.**

5. Write clearly in ink the name of the examination/test, your Roll No., Centre, subject, date and serial number of the Test Booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.
6. You are required to read carefully all instructions given in the Test Booklet. You may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item response. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or part of a test, you must follow his instructions immediately.
7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring a HB pencil, an eraser, a pencil sharpener, and a pen containing blue or black ink. You are advised also to bring with you a clip-board or a hard-board or a card-board on which nothing should be written. You are not allowed to bring any scrap (rough) paper or scales or drawing instrument into the examination hall as they are not needed. Separate sheets for rough work will be provided to you on demand. You should write the name of the examination, your Roll No. and the date of the test on it before doing your rough work and return it to the supervisor along with your answer sheet at the end of the test.

## E. SPECIAL INSTRUCTIONS

After you have taken seat in the hall, the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this, the invigilator will give you the Test Booklet, on receipt of which you must ensure that it contains the booklet number, otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your Test Booklet on the relevant column of the Answer Sheet. You are not allowed to open the Test Booklet until you are asked to do so by the supervisor.

## F. SOME USEFUL HINTS

Although the test stresses accuracy more than speed, it is important for you to use your time as efficiently as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all the questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

All questions carry equal marks. Answer all the questions. Your score will depend only on the number of correct responses indicated by you. There will be no negative marking.

## G. CONCLUSION OF TEST

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Remain in your seat and wait till the invigilator collects all the necessary material from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the Test Booklet, the answer sheet and sheets for rough work out of the examination Hall.

## SAMPLE ITEMS (QUESTIONS)

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?
  - (a) the successors of Asoka were all weak
  - (b) there was partition of the Empire after Asoka
  - (c) the northern frontier was not guarded effectively
  - (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.
2. In a parliamentary form of Government
  - (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
  - (b) the Legislature is responsible to the Executive



- 
- |   |              |
|---|--------------|
| (c) the Executive is responsible to the Legislature | (b) Mars     |
| (d) the Judiciary is responsible to the Legislature | (c) Jupiter  |
| (e) the Executive is responsible to the Judiciary.  | (d) Mercury. |
3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to
5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods?
- |   |  |
|---|--|
| (a) facilitate development                        | (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods           |
| (b) prevent disciplinary problems                 | (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods      |
| (c) provide relief from the usual class room work | (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods    |
| (d) allow choice in the educational programme.    | (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods. |
4. The nearest planet to the Sun is
- (a) Venus

